जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 331 प्रभात अजमेर, बुधवार 2 जुलाई, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

ट्रंप एक समय के घनिष्ठ मित्र एलन मस्क को साउथ अफ्रीका ''डिपोर्ट'' करने पर आमादा

ट्रंप एलन मस्क से तब से बेहद खफा हैं, जब से मस्क ने अमेरिकी सरकार के, अरबों डॉलर खर्च करने व बाज़ार से बतौर ऋण कई ट्रिलियन डॉलर उधार लेने के प्रयास को बेवकूफी भरा कदम बताना शुरु किया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। डॉनल्ड ट्रंप कोई संत नहीं हैं और न ही क्षमाशील। अब वे एलन मस्क से बदला लेना चाहते हैं।

ट्रंप एलन मस्क को अमेरिका से निकालकर दक्षिण अफ्रीका भेजने की धमकी दे रहे हैं, जहाँ मस्क का जन्म हुआ था और जहाँ उनके पिता अभी भी रहते हैं। इससे ट्रंप की मस्क के खिलाफ प्रतिशोध की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी, क्योंकि मस्क ने ट्रंप की भव्य योजनाओं का सार्वजनिक रूप से विरोध किया था।

- मस्क की इस आलोचना का बदला लेने के लिए ट्रंप ने अमेरिका में इलैक्ट्रिक कार पर मिल रही सब्सिडी को कम करने का मन भी बनाया है।
- ट्रंप का आरोप है कि इस सब्सिडी का अधिकांश पैसा मस्क की कम्पनी को मिल रहा था और अब यह सब्सिडी बंद होने से मस्क को अपनी दुकान बंद करनी पड़ेगी और घर का रास्ता देखना पड़ेगा। ट्रंप ने कटाक्ष भी किया, अब मस्क अपने ''स्पेसशिप'' अंतरिक्ष में भेजने का शौक पूरा नहीं कर पायेंगे।
- मस्क को ट्रंप के महत्वाकांक्षी विधेयक की आलोचना करना भारी पड़ सकता है।

यह टकराव ट्रंप के ''बिग एण्ड ब्यूटीफुल बिल'' को लेकर है, जिसमें अरबों डॉलर खर्च करने और अमेरिकी संघीय सरकार को अधिक कर्ज लेने की शक्ति देने का प्रस्ताव है। मस्क इस बिल की कड़ी आलोचना कर रहे हैं, जो फिलहाल अमेरिकी सीनेट में पास हो रहा है।

यह बिल टैक्स कटौती का प्रस्ताव करता है और संघीय सरकार को कर्ज लेने के अधिकार देता है, जिससे संघीय कर्ज में 3.3 ट्रिलियन डॉलर की बढ़ोतरी हो सकती है। एलन मस्क ने इस बिल को 'पूरी तरह पागलपन' बताया है और एक नई राजनीतिक पार्टी शुरू करने की धमकी भी दी है।

चूंकि मस्क लगातार इस बिल की आलोचना कर रहे हैं, जो ट्रंप के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, ट्रंप ने अब मस्क पर ''डीओजीई'' (डिपार्टमैंट ऑफ गवरमैंट एफिशिएंसी) छोड़ने की धमकी दी है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि डीओजीई एक राक्षस है जो मस्क को खा सकता है। यानी डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नमेंट एफिशिएंसी, जिसे ट्रंप ने अपने शपथ ग्रहण के बाद मस्क को सौंपा था, ने सरकारी कामकाज में भारी खलबली मचा दी थी।

डीओजीई के प्रमुख के रूप में मस्क ने कई संघीय विभागों को बंद करने का आदेश दिया था, जिससे विदेशी क्षेत्रों में संघीय कर्मचारियों की छंटनी हुई। इस विभाग सीक्रेट सर्विस और खुफिया एजेंसियों तक का मूल्यांकन किया, जिन्हें मस्क ने ''डीप स्टेट'' कहा था।

प्राइवेट अरबपति मस्क जिस तानाशाही रवैये से विभाग चला रहे थे उससे कई लोग नाराज़ हो गए थे और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अलवर के सांसद भूपेन्द्र यादव होंगे, नए भाजपा अध्यक्ष?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 जुलाई। केन्द्रीय पर्यावरण मंत्री तथा अलवर लोकसभा क्षेत्र के सांसद भूपेन्द्र यादव भारतीय जनता पार्टी के अगले अध्यक्ष होंगे।

छप्पन वर्षीय यादव जगत प्रकाश

- चर्चा है कि वे नड्डा की जगह लेंगे, जो 2020 से ही पार्टी के अध्यक्ष है।

नड्डा (64) का स्थान ग्रहण करेंगे। हिमाचल प्रदेश निवासी केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा 2020 से पार्टी के अध्यक्ष हैं। यादव केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निकटस्थ बताये जाते हैं।

रेल मंत्री ने किया ''रेल वन'' ऐप का शुभारंभ

नयी दिल्ली, 01 जून। रेलवे ने यात्री सुविधाओं में एक और सुधार करते हुए रेलवन एप शुरु किया है जिसके जरिए यात्रियों को सभी आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएगी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को यहां रेल सूचना प्रणाली केंद्र के 40वें स्थापना दिवस पर रेलवन एप का शुभारंभ करते हुए कहा कि इस एप के माध्यम से रेल यात्री संपर्क को बेहतर बनाया जा सकेगा।

रेलवे का यह एप उपयोगकर्ता के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस ने प्र.मंत्री मोदी की आठ दिवसीय विदेश यात्रा पर कटाक्ष किया

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1, जुलाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आगामी विदेश यात्रा को लेकर कांग्रेस ने उन पर तीखा हमला करते हुए उन्हें ''फ्रीक्वेंट फ्लायर पीएम'' करार दिया और उनकी 5 देशों की विदेश यात्रा को देश के गंभीर मुद्दों से ''राजनीतिक पलायन'' बताया। पार्टी ने मणिपुर संकट और अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप द्वारा किए गए विवादास्पद दावों को लेकर मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाए।

- कांग्रेस के कटाक्ष के अनुसार, ''फ्रीक्वेंट फ्लायर'' प्रधानमंत्री, देश में उनके सम्मुख प्रस्तुत चार भारी मुद्दों को संबोधित करने से बचकर आठ दिवसीय विदेश यात्रा पर निकले हैं।

कांग्रेस के संचार प्रमुख और महासचिव जयराम रमेश ने प्रधानमंत्री पर महत्वपूर्ण मसलों से कतराने का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री 8 दिन की विदेश यात्रा के जरिए इन मुद्दों से बचकर भाग रहे हैं। रमेश ने ''एक्स'' पर लिखा, ''जब हालात सख्त होते हैं, तो खुद को सख्त कहने वाले भाग जाते हैं।'' ''सुपर प्रीमियम फ्रीक्वेंट फ्लायर'' प्रधानमंत्री 5 देशों की 8 दिन की यात्रा पर निकल चुके हैं।''

प्रधानमंत्री मोदी पर यह आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा, अभी ऐसे चार मुद्दे हैं जो देश को झकझोर रहे हैं और प्रधानमंत्री इनसे कतरा रहे हैं। मणिपुर जहाँ डबल इंजन सरकार है और जब से वह सरकार आई है, मणिपुर में हालात बदतर हैं, पर मोदी एक बार भी मणिपुर नहीं गए।

कांग्रेस महासचिव ने यह भी कहा कि रक्षा अधिकारियों द्वारा हाल ही में किए गए खुलासों के अनुसार, 'ऑपरेशन सिंदूर' के पहले दो दिन भारत को जो झटका लगा, वह प्रधानमंत्री के फैसलों का नतीजा था और राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा बार-बार यह दावा किया जा रहा है कि उन्होंने व्यापार सौदे की बात कर भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम कराया, लेकिन इसके बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी इस पर अब तक चुप्पी साधे हुये हैं।

रमेश ने कहा कि 70 दिन बीतने के बाद भी, पहलगाम के आंतकी न्याय के कटघरे में नहीं लाये जा सके, यह असफलता हैरान करती है, क्योंकि हो सकता है, वे दिसंबर 2023 में पुंछ और अक्टूबर 2024 में गगनगीर व गुलमर्ग में हुए आतंकी हमलों में शामिल रहे हों।

उन्होंने कांग्रेस के इस आरोप को दोहराया कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान हुई रणनीतिक विफलताओं की जिम्मेदारी सीधे प्रधानमंत्री के फैसलों पर जाती है। रमेश की यह टिप्पणी संभवतः इंडोनेशिया में भारत के रक्षा अटैची के उन कथित बयानों की ओर इशारा कर रही थी, जिन पर बाद में इंडोनेशिया के भारतीय दूतावास ने सफाई देते हुए कहा कि भारत के रक्षा अटैची के बयानों को ''संदर्भ से बाहर'' उद्धृत किया गया था और मीडिया रिपोर्टों ने उनके बयान की मंशा को गलत तरीके से पेश किया।

विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई को घाना से अपनी यात्रा की शुरुआत करेंगे, इसके बाद वे त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राज़ील, और अंत में, नामीबिया का दौरा करेंगे। ब्राजील में वे 17वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे और राष्ट्रपति लुइज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के निमंत्रण पर राज्य में भ्रमण भी करेंगे।

यूक्रेन के खिलाफ रूस ने निर्णायक जंग शुरु की

रूस ने 260 मिसाइलों व 477 ड्रोन्स से भारी हमला किया

कीव/मॉस्को, 01 जून। रूस और यूक्रेन के बीच जारी जंग लगातार तेज होती जा रही है। हाल ही में यूक्रेन पर रूस ने अब तक का सबसे बड़ा हमला किया है। बताया जा रहा है कि 260 मिसाइलें और 477 ड्रोन्स रूस की ओर से दागे गए हैं।

यूक्रेन ने दावा किया है कि उसकी वायुसेना ने 249 ड्रोन्स और 226 मिसाइलों को तबाह कर दिया। हमले में 10 लोगों के मारे जाने की बात यूक्रेन ने कबूल की है।

रूस लगातार दबाव बनाने के लिए सुमी इलाके पर चढ़ाई कर रहा है। रूस

- रूस ने दबाव बनाने के लिए सूमी इलाके में 50,000 से ज्यादा सैनिक तैनात किए हैं।
- ज्ञातव्य है कि सूमी से ही यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क इलाके पर हमला किया था और बड़ा क्षेत्र हथिया लिया था।
- यूक्रेन ने दावा किया कि उसकी सेना ने 249 ड्रोन्स व 286 मिसाइलें नष्ट की हैं, पर यह भी माना कि रूस के हमले में उसके दस लोग मारे गए हैं।

ने इस इलाके में 50 हजार से ज्यादा जवान उतार रखे हैं। सुमी से ही अगस्त 2024 में यूक्रेन ने कुर्स्क इलाके पर हमला किया था। माना जा रहा है कि इस इलाके का बड़ा हिस्सा अब भी यूक्रेन के कब्जे में है।

इस इलाके में दोनों ही सेनाओं ने अपने बेहतर सैनिक उतार रखे हैं। यूक्रेन ने रूस को रोकने का दावा किया है, जबकि रूस ने इससे इनकार किया है। दोनों सेनाओं में यबलुनिवका, जूनाकिवका, ओलेक्सिएवका, नोवोमिकोलेवका और किंडरातिवका बॉर्डर पर भीषण जंग चल रही है। यूक्रेन ने पलटवार का दावा किया है।

यूक्रेन के शीर्ष कमांडर जनरल ओलेक्जांडर सिरस्की ने दावा किया है कि रूस की रणनीति को वे अच्छे ढंग से समझते हैं। रूस उनकी सेना को थकाना चाहता है। रूस की सेना को उन्होंने रोक दिया है। जीयूआर प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल किरिलो बुदानोव ने कहा कि रूस ने अपने बेहतरीन कमांडोज को इलाके में उतार रखा है। रूस यूक्रेन के अंदर घुसकर बफर जोन बनाना चाह रहा है।

ऑपरेशन में शामिल रूस की 40वीं नौसैनिक ब्रिगेड, 104वीं एयरबोर्न डिवीजन, 155वीं मरीन ब्रिगेड और 83वीं एयरबोर्न ब्रिगेड को यूक्रेन के कड़े विरोध का सामना करना पड़ रहा है। कुछ इलाकों में रूसी सेना ने बढ़त बना रखी है, लेकिन माना जा रहा है कि वह सामरिक दृष्टि से ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं है। यूक्रेनी सेना को इलाके में ज्यादा फौजी तैनात करने पड़ रहे हैं, जिससे उसका खर्च काफी बढ़ चुका है।

22 राज्यों में भाजपा के संगठन चुनाव सम्पन्न

नई दिल्ली, 01 जुलाई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को छह और राज्यों में अपने प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव कर लिया है। पार्टी ने पिछले साल शुरू हुए आंतरिक चुनावों के तहत, अब तक 22 राज्यों में संगठनात्मक प्रमुखों की नियुक्ति पूरी कर ली है। यह प्रक्रिया पार्टी के संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण औपचारिकता को पूरा करती है।

महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश,

- अब राष्ट्रीय अध्यक्ष के लिए चुनाव कराने की आवश्यक शर्त पूरी हो गई है। पार्टी संविधान के अनुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए 37 राज्यों में से कम से कम 19 में प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव होना जरुरी है।

हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में क्रमशः रविंद्र चव्हाण, एन रामचंदर राव, पी वी एन माधव, राजीव बिंदल और महेंद्र भट्ट को निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। इन नेताओं को लंबे समय से संगठन में सक्रिय, सामाजिक समीकरणों के लिहाज से उपयुक्त माना जाता है। अनिल तिवारी को अंडमान और निकोबार में निर्विरोध पार्टी अध्यक्ष चुना गया।

कुछ अन्य राज्यों, जैसे मध्य प्रदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडु में पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 6 मरे, 5 घायल

चेन्नई, 01 जुलाई। तमिलनाडु में विरुधुनगर जिले के चिन्नाकमनपट्टी में पटाखा निर्माण फैक्ट्री में मंगलवार को भीषण विस्फोट से एक महिला सहित, छह लोगों की जलकर मौत हो गयी और अन्य पांच गंभीर रूप से घायल हो गए।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, मृतकों के नाम आर महालिंगम (55), सी सेलापांडियन, लक्ष्मी करुपसामी, आर राममूर्ति (38), के रामजयम (27) और जी वैरामणि (32) हैं। घायलों में एक महिला भी शामिल हैं, जिन्हें शिवकाशी सरकारी अस्पताल और मदुरै

- मरने वाले 6 लोगों में एक महिला भी शामिल है। विस्फोट से चार कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

राजाजी सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उन्होंने बताया कि यह घटना सुबह उस समय हुई, जब पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से कंक्रीट की छत वाले चार कमरे बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और आसपास का इलाका धुएं से भर गया। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं बचाव सेवा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू किया। बचाव दलों ने शवों और मलबे में फंसे घायलों को बाहर निकाला।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बाँसवाड़ा के बस स्टैंड पर तलवार से हमले में शिक्षिका की मौत

मृतका के भाई के अनुसार, हमलावर पहले भी उसकी बहन पर हमला कर चुका है व ब्लैकमेल करना चाहता था

बांसवाड़ा, 1 जुलाई (निसं)। कलिंजरा बस स्टैंड पर बस के इंतजार में बैठी एक शिक्षिका पर एक युवक ने तलवार से वार कर दिया। बाद में शिक्षिका की मौत हो गयी। बताया जाता है कि लीला ताबियार नामक शिक्षिका बस के इंतजार में बैठी हुई थी। लगभग साढे दस से ग्यारह बजे के बीच एक चौपहिया वाहन पर एक युवक आया और तलवार से लीला के पेट पर वार कर दिया। बाद में हमलावर गाड़ी लेकर निकल गया। इधर, बस स्टैंड पर मौजूद लोग भी दहशत में आ गये और भागते हुए नजर आये। आगे जाकर हमलावर का वाहन एक अन्य वाहन से टकरा गया तो वह वाहन छोड़कर भाग निकला।

जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल ने बताया कि लीला ताबियार सुबह लगभग साढ़े दस से ग्यारह बजे के बीच बस स्टैंड पर बस के इंतजार में बैठी थी। तभी उसका पूर्व प्रेमी महिपाल भगोरा आया और उसने तलवार से लीला के पेट पर वार कर दिया और वाहन लेकर भाग निकला। उन्होंने बताया कि भगोरा की गिरफ्तारी के लिये

- जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाल के अनुसार, शिक्षिका लीला ताबियार बस स्टैंड पर बस का इंतज़ार कर रही थी। उसका पूर्व प्रेमी महिपाल भगोरा वाहन से वहाँ पहुँचा और तलवार से लीला के पेट पर वार करके भाग निकला।

टीमें गठित कर दी गयी हैं। इस मामले में मृतका के भाई सरवन ने बताया कि पूर्व में भी दिनदहाड़े महिपाल उसकी बहन पर हमला कर चुका है और वह उसे ब्लैकमेल करना चाहता था। उसने बताया कि लीला ने हत्या की आशंका से विधायक को भी एक दिन पूर्व ही अवगत कराया था। साथ ही, उसने अपने भाई को भी महीपाल से अनहोनी की आशंका व्यक्त की थी। सरवन ने बताया कि पूर्व में भी महिपाल की गिरफ्तारी हो चुकी थी और जेल से निकलने के बाद उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

घटना के बाद 108 को फोन किया गया, लेकिन एम्बुलेंस बागीदौरा में होने से पहुंच नहीं पायी। स्थानीय लोगों ने बताया कि चिकित्सालय में 104 खड़ी थी, लेकिन सूचना देने के बावजूद, वह नहीं आयी। लगभग बीस मिनट बाद लीला को पुलिस ऑटो में रखकर चिकित्सालय ले गयी, लेकिन लीला ने इस दौरान दम तोड़ दिया।

इधर लोगों का कहना है कि शिक्षा विभाग आत्मरक्षा के गुर के नाम पर अनेकों कार्यक्रम आयोजित करता है ऐसे में यदि यह शिक्षिका भी प्रशिक्षित होती तो संभवतः उसे जान से हाथ नहीं धोना पड़ता। इधर लोग चर्चा करते नजर आये कि समाज में अग्निवीरों की जरूरत है।

इस घटना को कई लोगों ने अपने मोबाइल में भी कैद किया, जिसमें साफ दिखाई पड़ रहा है कि आरोपी वाहन से तलवार लेकर उतर रहा है और उसके बाद, तलवार मारकर वाहन से ही निकलता हुआ नजर आ रहा है।

'वन बिग ब्यूटिफुल बिल आया तो अमेरिका पार्टी का गठन होगा'

वॉशिंगटन, 01 जुलाई। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रमुख कानून पर तीखा हमला करते हुए अरबपति एलन मस्क ने एक नई राजनीतिक पार्टी के गठन का आ ान किया है।

मस्क ने बताया कि पागलपन भरे विधेयक में रिकॉर्ड पांच लाख करोड़ डॉलर की ऋण सीमा वृद्धि से आम अमेरिकियों को बहुत नुकसान होगा।

मस्क सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, इस विधेयक के पागलपन भरे खर्च से यह स्पष्ट है जो ऋण सीमा को रिकॉर्ड पाँच ट्रिलियन डॉलर (पांच

- एलन मस्क ने कहा, यह बिल पागलपन भरे खर्च को प्रोत्साहित करता है, जो अमेरिका के हित में नहीं है।

लाख करोड़ डालर) तक बढ़ाता है कि हम एक पार्टी वाले देश में रहते हैं, पोर्क पिग पार्टी! एक नई राजनीतिक पार्टी बनाने का समय आ गया है जो वास्तव में लोगों की परवाह करती है।

मस्क ने एक्स पर पोस्ट किया, जो कोई भी खर्च कम करने के वादे पर अभियान चलाता है, लेकिन इतिहास में सबसे बड़ी ऋण सीमा वृद्धि पर वोट करना जारी रखता है, उसका चेहरा अगले साल प्राथमिक चुनाव में इस पोस्टर पर दिखाई देगा और आगे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'एसआई भर्ती 2021 फिलहाल निरस्त नहीं होगी'

राज्य सरकार ने हाई कोर्ट में जवाब पेश करते हुए कहा

जयपुर, 1 जुलाई। राज्य सरकार ने एसआई भर्ती 2021 को फिलहाल निरस्त नहीं करने का निर्णय लिया है। राज्य सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाईकोर्ट ने मामले के अंतिम निस्तारण के लिए 7 जुलाई का दिन तय किया है। जस्टिस समीर जैन ने ये आदेश कैलाश चंद शर्मा व अन्य की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश हुए। उनकी ओर से कैबिनेट सब कमेटी की रिपोर्ट पेश कर कहा गया कि फिलहाल भर्ती को निरस्त नहीं किया जा सकता। अभी तक की जांच में काफी कम अभ्यर्थी दोषी पाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि 313 अभ्यर्थी पहली बार किसी सरकारी सेवा में चयनित हुए हैं। इनमें से सिर्फ 35 अभ्यर्थी ही दोषी पाए गए हैं। वहीं, यदि कुल पदों की बात की जाए तो कुल 838 अभ्यर्थियों में से केवल 53 अभ्यर्थी की दोषी पाए गए हैं और 785 अभ्यर्थियों के खिलाफ कोई प्रमाण नहीं मिला है। ऐसे में दोषी अभ्यर्थियों को अलग किया जा सकता है।

महाधिवक्ता ने बताया कि छह मंत्रियों की सब कमेटी ने एसआईटी जांच को आगे बढ़ाने और समस्त दोषियों को गिरफ्तार करने, दोषी अभ्यर्थियों की सेवाएं समाप्त कर

- राज्य सरकार के जवाब को रिकॉर्ड पर लेते हुए हाई कोर्ट ने मामले के अंतिम निस्तारण के लिए 7 जुलाई की तारीख दी है।
- राज्य सरकार की ओर से कहा गया है, जाँच में काफी कम अभ्यर्थी दोषी पाए गए हैं, राज्य सरकार दोषी अभ्यर्थियों को अलग करने के पक्ष में है, उन्हें गिरफ्तार कर उनकी सेवाएँ समाप्त की जाएंगी तथा आगे की भर्ती के लिए भी अयोग्य करार दिया जाएगा।
- सफल अभ्यर्थियों के वकील, आर.एन. माथुर ने कहा कि राज्य सरकार के निर्णय के बाद भर्ती रद्द करने की माँग करने वाली याचिका सारहीन हो गई है, इसे खारिज किया जाए।

उन्हें आगामी भर्तियों के लिए अयोग्य घोषित करने और पर्याप्त पदों पर नई भर्ती कर, उसमें आयु सीमा में छूट देने के साथ ही इस स्तर पर एसआई भर्ती को निरस्त नहीं करने की सिफारिश की है। कमेटी की इस रिपोर्ट को मुख्यमंत्री स्तर पर भी अप्रूव्ड किया जा चुका है।

महाधिवक्ता ने यह भी बताया कि सांख्यिकी विभाग की ओर से तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व की भर्तियों की तुलना में इस भर्ती में किसी क्षेत्र विशेष से अधिक अभ्यर्थियों का चयन भी नहीं हुआ है। मामले में जांच सही दिशा में चल रही है। इसलिए अभी भर्ती को रद्द करना जल्दबाजी होगी। दूसरी ओर, सफल अभ्यर्थियों की ओर से सीनियर एडवोकेट आरएन माथुर ने कहा कि कैबिनेट सब कमेटी के निर्णय के बाद अब भर्ती रद्द करने की मांग करने वाली याचिका सारहीन हो गई हैं। इसलिए इस याचिका को खारिज किया जाए और याचिकाकर्ता चाहें तो सब कमेटी के इस निर्णय को चुनौती देने के लिए अलग से याचिका दायर कर सकते हैं। वहीं, याचिकाकर्ता के सीनियर एडवोकेट आरपी सिंह ने कहा कि सरकार प्रकरण को किसी भी तरह से टालना चाहती है। अदालत ने सभी पक्षों की बहस सुनकर मामले के अंतिम निस्तारण के लिए 7 जुलाई को सुनवाई तय की है।

'भगदड़ में 11 लोगों की मौत के लिए आरसीबी जिम्मेदार'

बंगलूरू, 01 जुलाई। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण (कैट) ने मंगलवार को कहा कि 4 जून को चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर हुई भगदड़

- केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण ने कहा, रॉयल चैलेन्जर्स बैंगलूरु के सोशल मीडिया पोस्ट की वजह से चिन्ना स्वामी स्टेडियम पर भारी भीड़ जमा हो गई जिससे भगदड़ हुई, यही नहीं, आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति भी नहीं ली थी।

के लिए प्रारंभिक तौर पर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) जिम्मेदार है। बता दें

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

विचित्र बात है कि सुख की अभिलाषा मेरे दुःख का एक अंश है। -खलील जिब्रान

बदलते ज़माने में टीवी चैनलों का अनिश्चित भविष्य

एक समय जिस टीवी ने भारत में प्रिन्ट मीडिया और रेडियो के सामने जबरदस्त चुनौती खड़ी की थी, वह अब खुद अपने को चुनौतियों से घिरा पा रहा है। देश में टीवी चैनलों का भविष्य इस समय बहुत दिलचस्प मगर अनिश्चित मोड़ पर खड़ा है। नई तकनीक, दर्शकों की बदली हुई पसंद, और इंटरनेट की पहुंच ने टीवी इंडस्ट्री के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। परंपरागत समाचार टीवी चैनलों की गिरती लोकप्रियता ने उन्हें बाध्य किया है कि वे बड़े व्यावसायिक कारपोरेट घरानों के हाथों में चले जाएं। दूसरी तरफ मनोरंजन वाले टीवी चैनलों के टीआरपी आधारित ड्रामों के कंटेंट से दर्शक अब ऊबने लगे हैं। स्मार्टफोन की डिजिटल क्रांति ने भी टीवी चैनलों पर गहरी मार की है। शहरी और युवा दर्शक अब टीवी चैनलों के बजाय ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर फिल्में और टीवी सीरियल देखने को प्राथमिकता दे रहे हैं। घरों में सीमित रहने वाले अधेड़ ही अधिकतर अपने टीवी स्क्रीन पर चिपके हुए पाये जाते हैं। बाज़ार में अपने भविष्य को सुरक्षित करने के लिए समाचार टीवी चैनलों के संचालकों को 'प्राइम टाइम' में मजमें लगाना सुरक्षित लगता है, जिसमें एंकर परंपरागत निष्पक्ष मध्यस्थ की भूमिका में सामने नहीं आता बल्कि रण के सैनिक के रूप में प्रस्तुत होता है। तेज रफ्तार से बदलती प्रौद्योगिकी को देखते हुए ऐसा सोचने वाले भी कम नहीं हैं कि भविष्य में टीवी चैनल डिजिटल ब्रांड्स में बदल जाने वाले हैं, और वे शायद केवल मोबाइल ऐप्स पर मौजूद मिलें। आश्चर्य नहीं कि लगभग हर बड़ा टीवी नेटवर्क अब अपना खुद का ओटीटी प्लेटफॉर्म भी लेकर आ रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि स्मार्ट टीवी ऐप्स और स्ट्रीमिंग सेवाएं युवा वर्ग को खूब भा रही हैं, जिससे नियमित चैनल सर्फिंग कम होती जा रही है। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, रील्स, और टिक-टॉक जैसे प्लेटफ़ॉर्म के साथ टीवी चैनलों की प्रतिस्पर्धा हो रही हैं। ख़ास तौर पर मनोरंजन, समाचार और जीवनशैली के कंटेन्ट के लिए यह प्रतिस्पर्धा जबरदस्त है। यही सब चीजें टीवी चैनलों के लिए नई चुनौतीयां बन कर खड़ी हैं। बाज़ार की समझ रखने वाले कहते हैं कि पारंपरिक प्रसारकों को भविष्य में कंटेंट क्रिएटर्स के साथ सहयोग करना पड़ सकता है। इस संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि 'मोबाइल-फ़र्स्ट' व्यवस्था के साथ तैयार किये गये शॉर्ट-फ़ॉर्म कंटेन्ट वाले चैनल उभर सकते हैं क्योंकि यह भी स्पष्ट लग रहा है कि युवा दर्शकों का रुझान शॉर्ट फॉर्म कंटेंट की ओर हो रहा है। फिर भी टीवी को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। जिस प्रकार टीवी के हमले को झेलते हुए अखबार और रेडियो अपना स्थान बनाए रख पाये हैं उसी प्रकार टीवी भी नई चुनौतियों के सामने अपना वजूद बनाए रख ही लेगा। इसका एक बड़ा कारण है ग्रामीण भारत में टीवी की पकड़ का अब भी मजबूत बना होना। भारत के गांवों और कस्बों में अभी भी लोग डीटीएच और केबल के जरिए टीवी ज्यादा देखते हैं। गावों में लोगों की आर्थिक हालत सुधर रही है। उभरती हुई ग्रामीण अर्थव्यवस्था को देखते हुए बाज़ार के उत्पादकों तथा सेवा प्रदाताओं को ग्रामीण इलाकों में बड़ा बाज़ार नज़र आ रहा हैं। ग्रामीण उपभोक्ताओं तक पहुंच बनाने के लिए अभी टीवी चैनल प्रमुख माध्यम बने हुए हैं। इसलिए बाज़ार विश्लेषकों का मानना है कि टीवी चैनल अभी पूरी तरह खत्म नहीं होंगे। इतना जरूर है कि अपना वजूद बनाए रखने के लिए वे ग्रामीण और बुज़ुर्ग वर्ग पर केंद्रित होते चले जा सकते हैं।

वक़्त और टेक्नोलॉजी ने चीज़ों को हमेशा बदला है। इस दौर में भी बदलाव आ रहे हैं। मगर अब बदलाव की गति बहुत तेज हैऔर टीवी चैनल्स भी इससे अछूते नहीं रह सकते हैं। अब क्योंकि अर्थव्यवस्था पूरी तरह बाज़ार की पूंजी पर आधारित हो गई है इसलिए टीवी चैनलों पर भी बाज़ार का दबाव होना स्वाभाविक ही है। यही कारण है कि इन दिनों मीडिया संस्थान ज्यादातर व्यवसायिक दृष्टिकोण से संचालित होते हैं। क्योंकि एलेक्ट्रॉनिक मीडिया में टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट्स (टीआरपी) पर विज्ञापन की आय निर्भर करती है इसलिए उस पर ध्यान केंद्रित करना ही पड़ता है। इस दबाव के कारण समाचार चैनलों को सच्चाई और निष्पक्षता से समझौता करते हुए खबरों को सनसनीखेज तरीके से प्रस्तुत करना पड़ता है और उनको समाचारों के प्रस्तुतीकरण को मनोरंजन वाला बनाने के लिए अपने कंटेन्ट में परंपरागत नैतिक तत्वों को तिलांजलि देनी पड़ती है। देश के राजनीतिक घमासान से भी टीवी चैनल अछूते नहीं रह सकते। अन्य मीडिया के समान उन पर, खास कर समाचार चैनलों पर, इसका दबाव होता ही है। मनोरंजन चैनल भी ऐसे विषयों को अपनाते से अपने को रोक नहीं पाते जिसमें वैचारिकता का पुट होता है। कई मीडिया संस्थान राजनीतिक दलों या सरकारों के प्रभाव में रहते हैं। इसके कारण, रिपोर्टिंग में पक्षपाती दृष्टिकोण अपनाया जाता है, जिससे दर्शकों या पाठकों को किसी न किसी राजनीतिक पक्ष के साथ जोड़ कर उसके लिये नेरेटिव बनाने का काम करे। इसके अलावा सभी प्रकार के टीवी चैनल अनेक वर्जनाएं भी तोड़ रहे हैं। विवाहेतर सम्बन्ध, स्वच्छंद यौन आचरण, बोलचाल में अश्लील गालियों का प्रयोग, वीभत्स हिंसा जैसी चीजें अब आम हो चली है। यह भारतीय समाज में आ रहे बदलाव के संकेत है या समाज को बदलने के प्रयास है इस पर मिलिजुली प्रतिक्रियाएं हैं।

> **बाज़ार विश्लेषकों की मानें तो भविष्य में केवल वही टीवी चैनल टिक पाएंगे जो अपने कंटेंट को नए जमाने के अनुसार अपडेट करते रहेंगे। आने वाले समय में डिजिटल तकनीक की पकड़ और गहरी होती चली जाने वाली है जिससे हाइपर-पर्सनलाइजेशन और कृत्रिम बुद्धि एआई का उपयोग बढ़ जाने वाला है। भविष्य में एआई की मदद से कंटेंट को दर्शकों की पसंद के हिसाब से कस्टमाइज़ किया जाएगा।**

एक चीज स्पष्ट नज़र आती है कि डिजिटल अंतर्जाल पर यूट्यूबरों के चैनल, पॉडकास्ट और ओटीटी प्लेटफ़ॉर्म पर प्रदर्शित हो रहे अधिकतर कंटेन्ट समाज के उस नवधनाड्य वर्ग पर केंद्रित होते हैं जो बाज़ार के तिलस्म से मोहित हैं तथा जिनकी जेब में अचानक खूब पैसा आ गया है। मध्यम वर्ग की नई पढ़ी-लिखी पीढ़ी जो 'जेन-जी' के विशेषण से पहचानी जाती है, इसी वर्ग में शामिल होने को आतुर है। उनकी नई पनपी संस्कृति विभिन्न रूपों में हमारे सामने प्रकट होने लगी है। इस पीढ़ी को वर्जनाएं तोड़ना और अब तक वर्जित रही बातें करना और सुनना थ्रिल देता है। यह वह पीढ़ी है जो बाज़ारवाद वाली खुली अर्थव्यवस्था में पनपी है। पश्चिम की संस्कृति ने नये सोशल मीडिया के जरिए इस जेन-जी पीढ़ी में तेजी से पांव पसारे है। सोशल मीडिया की आभासी दुनिया ही जेन-जी के लिए असली दुनिया हो गई है। टीवी चैनलों के सामने यह चुनौती है कि इस पीढ़ी को लुभाने के लिए अपना उत्पाद कैसा कंटेन्ट वाला बनाए जो बाज़ार में उन्हें भरपूर मुनाफा कमा कर दे। किसी ने कहा है कि टीवी चैनल बाजारू कंटेन्ट बनाने और बेचने को शापित हैं। हिंदुस्तान में जेन-जी की नई संस्कृति में लिपटे नवधनाढ्य वर्ग में शामिल होने को आतुर युवाओं को लगता है कि ऐसे कंटेन्ट बनाकर मुफ़्त प्लेटफ़ॉर्म पर चला कर वे कमाई का साधन हासिल कर सकते हैं। इनमें पत्रकारिता को व्यवसाय मानने वाले भी धड़ाधड़ शामिल हो रहे हैं। उनके लिए समाचार भी मनोरंजन का व्यवसाय है। पत्रकारिता में गहरी और तथ्यपूर्ण रिपोर्टिंग के लिए समय और संसाधनों की आवश्यकता होती है, जो इसी के चलते अब बहुत कम हो गये हैं। आज का युग बहुतों के लिए फास्ट-फूड जैसी पत्रकारिता का हो चला है जहां खबरों को जल्दी से जल्दी प्रसारित करने का दबाव होता है। ऐसा करते हुए यह परवाह नहीं होती कि कहीं गलत जानकारी या अपुष्ट खबरें तो नहीं चलाई जा रही है। टीवी चैनलों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर तेजी से फैलने वाली सूचनाओं और बिना सत्यापित जानकारी का मुकाबला करना पड़ रहा है और वे भी उसी धारा में जाने-अनजाने बहे जा रहे हैं।कई बार टीवी चैनलों को बिना जांचे-परखे खबरें इसलिए प्रसारित करनी पड़ती हैं, ताकि सोशल मीडिया के मुकाबले में वे पिछड़ न जाएं। ऐसा अन्य मीडिया में भी हो रहा है। पारंपरिक मीडिया पर लोगों के घटते भरोसे का यह भी एक कारण है।

टीवी चैनलों का मुनाफे का मॉडल मीडिया संस्थानों को व्यापारिक हितों या बाहरी दबावों में काम करने को बाध्य करता है। इससे उनकी स्वतंत्रता से काम करने में बाधा आती है। इसका परिणाम यह होता है कि केवल एक दृष्टिकोण से ही प्रस्तुत की जाने वाली खबरें किसी विशिष्ठ पक्ष के दर्शकों के लिए तो आनंददायी होती है, किन्तु उससे अन्य दर्शकों का भरोसा टूटता है। पत्रकारिता के बुनियादी सिद्धांतों - जैसे निष्पक्षता, सत्यता, और निष्कलंकता-का पालन अब पहले जितना नहीं हो पाता है। बाज़ार विश्लेषकों की मानें तो भविष्य में केवल वही टीवी चैनल टिक पाएंगे जो अपने कंटेंट को नए जमाने के अनुसार अपडेट करते रहेंगे। आने वाले समय में डिजिटल तकनीक की पकड़ और गहरी होती चली जाने वाली है जिससे हाइपर-पर्सनलाइजेशन और कृत्रिम बुद्धि एआई का उपयोग बढ़ जाने वाला है। भविष्य में एआई की मदद से कंटेंट को दर्शकों की पसंद के हिसाब से कस्टमाइज़ किया जाएगा। बाज़ार नये ज़माने और नयी प्रौद्योगिकी की मांग के अनुरूप अपने उत्पादों में बदलाव लाने में माहिर होता है। इसीलिए घरों में टीवी भी स्मार्ट हो रहे हैं, जिन पर दिखने वाला कंटेंट रियल-टाइम में बदल सकता है, उसी प्रकार जैसे मोबाइल फोन में हुआ है। दूसरी तरफ चैनलों पर भी अपने कंटेंट को छोटा, तेज़, और मोबाइल-फ्रेंडली बनाने का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारत में टीवी चैनलों का भविष्य डिजिटल और मोबाइल-फोकस्ड है। विश्लेषकों का अनुमान है कि जो टीवी चैनल तकनीक, कंटेंट और दर्शकों की पसंद के साथ बदलेंगे और दर्शकों की पसंद को बदलेंगे वही टिकेंगे। बाकी सिर्फ इतिहास बनकर रह जाएंगे।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

पाश्चात्य विचार पर आधारित वन एवं वन्यजीव नीति ही दोषपूर्ण

रामपाल जाट

संयुक्त अरब अमीरात सरकार ने शेपिंग फ्यूचर गवर्नमेंट विषय के अंतर्गत वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट 2025 का आयोजन किया था। वर्ष 2030 के बाद के दूरदर्शी मॉडल को विकसित करने के लिए,11 फरवरी 2025 को शिखर सम्मेलन के दौरान एक कार्यक्रम के रूप में एक्सडीजी-2045 मंत्री स्तरीय गोलमेज सम्मेलन का आयोजन किया गया। पर्यावरण के अनुकूल जीवन शैली अपनाते हुए वासुधैव कुटुंबकम की भावना के अनुसार समान वैश्विक साझेदारी, न्याय के सिद्धांतों, समावेशिता और साझा प्रगति को बढ़ावा देने के मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार करने के लिए चर्चा की। इसमें भारतीय विचार हावी है किंतु जब भारत में नीतियां तैयार की जाती है, उनमें पाश्चात्य विचार ही प्रभावी दिखाई देता है। नीतियों से मार्ग निर्धारण होता है। नीतियां दोष पूर्ण होने पर भटकाव आता है। परिणामतः देश की राजधानी से जम्मू कश्मीर जाने की चाहत वाले भी मुंबई, कोलकाता या तिरुवनंतपुरम पहुंच जाते हैं।

जन-जमीन-जंगल-जानवर परस्पर पूरक है। इसके आधार पर ही सुख-समृधि का मार्ग प्रशस्त होता है। इनमें परस्पर शत्रुता के विचार से विग्रह -अशांति उत्पन्न होती है। भारत से वनों को छीन कर अपनी सैरगाह बनाने वालों ने इस सिद्धांत को नकार दिया तथा इन चारों को एक दूसरे का शत्रु निरूपित कर दिया। वे ही मानव एवं बाघों के मध्य इसे संघर्ष से संबोधित करते हैं, जबकि संघर्ष शब्द के प्रयोग का कोई आधार नहीं है। मानव एवं बाघों के संघर्ष का कारण पर्यावासो एवं निर्धारित क्षेत्र की कमी, भूख -प्यास की व्याकुलता एवं उनके स्वभाव में चिड़चिड़ापन आना भी स्वाभाविक है। इसी का परिणाम है कि राष्ट्रीय उद्यान- बाघ परियोजना रणथम्भोर में दो माह की अवधि में ही बाघों ने तीन मानवों की जीवनलीला समाप्त कर दी। तथाकथित पर्यावरणविद् सैरगाह छिन जाने की आशंका से इस अटल सत्य को खंडित करने का प्रयास करते रहते हैं।

भारत के ग्रामीण समाज में दया भाव कूट-कूट कर भरा है। वे जीव मात्र में ईश्वर के दर्शन करते हैं। जीव हिंसा को पाप समझते हैं। जब तक वे वनों की रक्षा करना अपना दायित्व समझते थे तब तक वन अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित थे। इस दृष्टि से अनेक देवताओं के नाम से वनों की पहिचान है। सवाई माधोपुर राष्ट्रीय उद्यान रणथंभोर कठूली नाम के गांव में 'भैरू जी का वन' नाम से स्थित जंगल के वृक्षों को कोई छूता भी नहीं था। इतना ही नहीं तो अनेक दुर्लभ जीवों के अंगों को व्यापार में पैसा कमाने का साधन बनाया। आज भी वन विभाग में मांसाहारियों को नौकरी से रोकने का कोई प्रावधान नहीं है। राजस्थान में एक खेजड़ी के पेड़ को बचाने के लिए 263 शहीद हो गए। फिल्मीजगत की हस्ती को हिरण शिकार में न्यायालय में विचारण का सामना करना पड़ा। यह भारतीयता से औत-प्रोत विचार है। रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान में से 16 गांवों का विस्थापन किया गया, उसके तत्काल बाद शिकार की घटनाओं में बढ़ोतरी हुई।

उन्हीं गांवों में से 75 वर्ष की आयु पार कर चुके छीतर लाल गुर्जर नेताजी अनुभव के आधार पर बताते हैं कि बाघ और ग्रामीण एक साथ रहते थे। मानव को देखकर बाघ बचकर निकल जाता था तथा मनुष्य भी बाघों को देखकर बचकर निकल जाते थे। बाघ एवं मानव में आपसी समझ थी, इसीलिए एक बार अचानक बाघ के पास जा धमके तो बाघ ने आंखें खोली और वह रास्ते-रास्ते दूसरी ओर चला गया। तब भी कुछ वनकर्मी तो स्वयं को नायक तथा शाकाहारी ग्रामीणों को खलनायक सिद्ध करने में रत रहते हैं। वे इस प्रकार की रणनीति के कारण वन्य प्रेमी की प्रतिष्ठा से पैसा, पदोन्नति तथा पुरस्कार प्राप्त करते रहते हैं। वन एवं जैवविविधता प्राणी मात्र के जीवन का आधार है, इसलिए वन बचें एवं वन्य जीव सुरक्षित रहे, इसमें कोई भी असहमत नहीं है। जंगल के प्राणी एवं मानवों के मध्य दूरियों एवं वन कर्मियों एवं ग्रामीणों में संघर्ष दूषित मानसिकता एवं छद्मता पूर्ण व्यवहार का परिणाम है। अट्टालिकाओं में मूल्यवान लकड़ी के किवाड़, खिड़की, दरवाजे एवं फर्नीचर वन विभाग के बड़े अधिकारी होने का प्रतीक बन चुका है। पहरेदार ही संदेह के कटघरे में खड़े हो तो सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लग जाता है।

वर्तमान में चल रही वन नीति के कारण वनों के पड़ोस में जंगली सूअर, रोजडे, बन्दर जैसे जानवरों के कारण मक्का, मूंगफली, मूंग, गन्ना के अतिरिक्त शकरकंद, आलू जैसे जमीकंदो की खेती समाप्त हुई। वहीं बाघ जैसे जानवरों के हिंसक होने से किसान फसलों की रखवाली पर जाने से डरने लगे हैं, इससे फसल उत्पादन विपरीत रूप से प्रभावित होता है। वन नीति बनाने वालों ने इस प्रकार की नीतियों को विकल्पहीनता दर्शित किया हुआ है। जबकि झारखंड राज्य के हजारीबाग जिले के गांव लोचेर के मीनू महतो की परामर्शपूर्ण पुकार पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तत्कालीन जिला कलेक्टर सुधीर प्रसाद ने उनके गांव की 6 एकड़ वन विभाग की भूमि पर वर्ष 1994 में मालदा आम के 300 पौधे वन विभाग के अधिकारियों द्वारा लगवाए थे। उनमें से लगभग आधे पौधे मर गए, तब गांववासियों ने उनके स्थान पर बीजू आम रोप दिए थे। इनके पकने के बाद पूरा गांव आम-आम है। इसी राज्य के बहरागोड़ा पहाड़ पर काजू और नेतरहाट के नीचे तराई क्षेत्र में नाशपाती के पौधे बड़े पैमाने पर लगाए गए। एक ही वर्ष में 400 से लेकर 500 मेट्रिक टन नाशपाती कोलकाता तक बिकने जाती है। जिससे सभी ग्रामीण लाभान्वित होते हैं। आकाशीय बिजली गिरने के कारण होने वाली मौतो से सुरक्षा का पेड़ श्रेष्ठ उपाय है। जब वनों के साथ व्यक्ति एवं गांव का हित जुड़ जाता है तो पूरा गांव ही सुरक्षा कर्मियों के रूप में खड़ा हो जाता है। भारत उन देशों में से एक है, जिनके पास वन प्रबंधन की वैज्ञानिक प्रणाली है। जन भागीदारी से वन एवं वन आच्छादित क्षेत्र बढ़ाया जा सकता है। कृषि भूमि में वन आवरण के रूप में खेती किए जाने को वन आच्छादन में सम्मिलिति किया जाना श्रेयस्कर है।

भारत में कुल भूभाग में से एक तिहाई वन क्षेत्र था। वर्तमान में 25.7 प्रतिशत रह गया। देश में 45,000 से अधिक प्रकार के पौधे तथा 91 हजार प्रकार के जानवर है। विश्व के चार प्रमुख जैव विविधता हॉटस्पॉट में से हिमालय, पश्चिमी घाट, पूर्वी उत्तर क्षेत्र और निकोबार दीप समूह है, जो वैश्विक संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है। विश्व में भारत सबसे अधिक जैव विविधता वाले देशों में से एक है। यद्यपि उसका क्षेत्रफल संपूर्ण पृथ्वी का 2.4 प्रतिशत ही है। प्रोजेक्ट टाइगर के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष में बाघ संरक्षण के लिए अमृतकाल के दृष्टी पत्र के अनुसार 27 नवंबर 2023 तक भारत में राष्ट्रीय उद्यान 106, वन्य जीव अभ्यारण 573, संरक्षण रिजर्व 115 तथा सामुदायिक रिजर्व 220 सहित संरक्षित वन क्षेत्र की संख्या 1014 है। यह देश के कुल क्षेत्रफल का 5.32 प्रतिशत है। बाघ अभारण्यों की संख्या 50 तथा क्षेत्रफल 78,000 वर्ग किलोमीटर है। यह देश के भौगोलिक क्षेत्र का 2.30 प्रतिशत है। वर्ष 2025 में 50 से बढ़कर बाघ अभयारण्यो की संख्या 58 हो गयी। नवीनतम रानी दुर्गावती बाघ अभयारण्य मध्य प्रदेश में है। भारत का पहला वन्य जीव अभयारण्य 1936 में जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान था, जिसे 'हेली नेशनल पार्क' के नाम से जाना जाता था। अखिल भारतीय बाघ अनुमान 2022 के पांचवें चक्र के अनुसार भारत में बाघों की संख्या औसत 3,682 है, जो विश्व के कुल बाघों की संख्या का 70 प्रतिशत है। उनकी वार्षिक वृद्धि दर 6.01 प्रतिशत है।

हाथियों की संख्या 2018 में 26,786 थी, जो बढ़कर वर्ष 2022 में 29,964 हो गई। इनके लिए देश के 14 राज्यों में 33 हाथी रिजर्व है। एशियाई हाथियों की रक्षा के लिए वर्ष 1992 से 'प्रोजेक्ट एलिफेंट' आरंभ किया गया था। लुप्तप्राय बबर शेर गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान में है, उनकी संख्या वर्ष 2010 में 411 थी, जो 2020 में बढ़कर 674 हुई। लुप्तप्राय और दुर्लभ प्रजातियों में बाघ, हाथी, हिमालय तेंदुआ आदि को वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 की अनुसूची एक में सूचीबद्ध कर उच्चतम स्तर की सुरक्षा प्रदान की गई। 18 दिसंबर 2024 से भारत में प्रोजेक्ट डॉल्फिन के अधीन असम में पहली बार गंगा नदी डॉल्फिन की पहल की गई। डॉल्फिनों की 90 प्रतिशत जनसंख्या भारत में ही पाई जाती है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 2,613 बड़े एक सींग वाले गेंडे के घर है। यह विश्व के एक सींग वाले गेंडो की संख्या का लगभग 68 प्रतिशत है। घड़ियालो की रक्षा के लिए चम्बल अभयारण्य है।

बाघों के कारण 12 राज्यों में वर्ष 2020 से 2024 तक 4 वर्ष की अवधि में 378 मानवों की मृत्यु हुई। दूसरी और वर्ष 2022 से 2025 तक 3 वर्ष की अवधि में शिकार एवं मारे जाने वाले बाघों की संख्या 38 है। एक वर्ष के औसत के अनुसार मानवों की मृत्यु की संख्या 94 तथा बाघो की मृत्यु की संख्या 13 है। हाथियों के कारण 16 राज्यों में वर्ष 2019-20 से वर्ष 2023-24 तक की 5 वर्षों की अवधि में 2,869 मानवों को काल का ग्रास बनना पड़ा। तेंदुओं की सबसे अधिक संख्या मध्य प्रदेश में 3,907 है तथा दूसरे स्थान पर महाराष्ट्र में 1,985 है। वर्ष 2019-20 से वर्ष 2023- 24 तक की अवधि में महाराष्ट्र की गणना के अनुसार 99 व्यक्तियों को तेंदुओं ने मौत के मुंह में पहुंचाया। संरक्षित जानवरों के कारण होने वाली मानव मौतो की संख्या 3,346 है। बाघों को छोड़कर तेंदुआ सहित अन्य वन्यजीवों के संबंध में जानकारी भारत सरकार के स्तर पर संकलित नहीं की जाती है।

15 वें वित्त आयोग ने वन्य जीव संरक्षण के लिए 2602.98 करोड रुपए के परिव्यय की स्वीकृति दी थी, जिसमें 236.258 करोड रुपए हाथी रिज़र्व के लिए आवंटित किए गए। केंद्रीय बजट 2025-26 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को 3,412.82 करोड रुपए आवंटित किए गए, जो 2024-25 के संशोधित अनुमानित बजट से 9 प्रतिशत अधिक है। इस बजट में से वन्य जीव पर्यावासो के एकीकृत विकास के लिए 450 करोड रुपए के अतिरिक्त प्रोजेक्ट टाइगर और हाथी के लिए 290 करोड रुपए का आवंटन किया गया। यह कुल आवंटन का 64 प्रतिशत एवं यह वृद्धि 2024 -25 के संशोधित अनुमानों से 18 प्रतिशत अधिक है। तब भी बजट में जन, पशुधन एवं फसलों को होने वाली क्षति की पूर्ति, मानव सुरक्षा एवं संरक्षण का शीर्षक ही नहीं है।

राष्ट्रीय वन नीति 1988 के संदर्भ में मंत्रालय ने मानव, वन्य जीव संघर्षों के प्रबंधन के लिए 6 फरवरी 2021 को परामर्शिका, फसलों को होने वाली क्षित सहित मानव वन्य जीव संघर्ष के प्रबंधन के लिए राज्यों को दिशा निर्देश 3 जून 2022 को एवं हाथी, गौर, तेंदुआ, सांप, मगरमच्छ, रीसस मैंकाक, जंगली सूअर, भालू, रोजेडे, काला हिरण के कारण होने वाले मानव - वन्य जीव संघर्ष को कम करने के लिए प्रजाति विशिष्ट दिशा निर्देश 31 मार्च 2023 को प्रसारित किये गये। संरक्षित क्षेत्र की प्रबंध योजनाओं को वैधानिकता प्रदान करने के लिए वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 में संशोधन कर संबंधित ग्राम सभा के साथ परामर्श को अनिवार्य किया गया।

वन्य जीवों के पर्यावासों की व्यवस्था, बाघों के कार्यकलापों को उनके पर्यावास के अंतर्गत सीमित करने, निर्धारित पर्यावासों की संख्या कम होने पर बाघों को अन्य संरक्षित क्षेत्र में भेज कर उनके बहिर्गमन को रोकने, बाघों के भटक जाने से उत्पन्न आपातकालीन स्थिति से निपटने, बाघों द्वारा पालतू पशुओं पर हमले की घटनाओं से निपटने, बचाव के लिए सामग्री एवं तंत्र संबंधी उपकरण उपलब्ध कराने के लिए वित्तीय सहायता भी सम्मिलित है। अवैध शिकार, पर्यावासों की हानि और मानव- बाघ संघर्ष को नियंत्रण में रखने के लिए 'राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' का निर्माण किया गया है। मृत्यु या स्थायी अक्षमता के प्रकरणों में अनुग्रह राहत राशि 5 से बढ़कर 10 लाख रुपए की गई है। वन एवं वृक्ष संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और प्रबंधन का दायित्व मुख्य रूप से राज्य एवं संघ राज्यों को सौपा हुआ है।

3 मार्च 2025 को संयुक्त राष्ट्र वन्यजीव दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की सातवीं बैठक गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान में हुई, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने की। जिसमें टाइगर, एलीफेंट, स्नो लेपर्ड के प्रोजेक्ट सहित अंतर्राष्ट्रीय 'बिग कैट्स एलायंस' बनाने का नया संदेश दिया गया किंतु जन, पशुधन एवं फसलों की क्षति की पूर्ति के संबंध में कानून बनाने की चर्चा नहीं की गई। देश की सर्वोच्य स्तरीय इस बैठक में भी दोषपूर्ण पाश्चात्य विचार को छोड़कर भारतीयता को अनदेखा किया गया, जिससे पेंडुलम की भांति आसंतुलन जस का तस रहा।

-रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
किसान महापंचायत

'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर से आमजन को मिल रही राहत'

शिविर में आमजन की समस्याओं सहित नामांतरण के 22 प्रकरणों का निस्तारण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के शाहपुरा क्षेत्र की ग्राम पंचायत गिरडिया में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा 2025 के तहत शिविर का आयोजन किया गया।

जानकारी के अनुसार शिविर प्रभारी विश्वजीत सिंह उपखंड अधिकारी शाहपुरा के नेतृत्व में ग्राम पंचायत मुख्यालय गिरिडीया पर शिविर का आयोजन हुआ जिसमें सभी विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे और आमजन की समस्याओं का मौके पर त्वरित समाधान किया गया। शिविर में राजस्व विभाग द्वारा मौके पर विभाजन के 2 तथा रास्तों के 5, सीमाज्ञान के 6, पत्थरगढ़ी के 3 व नामांतरण के 22 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। चंबल पेयजल परियोजना के तहत मौके पर प्राप्त आवेदन में ग्रामों में पेयजल की पाइप लाइन में हो रहे लीकेज को शिविर प्रभारी के निर्देश अनुसार ठीक करवाया गया। बिजली विभाग द्वारा लाइन के आसपास पेड़ों से टहनियां की वजह से ट्रिपिंग की समस्या होने के समाधान किया गया। शिविर में चिकित्सा विभाग द्वारा प्रार्थी पप्पू भील को अक्षय रोग किट वितरित किया गया। शिविर प्रभारी ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर से आमजन को राहत मिल रही है, किसानों सहित अन्य जरूरतमंद लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो रहा है। शिविर में समाजसेवी जीएसएस अध्यक्ष देवीलाल गुर्जर, वीडीओ शंकरलाल मीणा, रेवेन्यू इंस्पेक्टर ओमप्रकाश योगी, पटवारी हिम्मत सिंह व गोविन्द सिंह आदि सहित कई ग्रामीणा भी उपस्थित रहे।

अजमेर में जर्जर भवनों से हादसे का अंदेशा

- **नगर निगम प्रशासन नहीं दे रहा ध्यान, मानसून की बरसात में भवनों के गिरने का डर**
- **कई मकानों की दीवारों में दरारें आ चुकी हैं, छतें जर्जर हालत में हैं**

अजमेर, (कासं)। देश व प्रदेश में सक्रिय हुए मानसून के चलते तेज बरसात में जर्जर भवन गिरने का खतरा अधिक बना रहता है। जर्जर भवनों के आसपास रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त है। अजमेर शहर के आगरा गेट, नया बाजार, पट्टी कटला सहित आसपास के क्षेत्रों में आधा दर्जन से अधिक जर्जर भवन स्थानीय लोगों के लिए खतरा बने हुए हैं। मंगलवार को क्षेत्रवासियों ने कहा कि कई मकानों की दीवारों में दरारें आ चुकी हैं, छतें जर्जर हालत में हैं और तेज बारिश या हवा में उनके गिरने की आशंका लगातार बनी हुई है।

आरागेट क्षेत्र की स्थानीय निवासी पार्वती देवी ने बताया कि आगरागेट क्षेत्र के पुराने मोहल्लों में कई मकान 50 से 80 वर्ष से भी अधिक पुराने हैं और वर्षों से मरम्मत के अभाव में जर्जर हो चुके हैं। शारदा देवी ने कहा कि बारिश के मौसम में स्थिति और खतरनाक हो जाती है। बच्चों और बुजुर्गों को लेकर सबसे ज्यादा चिंता रहती है, क्योंकि कोई भी हादसा बड़ी जान माल की हानि का कारण बन सकता है। पूर्व में जर्जर भवन गिरने के हादसे हो चुके हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि समस्या के समाधान के लिए कई बार नगर निगम को शिकायतें दी जा चुकी हैं। क्षेत्रवासियों ने निगम अधिकारियों को लिखित में भी अवगत कराया है कि जर्जर भवनों का गिरना कभी भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता है, लेकिन इसके बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। निगम के अधिकारियों की उदासीनता के कारण लोग रोजाना खतरे में जीने को मजबूर हैं। उन्होंने निगम से तत्काल प्रभाव से जर्जर भवनों का सर्वे कर उन्हें गिराने या मरम्मत कराने की मांग की है।

राशिफल

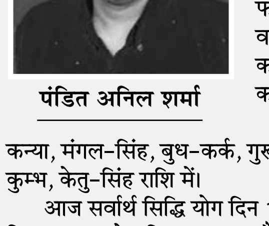

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 2 जुलाई, 2025

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, सप्तमी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 11:07 तक, वारियान योग सायं 5:46 तक, वणिज करण दिन 11:59 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-सिंह, बुध-कर्क, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग दिन 11:07 से सूर्योदय तक है। आज भद्रा दिन 11:59 से रात्रि 1:03 तक है। आज सूर्य पूजा है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:06 तक, शुभ 10:43 से 12:31 तक, चर 3:55 से 5:38 तक, लाभ 5:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:41, सूर्यास्त 7:20

मेष
स्वास्थ्य में सुधार होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृष
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा।

मिथुन
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी।

कर्क
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। व्यक्तिगत प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला
व्यावसायिक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ सकता है। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

वृश्चिक
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा।

मकर
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

कुंभ
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज नवीन कार्यों में परेशानी हो सकती है।

मीन
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

पशुपालकों व किसानों की मांगों पर सरकार का सकारात्मक रुख

अजमेर, (कासं)। अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी द्वारा प्रदेश के पशुपालकों और किसानों की मांगों को लेकर गत दिनों राज्य सरकार को मांग पत्र सौंपा उस पर सरकार द्वारा सकारात्मक रुख अपनाया है। सरकार द्वारा गत वर्ष 8 माह के बकाया भुगतान होने पर 4 माह का भुगतान किया, अब 6 माह के बकाया होने पर 3 माह का भुगतान कर रहे हैं।

शेष 3 माह के लिए 31 जुलाई का आश्वासन दिया गया, जबकि नवम्बर एवं दिसम्बर के भुगतान में प्रदेश में काफी समितियों के 12 करोड़ बकाया हैं। केवल अजमेर डेयरी में ही 6 हजार पशुपालकों का भुगतान बकाया है। चौधरी ने सरकार के रुख पर उम्मीद जताई कि सरकार उन पर भी ध्यान देगी एवं जल्द भुगतान सुनिश्चित करेगी। अजमेर डेयरी अध्यक्ष रामचंद्र चौधरी ने राज्य सरकार से अनुरोध किया कि 25 सौ पदों की भर्ती प्रक्रिया एक साथ की जाए ताकि समस्त भर्तियों का वेतन जिला संघ एवं आरसीडीएफ वहन करेगी। राज्य सरकार को एक नया पैसा भी नहीं देना होगा।

इसी प्रकार मिड डे मील योजना एवं पन्नाधाय बाल गोपाल योजना के 350 करोड़ बकाया हैं एवं एक वर्ष से लंबित हैं, इनका भी 31 जुलाई से पूर्व निराकरण कराया जाए। आरसीडीएफ द्वारा पशु आहार की दरें पूरे भारत वर्ष में सबसे अधिक ली जा रही हैं, इसमें कम से कम 2 रुपए प्रति किलो कम की जाए।

उन्होंने डेयरी फाटक पर रेलवे ओवर ब्रिज जो करीब 8 वर्षों से अधूरा पड़ा है, उसे यथा शीघ्र पूरा कराने की भी अपील की है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि उपरोक्त मांगे 31 जुलाई तक पूरी नहीं होने पर 3 अगस्त का प्रस्तावित धरना यथावत रहेगा।

धूमधाम से मनाया गया आई.सी.ए.आई का 77वां स्थापना दिवस

■ **वरिष्ठ सीए सदस्यों का सम्मान एवं रक्तदान शिविर में 105 यूनिट रक्त एकत्रित**

भीलवाड़ा। दी इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की स्थापना 1 जुलाई 1949 को भारत सरकार के अधिनियम द्वारा की गई थी। इस अवसर पर आज आईसीएआई का 77वां स्थापना दिवस भीलवाड़ा शाखा द्वारा पूर्ण श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। शाखा अध्यक्ष सीए आलोक सोमानी ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

इसके पश्चात चार्टर्ड एकाउंटेंसी पेशे में दशकों से योगदान देने वाले वरिष्ठ सीए सदस्यों – सीए सुभाष समदानी, सीए कमल किशोर मोदी एवं सीए एन. के. जैन का सम्मान किया गया। उन्हें चांदी का सिक्का, नारियल, उपरना एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर आदरपूर्वक अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ओस्तवाल ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक सीए प्रवीन ओस्तवाल एवं सेंट्रल इंडिया रीजनल काउंसिल (सीआईआरसी) के माननीय सदस्य सीए निर्भीक गांधी का स्वागत किया गया। अपने संबोधन में सीए आलोक सोमानी ने कहा, आईसीएआई न केवल देश के वित्तीय अनुशासन का स्तंभ है, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण में भी अठाणी भूमिका निभा रहा है। हम भाग्यशाली हैं कि हम इस संस्था के सदस्य हैं। भीलवाड़ा शाखा सदैव सदस्यों एवं विद्यार्थियों के समठा विकास हेतु कार्य करती रहेगी। उन्होंने आगे बताया कि आने वाले महीनों में अनेक नई शैक्षिणक एवं सामाजिक गतिविधियों की भी योजना बनाई गई है। आज का दिन हम सभी मेहनती, निष्ठावान और जुझारू चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को समर्पित है। हम न सिर्फ बैलेंस शीट संभालते हैं, बल्कि विश्वास और पारदर्शिता की नींव भी मजबूत करते हैं। मुख्य अतिथि सीए प्रवीन ओस्तवाल ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में कहा, आईसीएआई की यह यात्रा 1949 से अब तक समाज, व्यापार और सरकार के सभी क्षेत्रों में विश्वसनीयता और पारदर्शिता की मिसाल बनी है। हमें गर्व है कि हम इस संस्था का हिस्सा हैं और हमें युवा चार्टर्ड अकाउंटेंट्स को सशक्त बनाना है। सीए निर्भीक गांधी ने कहा आइसीएआइ के 76 गौरवशाली वर्ष इस महान प्रोफेसर की प्रतिष्ठा के साथ साथ हम सभी सदस्यों की निष्ठा, समर्पण और सतत योगदान को भी प्रमाणित हैं। आईसीएआई सदैव गुणवत्ता, नैतिकता एवं सेवा के सिद्धांतों पर कार्य करता आया है। मैं भीलवाड़ा शाखा को इस भव्य आयोजन और सक्रिय कार्यप्रणाली के लिए बधाई देता हूँ। शाखा उपाध्यक्ष सीए दिनेश सुथार ने बताया कि आज का दिन समर्पित है उन जांबाज दिमागों को, जो बैलेंस शीट के पीछे छिपे हर असंतुलन को ढूंढ लेते हैं, जो हर नियम, हर टैक्स, हर कॉम्प्लायंस को देश की प्रगति के साथ जोड़ते हैं। शाखा सचिव सीए अक्षय सोडानी ने जानकारी दी कि, जून माह में आयोजित सीए स्पोर्ट्स महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं जैसे बॉक्स क्रिकेट, बैडमिंटन, कैरम, चेस आदि का सफल आयोजन हुआ।

अस्पताल में हेल्प डेस्क शुरू

अजमेर, (कासं)। आदर्श नगर स्थित राजकीय सैटेलाइट अस्पताल में मंगलवार को अजमेर दक्षिण विधायक हेल्प डेस्क की शुरुआत की गई। हेल्प डेस्क का उद्घाटन विधायक अनीता भदेल द्वारा किया गया। हेल्प डेस्क से अस्पताल आने वाले मरीज और उनके परिजन को इलाज के लिए डॉक्टर तथा वार्ड के बारे में जानकारी मिल सके साथ ही अस्पताल में होने वाले परेशानियों के लिए शिकायत दर्ज करने के लिए सुविधा भी मिल सकेगी।

सैटेलाइट अस्पताल में मंगलवार को हेल्प डेस्क का शुभारंभ अजमेर दक्षिण की विधायक अनिता भदेल ने किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हेल्प डेस्क का मुख्य उद्देश्य अस्पताल में आने वाले मरीजों, विशेष रूप से ग्रामीण और दूर-दराज के क्षेत्रों से आने वाले मरीजों को समुचित जानकारी, मार्गदर्शन एवं सहायता प्रदान करना है।

आम सूचना

मेरी सास नोखा पत्नि आनोडा उर्फ ओनाडा जाति गुर्जर निवासी मोतीपुरा की मृत्यु दिनांक 25.05.2024 को मेरे निवास स्थान मोतीपुरा में हो गई थी। जिसका पूर्व में इन्द्राज ग्राम पंचायत कालानाड़ा में नहीं करवाया था। अब मैं मेरी सास नोखा का मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने के लिए अरांई तहसील कार्यालय में आवेदन किया है। मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने बाबत जिस किसी व्यक्ति को आपत्ति हो तो 7 दिन में मय दस्तावेज स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति तहसीलदार के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद मियाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं होगी। –प्रार्थी– कमला पत्नि गोपी जाति गुर्जर निवासी ग्राम मोतीपुरा तहसील अरांई(अजमेर)

अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सरोज पत्नी सुरेश कुमार राजस्व ग्राम लोहागल के खसरा नंबर 998,1188,999 पुराना 1070, 1080, 1069 नया भूखण्ड सख्या 46 B में क्षेत्रफल 133.33 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के सम्बन्ध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो, तो आम सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जाएगी।- (उपायुक्त उत्तर) अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर।

अजमेर विकास प्राधिकरण

लोक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री हुमेरा परवीन की ग्राम नौसर के खसरा नं. 229 भूखण्ड संख्या 06 में क्षेत्रफल 195.83 वर्गगज के भूखण्ड की पत्रावली नियमन हेतु प्रक्रियाधीन है। उक्त नियमन के संबंध में दैनिक समाचार पत्र में विज्ञप्ति जारी कर 7 दिवस की आपत्ति आमंत्रित की जाती है। अतः किसी भी हितबद्धकारी को इस नियमन के संबंध में आपत्ति हो तो सूचना के 7 दिवस के भीतर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करे अन्यथा नियमन कार्यवाही कर दी जावेगी।

–उपायुक्त(उत्तर), अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांकः न.नि.अ/भवन/25-26/ — **आपति सूचना** — दिनांकः

श्रीमती मंजू घीया पत्नी श्री राजेन्द्र घीया निवासी 118/24 विमला निवास बाबू मौहल्ला केसरगंज अजमेर द्वारा एक सम्पति संख्या ए.एम.सी. 1175/1 का भाग है जो वाके सागर विहार कॉलोनी वैशाली नगर अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 162.66 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया हैं। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानुसार हैं।

पूर्व में - रास्ता आम 40 फुट चौड़ा; पश्चिम में - सम्पति श्री खन्ना जी की है
उत्तर में - रास्ता आम 30 फुट चौड़ा; दक्षिण में - भूखण्ड का बकाया भाग है

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि किसी भी व्यक्ति / संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता हैं। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा।

-उपायुक नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर निगम, अजमेर

क्रमांकः न.नि.अ/भवन/25-26/137 — **आपति सूचना** — दिनांकः01/07/25

श्री मनोज कुमार जैन पुत्र स्व. श्री ज्ञानचन्द जैन निवासी टीकम गंज केसरगंज अजमेर द्वारा एक सम्पति संख्या मकान नं. 41/12-ई का भाग एवं खसरा संख्या 405 का भाग है जो वाके नेहरू नगर श्रीनगर रोड अजमेर में स्थित है जिसका क्षेत्रफल 195.06 व.मी. है। भूमि के वर्तमान मास्टर प्लान 2033 के अनुसार व्यवसायिक मानचित्र स्वीकृति हेतु निर्धारित प्रपत्र में इस कार्यालय आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। प्रस्तावित भू-भाग की सीमाएँ निम्नानुसार हैं।

पूर्व में - अन्य की सम्पति; पश्चिम में - सम्पति श्री मोहनलाल की
उत्तर में - सम्पति का शेष भाग शालू कुमारी का; दक्षिण में - श्रीनगर रोड है

अतः जरिए इस सूचना के पूर्व सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति/संस्था को इस संबंध में कोई आपति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर अन्दर किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय समय में ठोस दस्तावेजों सहित अपनी आपति प्रस्तुत कर सकता है। बाद मियाद किसी भी आपति पर विचार नहीं किया जायेगा।

-उपायुक नगर निगम, अजमेर

कार्यालय नगर परिषद किशनगढ़, (अजमेर) राज.

क्रमांकः न.प.कि./भूमि/2025/436 — **आम सूचना** — दिनांकः 30/6/2025

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री मंगल चन्द उर्फ मंगल सिंह पुत्र श्री लालचन्द माली ने खांचा भूमि/भोगपडत के तहत् पट्टा चाहने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है जो की मालियों का बड़ा मौहल्ला नया शहर, किशनगढ़ में है जिसका कुल क्षेत्रफल 18.66 वर्गगज है जिसकी सीमाएँ निम्न प्रकार से है-

पूर्व में - मोहन जी माली का मकान; पश्चिम में - अमरचन्द जी माली का मकान
उत्तर में - भोगपडत भूमि बाद में शामलाती रास्ता; दक्षिण में - स्वयं का मकान

उक्त सीमा मध्य स्थित खांचा भूमि/भोगपडत के तहत् पट्टा जारी किये जाने में किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपति हो तो लिखित में सूचना प्रकाशन के 7 दिवस में प्रस्तुत करे बाद मियाद किसी प्रकार की कोई आपति / ऐतराज मान्य नही -होगा। अतः सूचित रहे।

-प्रभारी भूमि शाखा नगर परिषद किशनगढ़

कार्यालय नगरपालिका बिजयनगर जिला ब्यावर राजस्थान

क्रमांक :न.पा.बि. /निर्माण स्वी./2025/1188 — दिनांक-12/6/2025

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्नांकित मकान निर्माण हेतु निम्न भवन निर्माण पत्रावली प्राप्त हुई है, अगर किसी को आपत्ति/उज्र हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में मय सबूत के अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, बाद मियाद गुजरने पर कोई उज्र/आपत्ति मान्य नहीं होगी।

भवन निर्माण

फाईलनं.	आवेदक नाम	भूखण्ड का विवरण	भूखण्ड का नाप	प्रयोजनार्थ
45	सोनिया पत्नि दशरथ	इन्दिरानगर बिजयनगर ब्लॉक नं. ई.भू. सं. 55 का पूर्वी दिशा का हिस्सा	92.9 SQ. MTR	आवासीय

अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका बिजयनगर

कार्यालय आवासीय अभियन्ता, राजस्थान आवासन मण्डल, अजमेर

क्रमांक : 560 — **जाहिर आम सूचना** — दिनांक-01.07.25

राजस्थान आवासन मण्डल आवास संख्या 2/5, नाका मदार, अजमेर क्षेत्रफल 26.98 वर्ग मीटर मूल आवंटी श्री हीरालाल पुत्र श्री लीलाराम को आवंटित कर दिनांक 02.04.1988 को आवास का भौतिक कब्जा सौंपा गया था। श्री हीरालाल पुत्र श्री लीलाराम द्वारा दिनांक 09.06.2023 को उप पंजीयक कार्यालय द्वारा उक्त आवास का पंजीयन करवा लिया गया। पंजीयन पश्चात् श्री हीरालाल पुत्र श्री लीलाराम द्वारा आवास का बैचान श्रीमती मनीषा कनोजिया पत्नि श्री रविन्द्र कुमार को दिनांक 11.06.2025 को कर दिया गया। जो कि पंजीयन विभाग की पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 980 में पृष्ठ संख्या 3 क्रम संख्या 202503002106218 पर पंजीबद्ध किया गया। तथा अतिरिक्त पुस्तक संख्या 01 जिल्द संख्या 3917 के पृष्ठ संख्या 252 से 259 पर दिनांक 11.06.2025 को चस्पा किया गया है। अब श्रीमती मनीषा कनोजिया पत्नि श्री रविन्द्र कुमार ने उक्त आवास से संबंधित विक्रय चैनल प्रस्तुत कर स्वयं के नाम दोहरा पंजीयन उपरांत नाम हस्तान्तरण करने हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया है। श्रीमती मनीषा कनोजिया पत्नि श्री रविन्द्र कुमार का नाम मण्डल रिकार्ड में प्रतिस्थापन की कार्यवाही विचाराधीन है। अतः उक्त कार्यवाही से किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो इस जाहिर आम सूचना की विज्ञप्ति के प्रकाशन के 10 दिवस में अपनी उजरदारी/आपति मय सबूत एवं पहचान के दस्तावेज के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत कर सकते है। बाद मियाद गुजरने पश्चात् कोई आपति स्वीकार नहीं होगी, नाम प्रतिस्थापन की अग्रिम कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।

-सहायक प्रशासनिक अधिकारी
राजस्थान आवासन मण्डल, खण्ड-अजमेर

कार्यालय नगर परिषद,मकराना डीडवाना–कुचामन(राज.)

क्रमांक :नपम/भूमि/2025-26/1185 — **आपत्ति आमंत्रण सूचना** — दिनांक-01/7/2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्न आवेदक द्वारा नगर परिषद में निम्न रूप में उल्लेखित प्रयोजनार्थ के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। निम्न प्रकरणों में किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो लिखित रूप में आपति मय दस्तावेजों के विज्ञप्ति के जारी होने की तिथि से 07 दिवस में कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि समाप्ति के बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नहीं की जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक खातेदार का नाम/पिता का नाम व पता	प्रयोजन	पट्टा /खसरा सं.	क्षेत्रफल	पड़ौस
1	रामावतार माहेश्वरी पुत्र घीसालाल वर्मा धर्मा राम ढाका पुत्र उमाराम ढाका निवासी ब्राह्मणों का टीबा मोती कॉम्पलेक्स के पास मकराना	69-क वाणिज्यिक	खसरा सं. 641	464 वर्गगज	पूर्व- आम रास्ता; पश्चिम- शफी जी लौहार का मकान; उत्तर- रास्ता; दक्षिण- कॉम्पलेक्स
2	विशाल चौखडा पुत्र अशोक चौखडा निवासी आनंद नगर मकराना	69-क वाणिज्यिक	खसरा सं. 641	44.64 वर्गगज	पूर्व- कालू जी का मकान; पश्चिम- संतोष सैनी का मकान; उत्तर- हाजी मोहम्मद भिस्ती का मकान; दक्षिण- आम रास्ता
3	नसीरूदीन चौहान पुत्र अल्लाह बक्स पेट्रोल पंप के पीछे मदीना कॉलोनी मकराना	कृषि नियमन आवासीय	खसरा सं. 618	388 वर्गगज	पूर्व-अनवर कय्यूम की जगह; पश्चिम- आवेदक का भूखण्ड; उत्तर- उमर जी का मकान; दक्षिण- आवेदक का भूखण्ड

आयुक्त, नगर परिषद मकराना

कार्यालय नगर परिषद,मकराना डीडवाना–कुचामन(राज.)

क्रमांक :नपम/भूमि/2025-26/1117 — **आपत्ति आमंत्रण सूचना** — दिनांक-30/6/2025

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि निम्न आवेदक द्वारा नगर परिषद में निम्न रूप में उल्लेखित प्रयोजनार्थ के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। निम्न प्रकरणों में किसी भी व्यक्ति को कोई आपति हो तो लिखित रूप में आपति मय दस्तावेजों के विज्ञप्ति के जारी होने की तिथि से 07 दिवस में कार्यालय समय में अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि समाप्ति के बाद किसी भी प्रकार की आपति स्वीकार नहीं की जायेगी।

क्र. सं.	आवेदक खातेदार का नाम/पिता का नाम व पता	प्रयोजन	पट्टा /खसरा	क्षेत्रफल	पड़ौस
1	इरशाद अली, नौशाद अली पिसरान नवाब अली निवासी पेट्रोल पंप के पीछे मदीना कॉलोनी मकराना	कृषि नियमन आवासीय	खसरा सं. 618	734.22 वर्गगज	पूर्व- आम रास्ता; पश्चिम- कालू गेसावत की जमीन; उत्तर- हुसैन हमीद हुसैन की जमीन; दक्षिण- सलीम सन्दड की जमीन
2	रामकरण चौधरी पुत्र रेवताराम निवासी नेशनल होटल के पास बोरावड रोड	कृषि नियमन वाणिज्यिक	खसरा सं. 711/6	2468 वर्गगज	पूर्व- गोविन्द स्वामी की जमीन; पश्चिम- आम रास्ता; उत्तर- बोरावड रोड; दक्षिण- एसटीटीक मार्बल कंपनी

आयुक्त, नगर परिषद मकराना

400 परिवारों को मेडिकेटेड मच्छरदानी का वितरण

अजमेर, (कासं)। मलेरिया व मच्छर से होने वाली बीमारियों के अधिकांश मरीज सामने आते हैं। जिसके चलते राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान द्वारा काजीपुरा, हाथी खेड़ा, ट्रांसपोर्ट नगर, कायड़, नाचन बावड़ी, घूघरा सहित 16 ग्रामीण क्षेत्र और झुग्गी बस्ती में रहने वाले परिवारों को लगभग 400 परिवारों के बीच निःशुल्क मच्छरदानी का वितरण किया गया।

मेडिकेटेड मच्छरदानी संबंधित परिवारों को मलेरिया व मच्छर से होने वाली बीमारियों से बचाएगा। राजस्थान समग्र कल्याण संस्थान ने ग्रामीण क्षेत्र के चयनित मलेरिया प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों तक मच्छरदानी पहुंचाई। साथ ही संस्था के कर्मचारियों ने मलेरिया और डेंगू से बचने के उपाय भी बताए। ऐसे में मलेरिया प्रभावित क्षेत्र के लोगों को मच्छरों के प्रकोप से मुक्ति मिलेगी। बारिश व जलजमाव के कारण मलेरिया व अन्य संक्रमण से अनेक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ जाता है। संस्था द्वारा हर साल महामारी, डायरिया, मलेरिया आदि बीमारियों की रोकथाम के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास किए जाते हैं। उद्देश्य है कि मलेरिया से पीड़ित मरीजों की पहचान कर बीमारी की रोकथाम की जा सके। संस्था के प्रभारी डॉ एस एन शर्मा ने बताया कि मेडिकेटेड मच्छरदानी खास तरह के केमिकल से युक्त होती हैं। इसका फायदा यह होता है कि यह मानव शरीर पर कोई प्रभाव नहीं करता, लेकिन मलेरिया फैलाने वाले मादा एनाफिलीज मच्छर को खत्म कर देता है।

लिफ्ट का शुभारंभ आज

अजमेर, (कासं)। 160 वर्ष पूर्व बनी अजमेर की विश्व विख्यात सोनीजी की नसिया में पुनः निर्माण व जीर्णोद्धार कार्या में लिफ्ट भी लगाई गई है। बुधवार को नवनिर्मित लिफ्ट का शुभारंभ समारेह पूर्व होगा। सोनी जी की नसिया का प्रबंधन करने वाले समिति के पदाधिकारी प्रमोद चंद जैन सोनी ने बताया कि स्वर्णमयी अयोध्या नगरी भगवान ऋषभदेव के पंचकल्याणक की रचना का अवलोकन करने लाखों की संख्या में देश विदेश से पर्यटक प्रति वर्ष आते हैं और यहां की कला को देख कर आश्चर्य चकित रह जाते हैं।

मुनि दीक्षा दिवस पर धार्मिक आयोजन

अजमेर, (कासं)। श्री दिगंबर जैन महासमिति महिला एवं युवामहिला संभाग अजमेर की गोधा गवाडी ईकाई के तत्वावधान मे कीर्ति स्तम्भ पर रिद्धि मंत्रो का उच्चारण करते हुए 48 दीपक प्रज्ज्वलित कर भक्तामर स्त्रोत का पाठ व भजनों की प्रस्तुति अनासक्त महायोगी संत शिरोमणि समाधिस्थ परम पूज्य आचार्य विद्यासागर महाराज के 58वें दीक्षा दिवस के उपलक्ष में रखा। समिति की राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष मधु पाटनी ने बताया कि आज से 58 वर्ष पूर्व आचार्य श्री ने इसी कीर्ति स्तंभ से मुनि दीक्षा ली थी। गोधा गवाड़ी इकाई की नव पदास्पित अध्यक्ष अनिता बज एवं मंत्री संतोष बाकलीवाल ने बताया भक्ति से भरपूर कार्यक्रम में विद्यासागर नाम हमे प्राणों से भी प्यारा है।

नाम परिवर्तन

मेरे आर्मी नं. 15155016M रैंक- BHM (OPR) नाम- CHHOTE LAL YADAV है। यह कि मेरे पुत्र का नाम मेरे आर्मी सर्विस रिकॉर्ड में ADITYA KUMAR दर्ज है जो कि गलत है। जबकि भविष्य में मेरे पुत्र को सही व वास्तविक नाम ADITYA YADAV से जाना जाये।

न्यायालय अपर जिला एवम् सेशन न्यायाधीश, डीडवाना

बईजलासः- श्री राजेश कुमार गजरा, आर.एच.जे.एस.
दीवानी विविध प्रकरणः भारतीय उत्तराधिकार प्रमाण पत्र संख्या 0.3/2025

प्रार्थी- 1- हनुमानाराम पुत्र जीवणराम उम्र 80 साल जाति जाट निवासी ध्यावा तहसील लाडनूं जिला डीडवाना-कुचामन राज0

बनाम

सर्व साधारण, वगै0 प्रार्थना-पत्र बाबत अन्तर्गत धारा 372 भा.उ.अधि.

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त प्रार्थी की ओर से प्रार्थना-पत्र अन्तर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम के अन्तर्गत प्रस्तुत कर जाहिर किया गया है कि प्रार्थी की पत्नी हीरा देवी पत्नी हनुमानाराम जाति जाट निवासी ध्यावा तहसील लाडनूं का देहावसान दिनाक 27.04.2023 को मृत्यु हो गई है। स्व. हीरा देवी के नाम से भारतीय स्टेट बैंक शाखा महावीर मार्केट, डीडवाना के खाता 51087477325 भारतीय स्टेट बैंक शाखा डीडवाना में है, जिसमें दिनाक 25.06.2023 तक 1,54,300/-रू. है। जिसको प्राप्त करने हेतु बैंक द्वारा उत्तराधिकारी प्रमाण-पत्र वांछित है। मैं स्व. हीरा देवी के स्थान पर उत्तराधिकारी प्रार्थी के नाम व अन्य प्रयोजनार्थ भी उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र जारी करवाना चाहता है। जिसके लिए प्रार्थी ने न्यायालय श्रीमान् के समक्ष उत्तराधिकार प्रमाण-पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है, यदि किसी को इस संबंध में कोई उजर आपत्ति क्लैम हो या कोई अधिकार रखता हो तो यह दिंनाक 08/07/25 को न्यायालय समय प्रातः 10.00 स्वयं या अपने अधिकृत एजेन्ट/अधिवक्ता के जरिये प्रस्तुत करें। अन्यथा प्रार्थीगण को उक्त प्रमाण-पत्र जारी करने की आगामी कार्यवाही सम्पादित की जावेगी। यह नोटिस आज दिनाक 15/4/25 को मेरे हस्ताक्षर व मुद्रा के अधीन जारी किया गया है।

-अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश,
डीडवाना(डीडवाना-कुचामन)

राजकीय सैटेलाइट अस्पताल में हेल्प डेस्क शुरू

■ **महर्षि दयानंद ने वैदिक मूल्यों और आधुनिक सोच के संगम का रास्ता दिखाया था-आचार्य बालकृष्ण**

अजमेर, (कासं)। पतंजलि योगपीठ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि महर्षि दयानंद सरस्वती न केवल 19वीं सदी के समाज सुधारक थे, बल्कि वे आधुनिक भारत के मार्गदर्शक चिंतक भी हैं। भिनाय कोठी में आयोजित विशेष समारोह में उन्होंने कहा कि महर्षि दयानंद ने भारतीय समाज को वैदिक मूल्यों और आधुनिक सोच के संगम का रास्ता दिखाया। आचार्य बालकृष्ण ने अपने संबोधन में बताया कि महर्षि दयानंद ने वेदों की ओर लौटने का जो आ ान किया, उसका मकसद समाज में वैज्ञानिक सोचए सार्वभौमिक शिक्षा और नैतिक मूल्यों की स्थापना करना था।

उन्होंने कर्म, पुनर्जन्म और संन्यास जैसे गूढ़ सिद्धांतों को आमजन के लिए सरल भाषा में प्रस्तुत किया, जिससे समाज को नई दिशा मिली। उन्होंने कहा कि सत्यार्थ प्रकाश जैसे कालजयी ग्रंथ के माध्यम से शिक्षा, विवाह, गृहस्थ जीवन, राजधर्म और सदाचार पर महर्षि दयानंद ने जो दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, वह आज भी पूरी तरह प्रासंगिक है। उनके विचारों ने समाज में व्याप्त कुरीतियोंए अंधविश्वास और अस्पृश्यता के विरुद्ध आवाज उठाई और सामाजिक जागरूकता को नई दिशा दी। आचार्य ने विशेष रूप से यज्ञ की वैज्ञानिकता पर जोर देते हुए कहा कि ऋषि दयानंद के अनुसार, यज्ञ सनातन संस्कृति का वैज्ञानिक अनुष्ठान है, जिससे पर्यावरण की शुद्धता और सार्वजनिक स्वास्थ्य दोनों को लाभ होता है। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से महर्षि दयानंद के आदर्शों को जीवन में उतारने और समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का संकल्प लेने का आ ान किया।

समारोह में डॉ. श्रीगोपाल बाहेती, सोमरत्न आर्य, डॉ सलिल माहेश्वरी, डॉ अनुराग वार्ष्णय, डॉ संजीव माहेश्वरी, डॉ श्याम भूतड़ा सहित अनेक गणमान्य नागरिक और आर्य समाज के सदस्य उपस्थित रहे। आचार्य बालकृष्ण ने इससे पूर्व अजमेर स्थित स्टैच्यू ऑफ ट्रूथ का भी अवलोकन किया।

इस अवसर पर वैदिक विद्वान व न्यासी पंडित रामस्वरूप, महंत शिवरतन शरण जी, गौकृषि आदि रक्षिणी सभा के मंत्री गिरधारी लाल, न्यास के उप मंत्री जय किशन परवानी, तेज सिंह, प्रकाश किशोर खन्ना, डॉ राम किशन गुर्जर, यतीन्द्र शास्त्री, वन्दना आर्य, सौरभ सोनी, सुशांत ओझा, सारिका जैथलिया, रवींद्र मारोठिया, सत्यनारायण शर्मा, विश्वास पारीक, राहुल आर्य व योगिता रावत सहित कई आर्यजन उपस्थित थे।

एमडीएस यूनिवर्सिटी में वीएमओयू क्षेत्रीय केंद्र भवन का शिलान्यास

■ **अजमेर संभाग के हजारों छात्रों के लिए उच्च शिक्षा की राह सुगम होगी : देवनानी**

अजमेर, (कासं)। महर्षि दयानंद सरस्वती विश्वविद्यालय अजमेर में 6 करोड़ की लागत से बनने वाले वर्धमान महावीर खुला विश्वविद्यालय कोटा के क्षेत्रीय केंद्र अजमेर कार्यालय भवन का शिलान्यास मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने किया। इस अवसर पर एमडीएसयू के कुलगुरु प्रो. कैलाश सोडाणी व विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी और वीएमओयू के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि अजमेर संभाग के हजारों छात्रों के लिए उच्च शिक्षा की राह सुगम होगी। डिस्टेंस लर्निंग कोर्स हेतु वीएमओय केलिए यह नया भवन न केवल प्रशासनिक सेवाओं को सुचारू करेगा, बल्कि अध्ययन केंद्रों और संभवतः परीक्षा केंद्रों की सुविधा भी प्रदान करेगा। इससे अजमेर संभाग के छात्रों को कोटा जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी और वे वीएमओयू की सेवाओं का आसानी से लाभ उठा सकेंगे। देवनानी ने अपनी हाल ही की जर्मनी एवं फ्रांस की यात्रा का जिक्र करते हुए बताया कि वहाँ भारतीयों के लिए रोजगार के अवसर बहुत है अतः जर्मन एवं फ्रेंच भाषा ज्ञान से संबंधित पाठ्यकमों को प्रारम्भ किए जाने की आवश्यकता बताई जिससे भारतीय छात्र भाषा ज्ञान से वहाँ अधिक से अधिक रोजगार प्राप्त कर सके। कोटा मुख्यालय से प्रो.आलोक चौहान, प्रो. अनुराधा शर्मा, सहायक अभियंता नवीन तिवारी सहित मदस विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों सहित अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यक्रम सम्मलित हुए।

कुलपति प्रो. सोडाणी ने कहा कि यह क्षेत्रीय केंद्र अजमेर संभाग के विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा को सहजए सुलभ और किफायती बनाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने बताया कि अजमेर, भीलवाड़ा, नागौर और टोंक जिलों के छात्र अब अपनी डिग्री, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स की पढ़ाई के लिए कोटा के चक्कर लगाने से बच सकेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित वीएमओयू के अधिकारियों ने बताया कि भवन के निर्माण के बाद प्रशासनिक सेवाओं के साथ अध्ययन सामग्री का वितरण और छात्र सहायता केंद्र की सुविधाएं भी यहीं से उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे शिक्षा के क्षेत्र में अजमेर की नई पहचान बनेगी और दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से समाज के हर वर्ग तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंच सकेगी। कार्यक्रम में कोटा मुख्यालय से प्रो.आलोक चौहान, प्रो.अनुराधा शर्मा, सहायक अभियंता नवीन तिवारी सहित क्षेत्रीय केन्द्र के कार्मिकों मनोज खत्री, चिरंजीलाल बोराना, चन्द्र प्रकाश माथुर, सुनील माथुर, सविता भार्गव, राकेश कुमार डाका, इंदिरा गाधी, रंगलाल भाटी एवं रेवन्तराम सैन मदस विश्वविद्यालय के समस्त संकाय सदस्यों सहित अधिकारी एवं कर्मचारी कार्यकम में सम्मलित हुए।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुननिर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्नलिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) से नीचे उल्लिखित सुरक्षित ऋण का लाभ उठाया है। नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं के ऋण उनकी संबंधित संपत्तियों के बंधक द्वारा सुरक्षित हैं। चूंकि वे संबंधित ऋण समझौतों के नियमों और शर्तों का पालन करने में विफल रहे है और अनियमित हो गए हैं, उनके ऋण को आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को उनके द्वारा देय राशि का उल्लेख संबंधित नोटिस के अनुसार किया गया है, जो विशेष रूप से निम्नलिखित तालिका में वर्णित है और उक्त राशि पर आगे ब्याज भी लागू होगा।

क्रमांक	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	सैक्शन 13 (2) के नोटिस तिथि	सैक्शन 13 (2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि
1	103502255	संपत्ति पर ऋण	09.06.2025	5,58,429.69/-

ऋणकर्ताओं एवं सह-सहऋणकर्ताओं के नामः 1. रामकरण गुर्जर, 2. सम्पत देवी

सम्पत्ति पता- प्लाट पट्टा नं. 26, प्लाट एरिया 171.99 वर्ग गज, का पूरा व प्रतयेक भाग, ग्राम-सपुन्दा, ग्राम पंचायत-ललाई, पंचायत समिति-केकडी, जिला-अजमेर, राजस्थान-305406 और सीमाये है पूर्व-राम लाल गुर्जर, पश्चिम-आम रास्ता, उत्तर-राम लाल गुर्जर, दक्षिण-हरीराम गुर्जर

आपसे कहा जाता है कि आप उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए ब्यौरे के अनुसार **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जिसका आईडीएफसी बैंक लिमिटेड** में विलय हो गया है और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को संबंधित तारीखों से अनुबंधित ब्याज दर और अन्य लागतों, प्रभारों आदि के साथ इस प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करें, ऐसा न करने पर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जिसका आईडीएफसी बैंक लिमिटेड** में विलय हो गया है और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को देय राशि वसूलने के लिए ऊपर उल्लिखित बंधक संपत्तियों के खिलाफ एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (4) और धारा 14 के तहत कार्यवाही शुरू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के तहत उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को बिक्री/पट्टे या अन्यथा रूप से स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

दिनांक- 02.07.2025
स्थान- अजमेर

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड

IDFC FIRST Bank

(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)
CIN : L65110TN2014PLC097792
पंजीकृत कार्यालय - केआरएम टॉवर्स, 8वीं मंजिल, हैरिंगटन रोड, चेटपेट, चैन्नाई-600031
फोन- +91 44 4564 4000 | फैक्स- +91 44 4564 4022

वित्तीय अस्तियों के प्रतिभूतिकरण व पुननिर्माण एवं ब्याज प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के सैक्शन 13 (2) के तहत नोटिस

निम्नलिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं ने आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) से नीचे उल्लिखित सुरक्षित ऋण का लाभ उठाया है। नीचे उल्लिखित उधारकर्ताओं और सह-उधारकर्ताओं के ऋण उनकी संबंधित संपत्तियों के बंधक द्वारा सुरक्षित हैं। चूंकि वे संबंधित ऋण समझौतों के नियमों और शर्तों का पालन करने में विफल रहे है और अनियमित हो गए हैं, उनके ऋण को आरबीआई के दिशानिर्देशों के अनुसार एनपीए के रूप में वर्गीकृत किया गया है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफसी बैंक लिमिटेड के साथ समामेलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को उनके द्वारा देय राशि का उल्लेख संबंधित नोटिस के अनुसार किया गया है, जो विशेष रूप से निम्नलिखित तालिका में वर्णित है और उक्त राशि पर आगे ब्याज भी लागू होगा।

क्रमांक	ऋण खाता संख्या	ऋण का प्रकार	सैक्शन 13 (2) के नोटिस तिथि	सैक्शन 13 (2) नोटिस के अनुसार बकाया राशि
1	112618205	संपत्ति पर ऋण	09.06.2025	6,27,316.72/-

ऋणकर्ताओं एवं सह-सहऋणकर्ताओं के नामः 1. गोपाल लाल, 2. घीसी देवी

सम्पत्ति पता- प्लाट पट्टा नं. 07, प्लाट एरिया 672 वर्ग फिट, का पूरा व प्रत्येक भाग, ग्राम-झाडोल, ग्राम पंचायत-रीठ, पंचायत समिति-कोटडी, जिला-भीलवाडा, राजस्थान-311603 और सीमायें है- पूर्व-सोनू सेन, पश्चिम-राजू गुजराती, उत्तर- आम रास्ता, दक्षिण-भूला गुजराती का बाडा

आपसे कहा जाता है कि आप उपरोक्त तालिका में दर्शाए गए ब्यौरे के अनुसार **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जिसका आईडीएफसी बैंक लिमिटेड** में विलय हो गया है और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को संबंधित तारीखों से अनुबंधित ब्याज दर और अन्य लागतों, प्रभारों आदि के साथ इस प्रकाशन की तारीख से 60 दिनों के भीतर राशि का भुगतान करें, ऐसा न करने पर नीचे हस्ताक्षरकर्ता को **आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड (पूर्ववर्ती कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, जिसका आईडीएफसी बैंक लिमिटेड** में विलय हो गया है और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के रूप में जाना जाता है) को देय राशि वसूलने के लिए ऊपर उल्लिखित बंधक संपत्तियों के खिलाफ एसएआरएफएईएसआई अधिनियम की धारा 13 (4) और धारा 14 के तहत कार्यवाही शुरू करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आपको उक्त अधिनियम की धारा 13 (13) के तहत उक्त सुरक्षित परिसंपत्तियों को बिक्री/पट्टे या अन्यथा रूप से स्थानांतरित करने से प्रतिबंधित किया जाता है।

एसडी/- प्राधिकृत अधिकारी
आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड
(पूर्व में कैपिटल फर्स्ट लिमिटेड, आईडीएफससी बैंक लिमिटेड के साथ सम्मिलित और वर्तमान में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक लिमिटेड के नाम से जाना जाता है)

दिनांक- 02.07.2025
स्थान- भीलवाडा

कार्यालय नगरपरिषद कुचामन सिटी (डीडवाना–कुचामन)

Email : eo.mcorp.kuchaman@rajasthan.gov.in, munibkcity@gmail.com — फोन नं- 01586-220022, 01586-221526

क्रमांक :– न.प.कु./2025–26/1720 — **आपत्ति आमन्त्रण सूचना** — दिनांक :– 30.06.2025

सर्व साधारण को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्न आवेदको द्वारा पालिका में निम्न रूप से उल्लेखित प्रयोजनार्थ के लिये आवेदक प्रस्तुत किया है। पालिका द्वारा आवेदित प्रयोजनार्थ के तहत प्रकरण का निस्तारण किया जाना है। निम्न प्रकरणों में किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशन की दिनाक से 07 दिवस में इस कार्यालय को लिखित में आपत्तियां/कारण/विवरण सहित कार्यालय समय में दर्ज करावें, अन्यथा बाद मियाद किसी भी प्रकार की आपत्ति स्वीकार नहीं होगी एवं आवेदक के पक्ष में भूमि आवंटन पट्टा/जारी कर दिया जावेगा।

क्र. स.	पत्रावली सं.	प्रयोजन	आवेदक का नाम/पिता का नाम व पता	क्षैत्रफल वर्गगज में	खसरा नं., कॉलोनी/मौहल्ला का नाम
1.	82/2025-26	नामान्तरण	श्रीमती सुषमा देवी पत्नी नवीन कुमार शर्मा	174.44	कड़वा का बासड़ा
2.	86/2025-26	नामान्तरण	श्रीमती नन्दू कंवर पत्नी सरजीत सिंह	205.00	दल्ला बालाजी रोड़
3.	88/2025-26	नामान्तरण	श्री कानसिंह पुत्र डालसिंह परिहार	194.44	कृषि मण्डी के पिछे
4.	89/2025-26	नामान्तरण	श्रीमती संगीता गुप्ता पुत्री रामप्रकाश	148.92	बड़ला का बास
5.	93/2025-26	नामान्तरण	श्रीमती अनीस पत्नी मो. शाहीद	220.31	आथुणा दरवाजा
6.	94/2025-26	नामान्तरण	श्री रामा किशन शर्मा पुत्र भंवरलाल शर्मा	244.44	कुचामन वैली, पनवाड़ी
7.	39/2024-25	निर्माण ईजाजत	श्री ओमप्रकाश मिर्धा पुत्र जेठाराम जाट	194.44	गैस गोदाम के पिछे, तिरूपति नगर
8.	40/2025-26	निर्माण ईजाजत	श्री दिनेश कुमार सोनी पुत्र बंशीधर सोनी	356.62	बुड़सू रोड़
9.	41/2025-26	निर्माण ईजाजत	श्री अरविन्द जैन पुत्र तेजपाल जैन	122.22	महावीर कॉलोनी
10.	42/2025-26	निर्माण ईजाजत	श्री हरदेवाराम पुत्र कानाराम जाति जाट	250.00	शिव मन्दिर के पास, डीडवाना रोड़
11.	33/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री मुलाराम पुत्र हेमाराम जाट	321.11	3936/3881 रिंग रोड़ के पास
12.	34/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्रीमती संतोष देवी पत्नी मोहनलाल नाई	236.56	1937, नगरपरिषद के पास
13.	35/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्रीमती प्रेम देवी पत्नी खेमराज कुम्हार	124.44	3570/550, गणेश नगर
14.	36/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्रीमती मंजू वैष्णव पत्नी रामअवतार	77.77	342/313, कुचामन वैली, पनवाड़ी
15.	37/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री झूथाराम पुत्र भंवरलाल गुर्जर	123.98	1278, मिठोड़ी कोठी, धनजी के बाग के पास
16.	38/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री सुनील कुमार पुत्र भंवरलाल कुमावत	124.78	1278, मिठोड़ी कोठी, धनजी के बाग के पास
17.	39/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री मोहनराम रणवां पुत्र देवाराम जाट	222.22	254, दल्ला बालाजी रोड़
18.	40/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री मोहनराम रणवां पुत्र देवाराम जाट	222.22	254, दल्ला बालाजी रोड़
19.	41/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री मोहनराम रणवां पुत्र देवाराम जाट	222.22	254, दल्ला बालाजी रोड़
20.	42/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री मोहनराम रणवां पुत्र देवाराम जाट	222.22	254, दल्ला बालाजी रोड़
21.	43/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री मोहनराम रणवां पुत्र देवाराम जाट	222.22	254, दल्ला बालाजी रोड़
22.	44/2025-26	कृषि भूमि नियमन	श्री मोहनराम रणवां पुत्र देवाराम जाट	222.22	254, दल्ला बालाजी रोड़

राज.संवाद/सी/25/5330 — आयुक्त

प्रारूप–5
(नियम 6(2) देखिये)

प्राधिकृत अधिकारी कार्यालय नगर पालिका मण्डल मेड़ता रोड़ (नागौर) राजस्थान

क्रमांक : न.पा.रो./90 — **लोक सूचना** — दिनांक : 12.05.2025

निम्नलिखित आवेदक द्वारा नीचे वर्णित भूमि में के अपने अधिकार आवासिय प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के उपयोग के लिए पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार प्राप्त करने के लिए नगरपालिका के पक्ष में अभ्यर्पित कर दिये है।

क्र. सं.	नाम व पता आवेदक का	वार्ड/कॉलोनी/गली का नाम भूमि का क्षेत्रफल (वर्गगज)	पड़ोस द्वारा सीमाबद्ध भूखण्ड सं. उत्तर दिशा दर्शित करते हुए लम्बाई व चौड़ाई सहित क्षैत्र: उत्तर	दक्षिण	पूर्व	पश्चिम
1	सुनील पुत्र मांगीलाल जाति दर्जी निवासी रूण तहसील मूण्डवा जिला नागौर	शिव वाटिका के भूखण्ड संख्या 9 क्षेत्रफल 400 वर्गगज	प्लॉट नं. 10	निकाल व रास्ता 30 फीट चौड़ा	निकाल व रास्ता 30 फीट चौड़ा	निकाल व मेड़तारोड़ से नागौर सड़क

इसलिए, इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सुचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति के पास राजस्थान नगरपालिका अधिनियम,2009 की धारा 69–क के अधीन पूर्ण स्वामित्व पट्टा अधिकार अभिप्रात करने के लिए नगरपालिका के पक्ष में आवेदक द्वारा भूमि में के अधिकार अभ्यर्पण करने की अनुज्ञा की मंजूरी के संबंध में कोई आक्षेप है तो वह इस नोटिस के प्रकाशन के सात दिन के भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा। उपर्युक्तनियत समय के भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जावेगा कि किसी व्यक्ति को कोई आक्षेप नहीं है ओर मामले का तदनुसार निपटारा किया जावेगा।

यह लोक सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 12.05.2025 को जारी की गयी।

राज.संवाद/सी/25/5277 — **प्राधिकृत एवं अधिशाषी अधिकारी**

भरतपुर में मूसलाधार बारिश से कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात

शहर की कई कॉलोनियां तालाब बन गई और सड़कों पर दो फीट पानी जमा हो गया

भरतपुर में बरसात के कारण कई जगह पर नालों में कटाव हो गया।

■ एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में बाढ़ जैसे हालात हो गए, जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने से कई घरों में कमर तक पानी भर गया

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में रातभर हुई बारिश ने कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा कर दिये। इससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बारिश ने नगर निगम की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। शहर की कई कॉलोनियां तालाब बन गई हैं और सड़कों पर दो फीट पानी जमा हो गया है। इससे लोगों का जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। घरों के बाहर जहरीले कीड़े मकोड़े विचरण कर रहे हैं। खासकर स्कूल जाने वाले बच्चों को परेशानी हो रही है। परिजन उन्हें कंधे पर बैठाकर स्कूल छोड़ने जा रहे हैं। शहर की सड़कों पर जलभराव की समस्या से राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

शहर के लोगों का कहना है कि रातभर हुई मूसलाधार बारिश ने शहर के कई इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बना दिए हैं। बारिश के बाद सड़कों पर दरिया बह रहा है। एक दर्जन से अधिक कॉलोनियों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। यह स्थिति नगर निगम की लापरवाही के कारण हुई है। क्योंकि नालों की सफाई पर ध्यान नहीं दिया गया। जल निकासी की उचित व्यवस्था नहीं होने के कारण कई घरों में कमर तक पानी भर गया है। वहीं न्यू पुष्प वाटिका कॉलोनी, गोवर्धन गेट, मुखर्जी नगर, राजेंद्र नगर, ईदगाह कॉलोनी, तिलक नगर कॉलोनी में पानी भर जाने से लोग अपने घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं।

सीएफसीडी कार्य समय पर पूरा नहीं होने से भी शहर में जलभराव की स्थिति पैदा हुई है। गत दिनों जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने शहर में बाढ़ एवं जल भराव की समस्या के निराकरण के लिए प्रगतिरत सीएफसीडी के कार्य का मौके पर जाकर निरीक्षण किया तथा वर्षा के समय पानी की आवक को देखते हुए कार्य की गति देते हुए पानी निकासी की वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे, लेकिन उसके बावजूद भी जलभराव की स्थिति पैदा हो गई।

अतिरिक्त कलेक्टर शहर ने शहर में जल निकासी व्यवस्थाओं का लिया जायजा :- भरतपुर में अत्याधिक वर्षा होने के कारण शहर के निचले जलभराव वाले विभिन्न स्थान मालीपुरा, सेवर, जसवंत नगर, गणेश नगर, शेरसिंह नगर, बापू नगर, हीरादास, नीमदा गेट, पुष्प वाटिका, स्टेडियम भवन राजेंद्र नगर, विजय नगर, सोनपुरा पोखर, जघीना गेट कॉलोनी, कब्रिस्तान जवाहर नगर क्षेत्रों में पर कुल 11 इंजन पम्प, 8 ट्रैक्टर अल्टीनेटर पम्प एवं स्थायी मोटर पम्प हाउस लगाकर जल निकासी का कार्य किया जा रहा है। इस दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर शहर राहुल सैनी एवं नगर निगम के सचिव विजय प्रताप सिंह ने शहर में जल निकासी व्यवस्थाओ का जायजा भी लिया। इसी तरह गणेश नगर से हीरादास की ओर कच्चा नाला खोदकर अल्टीनेटर पम्प द्वारा जल निकासी का कार्य किया जा रहा है।

अलवर में तेज बारिश से सड़कें पानी-पानी

अलवर, (निसं)। अलवर शहर सहित आस-पास के क्षेत्र में मंगलवार सुबह सात बजे से आठ बजे के बीच मानसून की पहली अच्छी बारिश हुई। सबसे ज्यादा शहर में 80 मिमी बारिश दर्ज की गई। शहर की सड़कें पानी से लबालब हो गई। नालों के उफान से पानी सड़क पर आ गया।

गायत्री मंदिर रोड पर गायत्री कॉलोनी, एसपी ऑफिस के पास सरकारी क्वार्टर सहित कई जगहों पर घरों में पानी भर गया। महिला थाना परिसर में करीब एक फीट पानी जमा हो गया। यहां आस-पास की दुकानों के अंदर पानी भर गया। अलवर शहर में बस स्टैंड, होप सर्कस के आस-पास के बाजारों में दो फीट से ज्यादा पानी जमा हो गया।

हादसे में एक व्यक्ति की मौत

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के हमीरगढ़ थाना क्षेत्र स्थित स्वरूपगंज चौराहे के निकट एक तेज रफ्तार ट्रेलर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की सूचना पर थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करवाया। शव ट्रेलर के नीचे दबा हुआ था, जिसे बाहर निकालने के लिए जेसीबी व क्रेन की मदद ली गई। हालांकि मृत व्यक्ति की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है, लेकिन आशंका जताई जा रही है कि वह ट्रेलर का चालक हो सकता है। हादसे के चलते हाइवे पर दोनों ओर लंबा जाम लग गया। पुलिस द्वारा ट्रेलर को हटाकर मार्ग को सुचारू करवाया गया। पुलिस ने मृतक के शव को एमजी अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाते हुए उसकी शिनाख्त के प्रयास शुरू किए हैं।

मंदिर में फिर हुई चोरी की वारदात

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के आसींद थाना क्षेत्र के जाली गांव में स्थित चामुंडा माता (जाली माता) मंदिर में 30 जून की रात को चोरी की बड़ी वारदात हुई। मंदिर के पुजारी, श्रवण लाल गुर्जर निवासी हुडा का खेड़ा ने आसींद थाने में अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दी है।

पुजारी ने बताया कि अज्ञात चोरों ने मंदिर के दानपात्र के ताले तोड़ दिए और उसे गैस कटर से काटकर उसमें रखी एक लाख की नकदी चुरा ली। चोरों ने मंदिर के दरवाजे का ताला भी तोड़ा और मूर्ति पर चढ़ाई गई सोने की नथ, एक चांदी की आरती, एक चांदी की गाय और पट पर रखे लगभग पांच कैमरे भी चुरा ले गए। पुजारी ने अपनी शिकायत में यह भी बताया कि यह पहली बार नहीं है जब मंदिर को निशाना बनाया गया है। गत 23 जून की रात को भी एक व्यक्ति चोरी की नीयत से मंदिर आया था।

Rajasthan State Road Development And Construction Corporation Ltd.JAIPUR

No.NIT/2025-26/10693-700 **ई-निविदा सूचना संख्या 188/2025-26** Date:30.06.2025

निम्नलिखित सेवा कार्य के लिए पंजीकृत एवं अनुभवी एजेन्सियों संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेंट प्रक्रिया हेतु ऑनलाईन निविदायें आमंत्रित की जाती है:-

कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू.)
Rate contract for Hiring of Services for various Jobs from Placement Agencies for Head Office, Jaipur & Various Units in RSRDC Ltd. Rajasthan. UBN: RRC2526SLOB00374	601.00 Lakh

निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र में विविध शुल्क, धरोहर राशि, डाउनलोड करने व खोलने की तारीख सहित सम्पूर्ण विवरण एवं संशोधन वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.rajasthan.nic.in तथा http://pwd.rajasthan.gov.in/rsrdc पर देखा जा सकता है। इच्छुक संवेदकों को अपने डिजिटल हस्ताक्षर के माध्यम से वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है। महाप्रबंधक

जोधपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

(कार्यालय प्रबन्ध एवं अनुबन्ध शाखा) नया पावर हाउस परिसर, पैरा इंडस्ट्रियल एरिया, जोधपुर- 342003 दूरभाष - 0291-2742223, फैक्स - 0291-2746539

ई-निविदा सूचना

11/0.433 केवी. 160 केवीए. एल्युमिनियम वाउण्ड ईईएल-1 स्टार 1 रेटिंग डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफॉर्मर TN-2071 (UBN JVV2526GLOB00281), 315 केवीए. 11/0.433 के.वी. स्टार-1, एजी एक्सियूजी, लेवल - 1, 3 फेज कॉपर वाउंड (सीआरजीओ/अमोरफस कोर), डिस्ट्रीब्यूशन ट्रांसफार्मर TN-2072 (UBN JVV2526GLOB00280), री फेज एल्टी एबी केबल साइज 3Cx25+25 वर्ग मीमी. एवं 3Cx50+35 वर्ग मीमी. TN-2073 (UBN JVV2425GLOB00279) की खरीद हेतु ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं।

अन्य विवरण जैसे निविदा मूल्य, धरोहर राशि, निविदा प्रस्तुत करने/खुलने की तिथि का विवरण इत्यादि वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jdvvnl एवं http://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/5351 अधीक्षण अभियंता (कार्यालय प्रबन्ध एवं अनुबंध)

बिजली संबंधी शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6045

कार्यालय नगरपालिका, आहोर (जालौर)

क्रमांक:/नपाआ/स्टोर/2025/ई-टेण्डर/471 दिनांक : 30.06.2025

:: ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26 ::

नगरपालिका, आहोर जिला-जालोर द्वारा (पालिका क्षेत्र के जोन-01 व 02 में सफाई कार्य हेतु सफाई श्रमिक आपूर्ति कार्य) आपूर्ति हेतु माल एवं सेवाओं के उपापन के लिए दर संविदा वित्तीय वर्ष 2025-26 (31.03.2026) के लिए कार्य दर (रेट कोन्टेक्ट) हेतु उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन माध्यम से https://eproc.rajasthan.gov.in पर निविदा निर्धारित तिथि 30.06.2025 से 17.07.2025 तक आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा की संपूर्ण जानकारी कार्यालय एवं https://eproc.rajasthan.gov.in & https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी तथा डाउनलोड की जा सकती है।

NIB CODE - DLB2526A3040

TOTAL BID - 02

राज.संवाद/सी/25/5315 अधिशाषी अधिकारी नगरपालिका, आहोर

कार्यालय नगर परिषद सुजानगढ़ (चूरू) राजस्थान

E-mail id:- nps222419@gmail.com Phone no. 01568-222419

क्रमांक :-न.प.सु/विकास शाखा/2025/2667 दिनांक :- 25.06.2025

-: ई-निविदा सूचना-2025-26 :-

नगर परिषद सुजानगढ़ द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यों के लिये उपयुक्त सक्षम श्रेणी के राज्य सरकार के विभागों में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से निविदा दिनांक 14.07.2025 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्रों को वेबसाईट https://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड कि जा सकता है एवं निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाईट www.sppp.raj.gov.in पर प्राप्त की जा सकती है। निविदा का बीड क्रमांक DLB2526WSOB09189 है। कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगर परिषद सुजानगढ़ के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/5297 आयुक्त नगर परिषद सुजानगढ़

नगर विकास न्यास, पाली

डाक बंगला परिसर, पाली, फोन नं. 02932-223222, ई मेल - uitpali@gmail.com

क्रमांक :- न्या.पा./निविदा/2025/लेखाशाखा 16207426 दिनांक :- 27/06/2025

ई-निविदा सूचना संख्या - 21/2025-26

नगर विकास न्यास, पाली की ओर से न्यास/राजकीय विभाग से नियमानुसार उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्योरमेन्ट प्रक्रिया से सिविल कार्य हेतु ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। इन कार्यो की अनुमानित लागत, निविदा बेचे जाने तथा प्राप्त करने की दिनांक, निविदा शर्ते आदि सम्पूर्ण विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in, sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है तथा न्यास कार्यालय, पाली में कार्य दिवस के दौरान देखी जा सकती है। यूबीएन नं. :- ITP2526WSOB00026

राज.संवाद/सी/25/5365 अधिशाषी अभियन्ता

राजस्थान सरकार

कार्यालय जिला कलक्टर, करौली (राज.)

क्रमांक-आ.प्र.सह./निविदा/2025/842 दिनांक-24.06.2025

ई-निविदा सूचना संख्या 02/2025-26

कार्यालय जिला कलक्टर करौली में खोज एवं बचाव उपकरण क्रय करने हेतु इच्छुक आपूर्तिकर्ता/विनिर्मित/थोक वितरक/अधिकृत डीलर/विपनन एजेन्ट फर्मो से अनुमानित राशि 26.71 लाख रूपये की ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र, विस्तृत सूचना एवं शर्तें आदि का विवरण राजस्थान लोक उपापन पोर्टल https://sppp.rajasthan.nic.in, https://eproc.rajsthan.gov.in पर देखे व डाउनलोड की जाकर https://eproc.rajsthan.gov.in पर निविदा अपलोड की जा सकती है।

UBN NO. - CKL2526GLOB00006

DIPR/C/8879/2025 अतिरिक्त जिला कलक्टर, करौली

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, सार्वजनिक निर्माण विभाग, खण्ड-चित्तौड़गढ़

क्रमांक/टी.एस./2025-26/डी-772 दिनांक-23.06.2025

निविदा संशोधन सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 632 दिनांक 07.06.2025 से जारी ई-निविदा सूचना संख्या 11/2025-26 (DIPR RO NO. 7858 Dated 16.06.2025) की दिनांकों मे निम्नानुसार संशोधन किया जाता है:-

	पूर्व प्रकाशित दिनांक	संशोधित दिनांक
निविदा प्रपत्र डाउनलोड करने की दिनांक	12.06.2025 से 23.06.25 सायं 6.00 बजे तक	12.06.2025 से 02.07.2025 सायं 6.00 बजे तक
निविदा प्रपत्र जमा करने की दिनांक	12.06.2025 से 23.06.25 सायं 6.00 बजे तक	12.06.2025 से 02.07.2025 सायं 6.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	25.06.2025 प्रातः 11.00 बजे	04.07.2025 प्रातः 11.00 बजे

UBN NO. PWD2526WSOB04031

निविदा में वर्णित अन्य शर्ते यथावत रहेगी

DIPR/C/8800/2025 अधिशाषी अभियन्ता, सा.नि.वि. खण्ड-चित्तौड़गढ़

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सानिवि जिला खण्ड प्रथम बीकानेर

क्रमांक-650 दिनांक-23.06.2025

ई-निविदा 07/2025-26 संशोधन सूचना

(डीआईपीआर प्रकाशन संख्या-7370 दि.06.06.2025)

विवरण	पूर्व में डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक	संशोधित डाउनलोड/अपलोड करने की दिनांक
निविदा आवेदन/डाउनलोड करने की दिनांक	05.06.2025 को प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 23.06.2025 को सायं 06.00 बजे तक	05.06.2025 को प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 01.07.2025 को सायं 06.00 बजे तक
निविदा जमा कराने की दिनांक	05.06.2025 को प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 23.06.2025 को सायं 06.00 बजे तक	05.06.2025 को प्रातः 09.30 बजे से दिनांक 01.07.2025 को सायं 06.00 बजे तक
निविदा खोलने की दिनांक	24.06.2025 को प्रातः 11.00 बजे	02.07.2025 को प्रातः 11.00बजे

शेष नियम एवं शर्तें निविदानुसार यथावत रहेंगी।

UBN NO. 1. PWD2526WSOB02997, 2. PWD2526WSOB02999, 3. PWD2526WSOB03000, 4. PWD2526WSOB03004

DIPR/C/8789/2025 अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. जिला खण्ड प्रथम, बीकानेर

कार्यालय अधिशाषी अभियंता सा.नि.वि. खण्ड मॉगरोल

फोन नं. -07457-223266, ईमेल-EEPWD.MANGROL@RAJASTHAN.GOV.IN/pwdmangrol@gmail.com

क्रमांक-460 दिनांक-20.06.2025

निविदा संशोधन सूचना

इस कार्यालय के पत्रांक 235 दिनांक 23.05.2025 द्वारा निविदा सूचना संख्या 04/2025-26 जिसके डी.पी.आर. नम्बर DIPR/C/7005/2025 दिनांक 03.06.2025 से जारी की गई थी। उक्त निविदा में अपरिहार्य कारणों से निम्न संशोधन किये जाते है।

क्र.सं.	निविदा की दिनांक		संशोधन दिनांक
1	ऑन लाईन निविदा फार्म भिजने की तारीख	31.05.2025 से 20.06.2025 सांय 6.00 बजे तक	31.05.2025 से 09.07.2025 सांय 6.00 बजे तक
2	ऑन लाईन निविदा फार्म जमा कराने की तारीख	31.05.2025 से 20.06.2025 सांय 6.00 बजे तक	31.05.2025 से 09.07.2025 सांय 6.00 बजे तक
3	ऑन लाईन निविदा खोलने की तारीख	23.06.2025 दोपहर 3.00 बजे से संबन्धित कार्यालय में	11.07.2025 दोपहर 3.00 बजे से संबन्धित कार्यालय में

शेष शर्ते यथावत रहेगी।

DIPR/C/7005/2025 Date: 03.06.2025

क्र.सं.	UBN NO.	क्र.सं.	UBN NO.
1	PWD2526WSOB02398	2	PWD2526WSOB02399
3	PWD2526WSOB02400	4	PWD2526WSOB02401
5	PWD2526WSOB02402	6	PWD2526WSOB02406
7	PWD2526WSOB02410	8	PWD2526WSOB02411
9	PWD2526WSOB02412	10	PWD2526WSOB02414
11	PWD2526WSOB02416	12	PWD2526WSOB02419

DIPR/C/8682/2025 (कमल राम मीना) अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड, मॉगरोल

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफोन : 0141-2201489, ई-मेल: zcejz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के कोटपूतली सर्किल के अधिकार क्षेत्र में एआरसी 2023 के अनुसार एक्सईएन (ओ एण्ड एम) कोटपूतली के अधीन एईएन एसटीएम कोटपूतली के क्षेत्र में नए 33/11 केवी मोर्दा सब स्टेशन के निर्माण का कार्य टीएन-133 के तहत एआरसी पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 07.07.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 24.07.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेब साईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है। UBN:VVN2526WSOB00170

राज.संवाद/सी/25/5357 जेपीआर - 3024 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

26 लाख की स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। पुलिस ने अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 26 लाख 46 हजार की स्मैक के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।

जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में अवैध नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए वृताधिकारी टोंक राजेश कुमार विद्यार्थी एवं पुरानी टोंक थानाधिकारी नेमीचन्द गोयल के नेतृत्व में गठित थाना टीम व जिला स्पेशल टीम के सहयोग से थाना क्षेत्र में अवैध मादक पदार्थ में कार्रवाई करते हुये पीडब्ल्यूडी ऑफिस के सामने न्यू हाउसिंग बोर्ड टोंक से 26 लाख 46 हजार 200 रूपये कीमत की स्मैक जिसका वजन 132.31 ग्राम के साथ आरोपी राजेश पुत्र रंगलाल बैरवा निवासी मस्जिद के पास एनएच-12 कटफला थाना मिश्रोली जिला झालावाड को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरूद्ध एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण पंजीबद्ध किया। जांच अधिकारी ने बताया कि आरोपी संभवत इस मादक पदार्थ को बेचने हेतु जा रहा था, जिसे रास्ते में ही धर दबोचा तथा पूछताछ के दौरान अवैध मादक पदार्थ की सप्लाई करना बताया। मामले में स्मैक खरीदने वाले आरोपी की भी तलाश जारी है।

डंपर की टक्कर से देवर-भाभी की मौत, पति गंभीर घायल

मृतक देवर और भाभी के फाइल फोटो।

■ सड़क किनारे खड़े होकर तीनों बातें कर रहे थे, डम्पर ने टक्कर मार दी

नारायणपुर, (निसं)। कस्बे में सोमवार देर रात एक तेज रफ्तार डंपर ने सड़क किनारे खड़े तीन लोगों को टक्कर मार दी, जिसमें देवर-भाभी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा रात करीब नौ बजे बाल भारती इंग्लिश मीडियम स्कूल के पास हुआ, जिससे गढ़ी गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

पुलिस के अनुसार ग्राम गढ़ी निवासी हिम्मत सिंह अपनी पत्नी सीमा देवी के साथ मोटरसाइकिल पर नारायणपुर आ रहा था। रास्ते में बाल भारती स्कूल के पास उन्हें अपने भाई विशाल को देखा और बाइक रोककर उससे बातचीत करने लगे। तीनों सड़क किनारे खड़े होकर बातें कर ही रहे थे कि तभी नारायणपुर की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार डंपर ने मोटरसाइकिल सहित तीनों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि तीनों लोग सड़क पर जा गिरे और बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने तीनों घायलों को नारायणपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने ग्राम गढ़ी निवासी विशाल (22) पुत्र राजेश वाल्मीकि और सीमा देवी (25) पत्नी हिम्मत वाल्मीकि को मृत घोषित कर दिया। वहीं हिम्मत सिंह (27) की हालत गंभीर होने पर उसे जयपुर रेफर कर दिया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डंपर चालक टक्कर मारने के बाद मौके से वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और शवों को मोर्चरी में रखवाया गया। मंगलवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद दोनों शव परिजनों को सौंप दिए गए। हादसे में जान गंवाने वाले सीमा देवी के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं, जबकि मृतक विशाल के एक बेटी है। परिजनों की ओर से नारायणपुर थाने में मृतक विशाल के पिता राजेश वाल्मीकि ने मामला दर्ज कराया है। फरार डंपर चालक की तलाश जारी है।

उदयपुर विकास प्राधिकरण, राजस्थान

No. :- F-2(01)Acct/Contract/2025-26/93 - 95 Date : 27/06/2025

ई-निविदा सूचना संख्या : 25/2025-26

उदयपुर विकास प्राधिकरण, उदयपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य मय डिफेक्ट लाईबिलिटी अवधि के लिये जो कि निविदा प्रपत्र में अंकित है के लिये उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है :-

निविदा कार्यो की कुल लागत	रूपये 675.67 लाख (01 कार्य)
ऑनलाईन निविदा प्रपत्र डाउनलोड/अपलोड करने की अवधि	30.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 22.07.2025 को सांयः 6.00 बजे तक
Online EMD, Tender Fee & Processing Fee जमा करने की तिथि	30.06.2025 को प्रातः 10.00 बजे से 22.07.2025 को सायं 6.00 बजे तक
ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथी	23.07.2025 को प्रातः 11:00 बजे

विस्तृत विवरण वेबसाईट urban.rajasthan.gov.in/uitudaipur, www.eproc.rajasthan.gov.in व www.sppp.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

UBN No. : ITU2526WLOB00156

राज.संवाद/सी/25/5358 अधिशाषी अभियन्ता - विद्युत उदयपुर विकास प्राधिकरण

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

कार्यालय संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग) पुराना पॉवर हाऊस, बनीपार्क, जयपुर टेलीफोन : 0141-2201489, ई-मेल: zcejz@jvvnl.org

ई-निविदा सूचना

ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के अन्तर्गत भिवाड़ी सर्किल के सहायक अभियंता (एसटीएम) भिवाड़ी क्षेत्र में नए प्रस्तावित 33/11 केवी एस/एस रिलैक्सो चौक के निर्माण का कार्य टीएन-137 के तहत एआरसी रेट 2023 पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। UBN:VVN2526WSOB00174, ई-निविदा दो भागों में (तकनीकी-वाणिज्यिक), जयपुर डिस्कॉम के अन्तर्गत भिवाड़ी सर्किल के क्षेत्र में सहायक अभियंता (एसटीएम) भिवाड़ी के तहत नए प्रस्तावित 33/11 केवी एस/एस हरचंदपुर-1 सबस्टेशन के निर्माण का कार्य टीएन-138 के तहत एआरसी पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर आमंत्रित किये जाते है। UBN: VVN2526WSOB00175 योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा संबंधित दस्तावेज ई-प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 07.07.2025 से डाउनलोड कर सकते है। निविदायें ऑनलाईन ई-पोर्टल पर दिनांक 24.07.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा संबंधी जानकारी कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट www.energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & http://eproc.rajasthan.gov.in से प्राप्त की जा सकती है।

UBN: VVN2526WSOB00174, VVN2526WSOB00175

राज.संवाद/सी/25/5353 जेपीआर - 3028 (2025) संभागीय मुख्य अभियंता (जयपुर संभाग)

बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

अस्पताल का दरवाजा बंद होने से गेट पर महिला का प्रसव हुआ

■ मासलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सकों की लापरवाही सामने आई

मासलपुर/करौली, (निसं.)। मासलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर चिकित्सकों की लापरवाही का एक बार फिर सामने आई। एक महिला का प्रसव सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के दरवाजे बंद होने पर के गेट पर ही बच्चे को जन्म दे दिया। इस घटना के बाद चिकित्सा प्रशासन मे हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार चिकित्सालय के दरवाजे के बाहर एक प्रसूता ने बिना किसी चिकित्सकीय मदद से एक बच्ची को जन्म दिया। आनन-फानन में एक महिला स्वास्थ्यकर्मी ने गेट के बाहर ही प्रसूता के गर्भनाल को काटा और प्रसूता एवं नवजात शिशु को लेकर वार्ड में बेड उपलब्ध कराया गया। फिलहाल जच्चा-बच्चा की हालत खतरे से बाहर है। महिला मासलपुर तहसील क्षेत्र के ऊंचा गांव की रहने वाली है। महिला के पति रामवीर माली ने बताया कि उसकी पत्नी राधा को आज प्रात: से ही प्रसव पीड़ा हो रही थी। करीब डेढ़ बजे वह एक किराए के निजी वाहन से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर लेकर पहुंचे। इस दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के दरवाजे बंद मिले। अस्पताल के दरवाजे पर भी ना स्ट्रेचर मिला, ना वॉर्ड ब्वॉय, जिसके बाद दर्द से तड़पते हुए राधा ने बच्ची को दरवाजे के बाहर ही जन्म दे दिया। कई लोग वहां खड़े थे जिन्होंने वीडियो भी बनाए, तब अस्पताल कर्मियों ने प्रसूता और नवजात बच्ची को स्ट्रेचर पर लेकर अस्पताल में भर्ती कराया, गनीमत यह रही कि नवजात बच्ची और प्रसूता फिलहाल सुरक्षित हैं। गौरतलब है कि सीएचसी पर पूर्व में भी इस प्रकार की घटनाएं हो चुकी हैं।

इस मामले मे चिकित्सा अधिकारी डॉ. विशेष सिंह का कहना है कि महिला को सीएचसी पर देरी से लाया गया। वाहन से नीचे उतारते वक्त ही बच्चे का सिर बाहर निकल गया। महिला को पिछले दरवाजे पर लाया गया था, जो बंद रहता है। मुख्य दरवाजा बंद होने कि बात गलत है। वह स्वयं चिकित्सक कक्ष में मौजूद थे। पता चलने पर महिला को तत्काल लेबर रूम में ले जाया गया जहां प्रसूता का उपचार जारी है।

RAJASTHAN STATE FOREST DEVELOPMENT CORPORATION LIMITED

(A Government of Rajasthan Undertaking) Regional Office, Ajmer, Van Bhawan, Jaipur Road, Ajmer

Email :- gmajmer@rajasthan.gov.in ,dcfdodstageii121@gmail.com

Registered Office ROOM NO. B-116, FIRST FLOOR, ARANYA BHAWAN, JHALANA INSTITUTIONAL AREA, JAIPUR, Rajasthan, PIN : 302004

क्रमांक : एफ ( )क्षेत्रा-नीलामी/राव/तारागढ़ीबिक्री/लेखा/2025-26/270 दिनांक :- 30/06/2025

नीलामी सूचना सं. 03/2025-26

सर्वसाधारण विशेषकर लकड़ी/वनउपज व्यापारियों को सूचित किया जाता है कि प्रादेशिक वनमण्डल, सिरोही के क्षेत्र तारांगाहिल-अम्बाजी आबूरोड कार्यस्थल पर आने वाले परिपक्व वृक्षों के पातन उपरान्त एकत्रिकरण वन उपज की नीलामी नीचे वर्णित कॉलम संख्या 7 अनुसार निर्धारित स्थान व दिनांक को **"जहाँ है जैसे है"** के आधार पर की जावेगी। अतः इच्छुक बोलीदाता दिनांक 17.07.2025 को प्रातः 10.00 बजे से पूर्व कॉलम संख्या 6 में अंकित राशि अनुसार प्रतिभूति/धरोहर राशि का डी.डी. महाप्रबन्धक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर के नाम का जमा करवाकर बोली स्थल अस्थाई वन विक्रय केन्द्र, हिरापुरा, आबू रोड, सिरोही में स्वयं/प्रतिनिधि उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते है।

क्र. सं.	प्रादेशिक वनमण्डल	अनुमानित वजन (क्विंटल में)	लकड़ी/वन उपज का प्रकार	अनु. राशि (रूपये में)	प्रतिभूति/धरोहर राशि (रूपये में)	नीलामी दिनांक/समय व स्थान
1	2	3	4	5	6	7
1	वनमण्डल, सिरोही	19329	(पंचमेल) जलाऊ लकड़ी	54,92,000	1,09,840	17.07.2025 प्रातः 10.00 बजे (अस्थाई वन विक्रय केन्द्र, हिरापुरा, आबू रोड, सिरोही)

नीलामी कार्यक्रम, शर्ते, प्रतिभूति राशि, नीलामी के नियम आदि की जानकारी सेन्चपत्थ्तरेजीदण्डअपघ व कार्यालय में देखी जा सकती है। प्रतिभूति राशि नीलामी स्थल पर नीलामी से पूर्व जमा करानी होगी। अन्य जानकारी हेतु प्रभारी प्रबन्धक के दूरभाष नम्बर 7012434477 पर सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

राज.संवाद/सी/25/5368 महाप्रबन्धक राजस्थान राज्य वन विकास निगम लिमिटेड, क्षेत्रीय कार्यालय अजमेर

Department of Tourism Government of Rajasthan

Paryatan Bhawan, Opp. Vidhyapkpuri Police Station, M.I. Road, Jaipur-302001

Telephone 0141-2822807, 0141-2822835

E-Mail-mktg-dot@rajasthan.gov.in

No. F.3(167)Advt./VR Exp./DT/2025(04675/ Dated: As per e-Signature

E-Bid Notice for Selection of an Agency for Development of Virtual Reality (VR) Experience for Rajasthan Tourism.

RFP/Bid No. 261

Department of Tourism, Government of Rajasthan the invites bids for selection of an Agency for Development of Virtual Reality (VR) Experience for Rajasthan Tourism. Agencies with proven experience and credentials of having developed virtual reality experiences for tourism and related sectors can participate in this bid process.

Name of Work	Estimated Costof work (Rs)	Bid Security	Bid/RFP issue/ Start Date	Time & last date for submission of Bid	Time and date for opening of technical bid
Selection of an Agency for Development of Virtual Reality (VR) Experience for Rajasthan Tourism	1.00 Crore	2% of the estimated cost of work (Rs.2,00,000/-)	16.06.2025	07.07.2025 03.00 PM	07.07.2025 4.00 PM

The E-bid form can be downloaded from www.eproc.rajasthn.gov.in, www.sppp.rajasthan.gov.in (e-procurement portal of the State Government) nd www.tourism.rajasthan.gov.in. Duly filled bids can be submitted online latest by 07.07.2025 by 3.00 PM Rs. RISL fee of Rs. 2,500/- will have to be deposited online through e-GRAS (Budget head 8658-00-102-(16)-(01) and Bid document fee of Rs. 2000/- will have to be deposited online through e-GRAS (Budget Head 0075-00-800-52-01), Bid Security of Rs. 2,00,000/- will have to be deposited through E-Grass (Budget Head Name- प्रतिभूति राशि (8443-00-103-00-00).

Note: Copy of E-challan to be submitted before 3.00 PM on 07.07.2025.

Interested bidder eligible as per qualification criteria may submit their response to the BID through e-procurement portal www.eproc.rajasthan.gov.in.

For any other information, you may contact to Joint Director (Marketing), Department of Tourism, Government of Rajasthan, Jaipur (Tel. No. 9414337204, 0141-2822838 Email: mktg-dot@rajasthan.gov.in.

DIPR/C/8342/2025 (Daleep Singh Rathore) Joint Director (Marketing)

अज्ञात प्रौढ़ की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र स्थित मेजा की डांग-बागोर मार्ग पर एक अज्ञात प्रौढ़ की खूनसनी लाश सड़क किनारे मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक के शरीर पर चोटों के निशान भी है। सूचना पर पुलिस ने शव की पहचान के प्रयास भी किये, लेकिन अब तक किसी ने उसे नहीं पहचाना। शव को मांडल अस्पताल की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है।

मांडल थाने के दीवान हनुमान प्रसाद ने बताया कि मंगलवार सुबह टेलीफोन पर मांडल अस्पताल से एक बॉडी आने की सूचना मिली। सूचना पर वे अस्पताल पहुंचे, जहां 108 एंबुलेंस स्टॉफ मिला। उसने बताया कि मेजा की डांग मेजा-बागोर रोड सड़क किनारे यह अधेड़ मिला। पुलिस ने शव की पहचान नहीं होने से उसे मोर्चरी में सुरक्षित रखवा दिया। प्रथमदृष्ट्या पुलिस इस घटना को रोड एक्सीडेंट मान रही है। दीवान हनुमान ने बताया कि 45 वर्षीय इस अज्ञात मृतक का रंग गेहुंआ, शरीर दुबला पतला, बैंगनी रंग का पायजामा व सफेद रंग का फुल आस्तीन का शर्ट पहने हुए है। बायें गाल पर रगड का निशान है। वह सफेद सेण्डो बनियान पहने है। कपड़ों पर छाती के पास खून लगा हुआ है। शर्ट की जेब में भरत बीड़ी का बण्डल व माचिस मिली। दाहिने हाथ की हथेली पर त्रिशूल जैसा निशान गुदा हुआ है। घटना स्थल पर जहां शव मिला वहां पास में एक बैसाखी और काले रंग की पोंछार कम्पनी की चप्पल पड़ी मिली। पुलिस ने भीलवाड़ा के साथ ही प्रदेशभर के थानों को इस शव की फोटो भेजी है, ताकि शव की पहचान हो सके।

खुद को आग लगाने वाले प्रोपर्टी डीलर ने उपचार के दौरान दम तोड़ा

आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में बिजनेस पार्टनर कैलाश माहेश्वरी गिरफ्तार

- प्रॉपर्टी कारोबार में राजेश शर्मा का कैलाश माहेश्वरी पार्टनर है। कैलाश माहेश्वरी से राजेश शर्मा ने डेढ़ करोड़ रुपए लिए थे
- शिकायत का काई समाधान नहीं होने पर राजेश ने थाने के बाद ही खुद के आग लगा ली थी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। ट्रांसपोर्ट नगर थाने के सामने खुद को आग लगाने वाले प्रोपर्टी डीलर ने मंगलवार सुबह 4 बजे उपचार दौरान दम तोड़ दिया। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में बिजनेस पार्टनर कैलश माहेश्वरी को गिरफ्तार कर लिया।

गौरतलब है कि मृतक राजेश शर्मा (50) प्रॉपर्टी कारोबारी आगरा रोड स्थित जामडोली के राधिका विहार कॉलोनी के रहने वाले थे। वह पिछले तीन साल से ट्रांसपोर्ट नगर की सेठी कॉलोनी में परिवार के साथ रहकर प्रॉपर्टी का कारोबार कर रहे थे। प्रॉपर्टी कारोबार में राजेश शर्मा का कैलाश माहेश्वरी पार्टनर है। कैलाश माहेश्वरी से राजेश शर्मा ने डेढ़ करोड़ रुपए लिए थे। राजेश शर्मा बाकायदा 2.60 रुपए सैकड़ा के हिसाब से कैलाश को ब्याज दे रहे थे। मई और जून का ब्याज नहीं देने पर 28 जून को कैलाश अपने साथियों के साथ सेठी कॉलोनी में राजेश के किराए के मकान पर गया। कैलाश ने राजेश की पत्नी और बेटी के साथ अभद्रता की। इसके बाद कैलाश ने राजेश को फोन पर जमकर बुरा भला भी कहा। राजेश शाम को घर लौटे। इसके बाद कैलाश के खिलाफ ट्रांसपोर्ट नगर थाने में लिखित शिकायत दी।

मृतक का भाई अशोक शर्मा टूरिस्ट गाइड ने आरोप लगाया है कि पुलिस ने हमारी रिपोर्ट दर्ज नहीं की। पुलिस का कहना था कि हम दूसरी पार्टी को बुलाएंगे। जब वह पार्टी आएगी, उससे बात कर हम रिपोर्ट दर्ज करेंगे। पुलिस ने कैलाश को फोन किया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। इसके बाद मैं और मेरा भाई राजेश घर लौट आए। रविवार को राजेश और अशोक फिर से थाने पहुंचे लेकिन पुलिस ने कैलाश को फोन किया तो उसने फोन नहीं उठाया। राजेश शाम को फिर थाने पहुंचा तो थानाधिकारी अरुण चौधरी ने उसे गालियां देने शुरु कर दी। 30 जून को राजेश फिर थाने पहुंचा। लेकिन अपनी शिकायत का काई समाधान नहीं होने पर राजेश ने थाने के बाद ही खुद के आग लगा ली और थाने में घुस गया।

खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र लाभार्थियों को अंतिम मौका

जयपुर। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें।

इसी क्रम में प्रदेश में पात्र चयनित लोगों को खाद्य सुरक्षा योजना से जोड़ने के लिए सक्षम अथवा अपात्र लोगों से गीव अप करने हेतु खाद्य विभाग द्वारा गीव अप अभियान चलाया जा रहा है।गीव अप अभियान में आज तक राजस्थान में 22 लाख 32 हजार व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा। जिससे राज्य सरकार पर वार्षिक 409.39 करोड़ राषि का वित्तीय भार कम होगा।अपात्र लोगों को नोटिस जारी किये गये, जिनसे वसूली की कार्यवाही शीघ्र की जायेगी। खाद्य विभाग के जिला रसद अधिकारी, प्रवर्तन अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षकगण औचक निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस भी जारी करेंगे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर हाल ही में आरएएस से आईएएस में पदोन्नत अधिकारियों के प्रतिनिधि मंडल ने शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान अवधेश सिंह, राकेश शर्मा, सुखवीर सैनी, महेंद्र कुमार खींची, बृजेश कुमार चंदोलिया, राजेश वर्मा, राकेश राजोरिया, जगवीर सिंह, जुगल किशोर मीणा एवं सुरेश चंद्र उपस्थित रहे।

बुजुर्गों को मिला रामाश्रय वार्डों से स्वास्थ्य का संबल

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर सभी जिला अस्पतालों में शुरू किए गए रामाश्रय वार्ड (जीरियाट्रिक वार्ड एवं जीरियाट्रिक क्लीनिक) वृद्धजनों के लिए स्वास्थ्य का अनुपम उपहार साबित हो रहे हैं। ये वार्ड जनसेवा का एक सार्थक माध्यम बनकर उभरे हैं। अब तक इस मानवीय पहल से करीब 20 लाख बुजुर्ग लाभान्वित हो चुके हैं। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील नवाचार से हमारे बुजुर्गों को न केवल स्वास्थ्य लाभ मिला है, बल्कि उनके जीवन में आशा और विश्वास का नया संचार हुआ है। उन्हें उपचार को लेकर चक्कर काटने से मुक्ति मिली ही है और अस्पतालों में होने वाली कठिनाई से वे चिंतामुक्त हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के मार्गदर्शन में 14 मार्च, 2024 से प्रदेश के जिला अस्पतालों में बुजुर्गों के स्वास्थ्य की समुचित देखभाल और अस्पतालों में सम्मानपूर्वक उपचार के लिए रामाश्रय वार्डों का शुभारम्भ किया गया था। गौरतलब है कि राजस्थान सरकार के इस सेवाभावी नवाचार का लाभ लेने के लिए करीब 19 लाख 70 हजार बुजुर्गों ने अब तक रजिस्ट्रेशन करवाया है।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि बुजुर्गों के लिए प्रारंभ किए गए इस नवाचार के तहत करीब 18 लाख बुजुर्गों ने ओपीडी सेवाओं का और 1 लाख 5 हजार से अधिक वृद्धजनों ने आईपीडी सेवाओं का लाभ मिलया है। करीब 12 लाख 20 हजार लैब टेस्ट इन वार्डों के माध्यम से किए गए हैं। साथ ही, 27 हजार से अधिक रोगियों को फिजियोथैरेपी की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। रामाश्रय वार्डों में 10 फाउलर बैड आरक्षित किए गए हैं। इनमें से 5 बैड महिला एवं 5 बैड पुरूषों के लिए हैं। हर बैड के बीच पार्टीशन कर परदे लगाए गए हैं। बैड के पास नर्सिंग अलार्म सिस्टम लगाए गए हैं, ताकि आपात स्थिति में वृद्धजन तुरंत नर्सिंग स्टाफ को बुला सकें।

मुख्यमंत्री ने पोस्टर का विमोचन किया

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की युवा इकाई द्वारा 6 जुलाई को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर के पोस्टर का विमोचन किया। इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन राजस्थान की मुख्य इकाई के प्रदेश प्रभारी ध्रुवदास अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री गोपाल गुप्ता, युवा इकाई के अध्यक्ष मनीष गुप्ता एवं महामंत्री केदार गुप्ता उपस्थित रहे। वहीं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से महाराज वेदान्ताचार्य डॉ. ध्यानाराम ने मंगलवार को मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। उन्होंने राजपुरोहित समाज के सामाजिक-शैक्षिणक उत्थान एवं आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा की। इस दौरान आहोर विधायक छगन सिंह एवं ब्रह्मधाम आसोतरा ट्रस्ट के पदाधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर शर्मा ने ध्यानाराम महाराज को दुपट्टा ओढ़ाकर उनका स्वागत किया।

कुपोषण पर हाईकोर्ट ने लिया स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान

- अधिनियम के प्रावधान सही मायनों में नहीं हुए लागू

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने कहा कि यह बड़े दुख की बात है कि बच्चों और महिलाओं सहित अन्य लोगों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के लिए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम को उनकी वास्तविक भावना से लागू नहीं किया गया है।

अदालत ने मामले में स्वप्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया है। अदालत ने मामले में गृह मंत्रालय, खाद्य मंत्रालय, बाल विकास मंत्रालय, एफएसएसएआई, शिक्षा मंत्रालय के साथ ही राज्य के मुख्य सचिव, एसीएस बाल विकास, एसीएस खाद्य, एसीएस शिक्षा को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार के अफसरों से तीस जुलाई तक रिपोर्ट पेश कर बताने को कहा है कि मामले में उनकी ओर से क्या कार्रवाई की गई है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने यह आदेश प्रकरण में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए।

अदालत ने अपने आदेश में महात्मा गांधी के कथन को रेखांकित करते हुए कहा कि भूखे पेट भगवान को भी याद करना कठिन है अदालत ने कहा कि जंक फूड बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित कर रहे हैं।

ऐसे में बच्चों और नौजवानों को पारम्परिक और मौसमी खाद्य पदार्थों के लिए प्रोत्साहित कर अच्छे स्वास्थ्य का निर्माण किया जा सकता है।

सरकार और एफएसएसएआई की जिम्मेदारी है कि वे खाद्य मानकों को पूरा करने और स्कूलों व शैक्षिणक संस्थानों में जंक फूड की बिक्री रोके।

आयुर्वेद, प्रत्येक रोग के मूल कारण पहचानकर समाधान करता है : आचार्य बालकृष्ण

- 'एल्सूविअर' प्रकाशन के अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल रिसर्च जर्नल ''फार्मकलोजिकल. रिसर्च रिपोर्ट्स'' में शोध प्रकाशित

जयपुर। पतंजलि के वैज्ञानिकों ने जोड़ों के दर्द यानि गठिया या जिसे आर्थराइटिस भी कहा जाता है, के उपचार में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। आयुर्वेद आधारित औषधि ऑर्थोग्रिट पर किया गया पतंजलि का यह नवीन शोध ''एल्सूविअर'' प्रकाशन के अंतरराष्ट्रीय रिसर्च जर्नल ''फार्मकलोजिकल.रिसर्च रिपोर्ट्स'' में प्रकाशित हुआ है। यह अध्ययन दर्शाता है कि ऑर्थोग्रिट गठिया के कारण होने वाली सूजन को कम करने, कार्टिलेज के घिसाव को रोकने तथा जोड़ों की कार्यक्षमता को बनाए रखने में प्रभावशाली है।

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आज के समय में शायद ही कोई ऐसा वृद्ध व्यक्ति हो जो घुटनों के दर्द से पीड़ित न हो। वर्तमान चिकित्सा पद्धितयाँ केवल लक्षणों पर कार्य करती हैं, जड़ पर नहीं। आयुर्वेद प्रत्येक रोग के मूल कारण को पहचानकर उसका समाधान प्रस्तुत करता है।

ऑर्थोग्रिट इसी आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान का संगम है, जो गठिया जैसी असाध्य मानी जाने वाली बीमारी को भी मूल रूप से समाप्त करने की क्षमता रखता है।

उन्होंने बताया कि ऑर्थोग्रिट वचा, मोथा, दारूहल्दी, पिप्पलमूल, अश्वगंधा, निर्गुंडी, पुनर्नवा आदि प्राकर्तिक जड़ी-बूटियों से निर्मित है जोकि सनातन संस्कृति में प्राचीनकाल से ही जोड़ों के दर्द, सूजन आदि में लाभकारी पाएं गए है।

पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने इस अवसर पर कहा गठिया एक ऐसी पुरानी बीमारी है जो विश्वभर में करोड़ों लोगों को प्रभावित करती है। हमने इस शोध में मानव कार्टिलेज कोशिकाओं की ''3डी स्फेरॉइड्स (गेंदनुमा आकार) और ''सी-एलिगेंस'' पर अध्ययन किया है।

रालसा का 90 दिन का मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान शुरू

जयपुर । सुप्रीम कोर्ट व नालसा के निर्देश पर हाईकोर्ट सहित प्रदेश की लोअर कोर्ट में मंगलवार से रालसा का90दिन का मीडिएशन फॉर द नेशन अभियान शुरू हो गया। इस अभियान के तहत हाईकोर्ट व लोअर कोर्ट में पेंडिंग उन केसों को चिन्हित किया जाएगा जिनमें पक्षकारों के बीच मीडिएशन के जरिए केस का निस्तारण हो सकता है। रालसा के सदस्य सचिव हरिओम अत्रि ने बताया कि इस संबंध में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व तालुका स्तर पर भी निर्देश दे दिए गए हैं। इसके अनुसार जुलाई महीने में कोर्ट केसों को चिन्हित कर देखेगा कि क्या उनमें मीडिएशन के जरिए निस्तारण हो सकता है।

इस प्रक्रिया के तहत कोर्ट में पेंडिंग सभी केसों को फिल्टर किया जाएगा। यदि इस प्रक्रिया से कोर्ट में पेंडिंग केसों का निस्तारण होता है तो इससे उन केसों में कोर्ट की आगामी प्रक्रिया रुकेगी वहीं कोर्ट पर केसों का भार भी कम होगा। रालसा ने1500मीडिएटर्स को भी ट्रेनिंग दे दी है। इस तीन महीने की प्रक्रिया में संबंधित कोर्ट की रिपोर्ट नालसा व सुप्रीम कोर्ट को भेजी जाएगी।

बेटे ने मां की हत्या के बाद ट्रेन के आगे छलांग लगाकर खुदकुशी की

कॉल सेंटर में करता था जॉब, कई दिनों पहले छोड़ चुका था नौकरी

- लंबे समय से चल रहा था अवसाद में,सी.सी.टी.वी. फुटेज के आधार पर जांच शुरु

जयपुर (कासं) । मुहाना थाना इलाके में एक कलयुगी बेटे ने चाकू से अपनी मां का गला रेत कर उसे मौत के घाट उतार दिया। जिसके बाद आरोपित ने पुलिस के डर से ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए महात्मा गांधी अस्पताल के मुर्दाघर में भिजवाया।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण ललित कुमार शर्मा ने बताया कि अभिजीत (38) ने अपनी मॉ पुष्पांजलि (68) के साथ मुहाना इलाके में स्थित पार्श्वनाथ कॉलोनी में किराए के फ्लैट में रहते थे। अभिजीत ने सोमवार दोपहर साढ़े तीन बजे जवाहर सर्किल इलाके में ब्रेन टावर हॉस्पिटल के समीप गुजर रहीं रेलवे लाईन पर ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव की तलाशी ली तो उसके पास से घर की चाबी और कुछ दस्तावेज बरामद हुए। दस्तावेजों के आधार पर पुलिस ने मृतक की शिनाख्त कर उसके घर पहुंचे तो वहां उसकी माँ का शव पड़ा मिला। संभावना जताई जा रहीं है कि अभिजीत ने चाकू से अपनी मॉ का गला रेत उसे मौत के घाट उतार दिया और शव को कमरे में बंद कर वहां से फरार हो गया। जिसके बाद पकड़े जाने के डर से उसने भी ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली।

प्रारम्भिक जांच में सामने आया है कि मृतक अभिजीत कॉल सेंटर में जॉब करता था। लेकिन कई दिनों पहले उसने कॉल सेंटर से जॉब छोड दी थी। जिसके बाद से वो मानसिक अवसाद में था। सोमवार को दोपहर में उसने अपनी मॉ की हत्या करने के बाद वहां से फरार हो गया और आत्महत्या कर ली। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो उसे पुष्पाजंलि का की बॉडी सड़ी-गली हालत में मिली और शव के पास हत्या के काम में लिया गया चाकू बरामद हुआ। पुलिस घटना के स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच में जुट गई है।

गोली मारने की धमकी देकर लूट

जयपुर । बजाज नगर इलाके में हथियारबंद बदमाशों ने गोली मारने की धमकी देकर एक युवक से लूटपाट करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार धमकी देकर बदमाशों ने दोस्तों को फोन करवाकर रुपए मंगवाए और फिर ऑनलाइन रुपए आने के बाद मोबाइल लूटकर फरार हो गए। पुलिस ने बताया कि दौसा जिले के बांदीकुई निवासी नरेन्द्र कुमार सैनी (18) ने मामला दर्ज करवाया है कि वह महेश नगर में शारदा कॉलोनी में रहकर पढ़ाई कर रहा है। जो रविवार देर शाम को गांधी नगर रेलवे स्टेशन के बाहर खड़ा था। इसी दौरान टोंक रोड की तरफ से एक व्यक्ति आया। उसके पास आकर फोन करने के लिए मोबाइल मांगा। मोबाइल देने पर बात करते हुए उसे साइड में ले गया। वहां पहले से उसके दो साथी खड़े मिले। तीनों बदमाशों ने उससे छीना-झपटी करना शुरू कर दिया। विरोध पर गोली मारने की धमकी दी। जहां बदमाशों ने धारदार हथियार निकाल जान से मारने की देकर युवक के दोस्त से फोन पर 20 हजार रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर करवाए।

चिकित्सा मंत्री ने ''स्टॉप डायरिया अभियान'' का शुभारंभ किया

- 1 जुलाई से 15 अगस्त तक चलेगा यह अभियान

जयपुर (कासं)। राजस्थान में दस्त रोग की रोकथाम को लेकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को अपने राजकीय निवास पर ''स्टॉप डायरिया अभियान'' का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उन्होंने अभियान का पोस्टर विमोचन किया तथा बच्चों को ओआरएस के पैकेट और जिंक की गोलियां वितरित कीं। यह अभियान प्रदेशभर में 1 जुलाई से 15 अगस्त तक चलेगा, जिसमें दस्त से होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई एवं जनजागरूकता पर विशेष बल दिया जाएगा।

चिकित्सा मंत्री ने बताया कि देश में 5 वर्ष से कम उम्र के बच्चों की मृत्यु के मामलों में लगभग 4.1 मौतें डायरिया की जटिलताओं से होती हैं। उन्होंने कहा कि डायरिया से बचाव के लिए जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। ओआरएस और जिंक की समय पर खुराक देकर बच्चों को सुरक्षित रखा जा सकता है। मंत्री

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने मंगलवार को अपने राजकीय निवास पर ''स्टॉप डायरिया अभियान'' का राज्य स्तरीय शुभारंभ किया।

खींवसर ने बताया कि यह अभियान ''डायरिया की रोकथाम, सफाई और ओआरएस से रखें अपना ध्यान'' थीम पर आधारित होगा और विभिन्न विभागों के सहयोग से बहुआयामी गतिविधियां चलाई जाएंगी। इसमें महिला एवं बाल विकास, स्कूल शिक्षा, पीएचईडी, ग्रामीण विकास, और नगरीय विकास विभाग की महत्त्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

घर-घर जाकर ओआरएस और जिंक का वितरण

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने बताया कि अभियान के दौरान आशा सहयोगिनियां घर-घर जाकर 5 वर्ष से छोटे बच्चों को ओआरएस और जिंक की खुराक देंगी। इसके अतिरिक्त चिकित्सा संस्थानों एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों पर ओआरएस एवं जिंक कॉर्नर स्थापित किए जाएंगे।

750 कि.मी. तक लगे सी.सी.टी.वी. कैमरे खंगालकर पुलिस ने दो वाहन चोर दबोचे

जयपुर । मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यू सांगानेर रोड पर स्थित यामाहा शोरूम से नई दो पावर बाइक चोरी करने वाले अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस जानकारी में सामने आया कि पुलिस ने 750 किलोमीटर में लगे सीसीटीवी कैमरों को खंगालते हुए दो बदमाशों को चिन्हित किया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से शोरूम से चुराई दो नई पावर बाइक और वारदात में प्रयुक्त चोरी की बुलेट बाइक जब्त की है। फिलहाल गिरफ्तार बदमाशों से पूछताछ की जा रही है।

- आरोपियों के कब्जे से यामाहा शोरूम से चुराई हुई दो नई पावर बाइक और एक बुलेट बाइक जब्त की है।

पुलिस उपायुक्त जयपुर (दक्षिण) दिगंत आनंद ने बताया कि मानसरोवर थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए न्यू सांगानेर रोड पर स्थित यामाहा शोरुम से नई दो पावर बाइक चोरी करने वाले अंतरराज्यीय वाहन चोर गैंग के शातिर बदमाश सचिन (42) और योगेश उर्फ छोटू (26) निवासी मुरार ग्वालियर (मध्यप्रदेश) को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार दोनों आरोपी अव्वल दर्जे के नकबजन है।

जिनके खिलाफ मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र व राजस्थान के अलग-अलग थानों में हत्या, नकबजनी, चोरी, डकैती की प्लानिंग और आर्म्स एक्ट जैसे आपराधिक मामले दर्ज है। आरोपित सचिन के खिलाफ 47 और योगेश उर्फ छोटू के खिलाफ 40 प्रकरण दर्ज होने की जानकारी मिली है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से बाइक शोरूम से चोरी की दो पावन बाइक और वारदात में प्रयुक्त बुलेट बाइक जब्त की है।

मानसरोवर पुलिस ने न्यू सांगानेर रोड स्थित यामाहा शोरूम से नई दो पावर बाइक चुराने वाले शातिर बदमाशों को गिरफ्तार किया।

प्रेमी के धोखे से आहत युवती ने जहर खाकर आत्महत्या की

जयपुर । करणी विहार इलाके में एक प्रेमी के धोखा देने से आहत युवती ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस जांच में सामने आया कि पिछले दो साल से आरोपित प्रेमी शादी का झांसा देकर उसका देहशोषण कर रहा था। शादी से मना करने पर धोखे का एहसास होने पर युवती ने अपने घर पर जहरीला पदार्थ खा लिया।

पुलिस ने सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। मृतक युवती के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित प्रेमी के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का मामला दर्ज किया है।

जांच अधिकारी एसआई महेन्द्र सिंह ने बताया कि करणी विहार की रहने वाली युवती ने आत्महत्या की है। शनिवार को परिवार के सदस्य घर पर मौजूद थे और इस युवती ने अपने कमरे में जहरीला पदार्थ खा लिया।

तबीयत बिगड़ने पर उलटी करते देखकर परिजनों ने उसे संभाला। ज्यादा तबीयत बिगड़ने पर उसे तुरंत सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां इलाज के दौरान रविवार रात को उसकी मौत हो गई।

जे.डी.ए. की लॉटरी आज

जयपुर । नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा की उपस्थिति में 12 मई को शुभारंभ की गई गंगा विहार, यमुना विहार एवं सरस्वती विहार आवास योजनाओं की लॉटरी जयपुर विकास प्राधिकरण प्रशासन आज निकालेगा। इन योजनाओं में पृथक-पृथक श्रेणियों के 765 भूखण्डों के ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए थे। आयुक्त आनन्दी ने बताया कि गंगा विहार, यमुना विहार एवं सरस्वती विहार आवासीय योजनाओं की लॉटरी 2 जुलाई को जविप्रा के नागरिक सेवा केन्द्र परिसर में निकाली जायेगी। उन्होंने बताया कि योजना की योजनाओं की सम्पूर्ण प्रक्रिया की लाइव स्ट्रीनिंग जेडीए के यूट्यूब चैनल एवं फेसबुक पेज पर किया जायेगा। लॉटरी के समय इच्छुक आवेदक उपस्थित रह सकते है।

राज्य सरकार और गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के बीच हुए समझौतों पर चर्चा

अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई जा रही विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंगलवार को सचिवालय में मंत्रीगण समिति की प्रथम बैठक आयोजित हुई।

जयपुर (कासं) । अति पिछड़ा वर्ग एवं गुर्जर समाज के प्रतिनिधियों द्वारा उठाई जा रही विभिन्न मांगों पर चर्चा के लिए मंगलवार को शासन सचिवालय में मंत्रीगण समिति की प्रथम बैठक आयोजित की गयी। बैठक में राज्य सरकार एवं गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के बीच हुए समझौतों पर विस्तृत चर्चा की गयी। इस दौरान गुर्जर आरक्षण आंदोलन से संबंधित मुकदमों के निस्तारण, रोस्टर एवं विभिन्न भर्तियों में आरक्षण, आन्दोलन प्रभावितों को अनुकम्पा नियुक्ति, देवनारायण योजना की प्रगति, 5 प्रतिशत अति पिछड़ा आरक्षण को नवीं अनुसूची में शामिल कराने सहित समस्त बिन्दुओं पर सकारात्मक चर्चा की गयी। समिति द्वारा सम्बंधित विभागों को इस सम्बन्ध में 15 दिन में तथ्यात्मक रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए गए तथा आंदोलन समिति द्वारा नामित प्रतिनिधियों के साथ चर्चा करने का निर्णय लिया गया।

अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त की तस्करी करते एक आरोपी गिरफ्तार

तस्कर के कब्जे से 8.870 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त जब्त किया

ब्यावर, (निसं)। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृत्ताधिकारी के सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना ब्यावर सदर मय जाप्ता द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ कार्यवाही करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार कर कब्जे से 08.870 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त जब्त करने में सफलता मिली।

गौरतलब है कि 30 जून को थानाधिकारी पुलिस थाना सदर को मुखबिर से सूचना मिली कि एक जवान उम्र का व्यक्ति जो खरवा में रामदेवजी के मन्दिर के पास प्लास्टिक का कट्टा लेकर खड़ा है जिसमें अवैध मादक पदार्थ डोडा-पोस्त भरा हुआ है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए रामदेवजी के मंदिर के पास पहुंचे तो व्यक्ति भागने लगा जिसको पुलिस टीम द्वारा डिटेन किया जाकर प्लास्टिक के कटटे की तलाशी ली गई। कट्टे में 08.870 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ डोडा पोस्त मिला जिसको जब्त किये जाकर आरोपी चारभुजा मंदिर के पास खरवा निवासी चेतन कुमार वैष्णव पुत्र राजेन्द्र वैष्णव उम्र करीब 29 साल को गिरफ्तार किया गया। गजराज पु.नि. थानाधिकारी सदर की पुलिस टीम में कांस्टेबल महेन्द्र, प्रदीप कुमार, मुकेश कुमार, सुखपाल, हरेन्द्र, सुखाराम आदि थे।

पुलिस ने डोडा-पोस्त तस्कर को गिरफ्तार किया।

ब्यावर में चैन स्नेचिंग के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया : जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देश में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं वृत्ताधिकारी के सुपरविजन में थानाधिकारी पुलिस थाना सदर मय जाप्ता द्वारा चैन स्नेचिंग की वारदात का खुलासा करते हुए दो आरोपियों शिव कॉलोनी बलाड़ रोड़ निवासी रविन्द्रसिंह उर्फ बबलू पुत्र सत्यनारायण रावणा राजपूत, सुरेश नगर बलाड़ रोड़ निवासी अमरसिंह पुत्र बाबूसिंह रावत को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से सोने का लॉकेट व घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल जब्त की।

गौरतलब है कि 29 जून को ग्राम डींगा टोला ब्यावर खास निवासी प्रार्थीया ने एक रिपोर्ट पेश की कि मैं मेरी पुत्री को छोड़कर वापस घर जा रही थी तो एक मोटरसाइकिल पर दो व्यक्ति आये और अचानक झपट्टा मारकर मेरे गले में पहना सोने का लॉकेट तोड़कर लेकर भाग गये। जिस पर प्रकरण दर्ज किया जाकर घटना की गंभीरता को देखते हुए थाना स्तर पर एक विशेष टीम का गठन किया जाकर टीम द्वारा सूचना संकलन, तकनीकि डाटा विशलेषण किया जाकर दो संदिग्ध को डिटेन किये गए। पूछताछ करने पर आरोपियो द्वारा चैन स्नेचिंग करने की वारदात स्वीकार किया जिस पर दोनों को गिरफ्तार किये जाकर उनके कब्जे से चैन स्नेचिंग किया गया सोने का लॉकेट व घटना में प्रयुक्त मोटर साईकिल जब्त कर लिया गया। गजराज पु.नि. थानाधिकारी सदर की पुलिस टीम में चेलाराम सउनि और कांस्टेबल प्रेमसिंह, मुकेश कुमार, संतोष कुमार थे।

बाइक जब्त, दो गिरफ्तार : टोंक में थाना दूनी क्षेत्र में हुई मोटरसाइकिल चोरी के मामले में गठित थाना टीम ने मोटरसाइकिल को बरामद कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

थानाधिकारी दूनी ने बताया कि गठित विशेष टीम ने तकनीकी एवं मुखबिर की सूवना पर आरोपी दिलखुश बैरवा पुत्र मंगल निवासी छाबड़ियों का नयागांव थाना दबलाना जिला बूंदी को ग्राम छाबड़ियों का नयागांव से गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद की गई। दिलखुश बैरवा ने उक्त मोटरसाइकिल मनोज पुत्र हरिसिंह मीणा से खरीदना बताया जिस पर आरोपी मनोज को भी गिरफ्तार किया गया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जावेगा तथा प्रकरण में अग्रिम अनुसंधान जारी है।

करौली जिले में झमाझम बारिश से राहत मिली

जगर बांध में 68 मिमी, हिंडौन में 55 मिमी और मंडरायल में 44 मिमी वर्षा दर्ज की गई

करौली में तेज बरसात होने से सड़कों पर पानी भर गया।

करौली, (निसं)। करौली में मंगलवार को हुई झमाझम बारिश ने लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत दी है। जल संसाधन विभाग के अधिशासी अभियंता सुशील कुमार गुप्ता के अनुसार पिछले 24 घंटों में जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अच्छी बारिश हुई। जगर बांध में सर्वाधिक 68 मिमी, हिंडौन में 55 मिमी और मंडरायल में 44 मिमी वर्षा दर्ज की गई। करौली में 42 मिमी,पांचना बांध में 33 मिमी, टोडाभीम में 18 मिमी, नादौती में 13 मिमी, श्रीमहावीरजी में 10 मिमी और सपोटरा में 1 मिमी बारिश हुई। इस मानसून सत्र में अब तक करौली में सर्वाधिक 326 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई है। जिले में कुल औसत बारिश 232.2 मिलीमीटर हो चुकी है। मानसून सत्र में बारिश का सामान्य औसत 596 मिमी है। बारिश से किसानों को फसलों के लिए फायदा मिलेगा। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में मानसून के और सक्रिय होने की संभावना जताई है। विभाग ने बारिश को लेकर अलर्ट भी जारी किया है। सोमवार को आसमान में बादल छाए रहे थे लेकिन उमस के कारण लोगों को राहत नहीं मिल पाई थी।

भारत में पर्यटन को विकसित करने की असीम संभावनाएं : डॉ. ललित के. पंवार

अजमेर, (कासं)। नीति आयोग में हाल ही मनोनीत विशेष आमंत्रित विशेषज्ञ पर्यटन, डॉ. ललित के. पंवार ने सोमवार को दिल्ली स्थित नीति आयोग में पर्यटन विकास को किस प्रकार और गति प्रदान करें के संबंध में विस्तार से प्रजन्टेशन दिया।

- **डॉ. ललित के. पंवार नीति आयोग में हाल ही मनोनीत विशेष आमंत्रित विशेषज्ञ पर्यटन है**
- **डॉ. ललित के. पंवार ने दिल्ली स्थित नीति आयोग में पर्यटन विकास को किस प्रकार और गति प्रदान करें के संबंध में विस्तार से प्रजन्टेशन दिया**

डॉ. ललित के. पंवार ने दिल्ली स्थित नीति आयोग में आयोजित कार्यक्रम में प्रजन्टेशन दिया।

उन्होंने बताया कि भारत में पर्यटन को विकसित करने तथा इसे घरेलू उद्योग के रूप में स्थापित करने की असीम संभावनाएं नये हैं, उन्होंने बताया कि वर्तमान समय में पर्यटन कैसे महत्वपूर्ण है। डॉ. पंवार ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के पर्यटन को पूरे विश्व में स्थापित करने के लिये जो सशक्त कदम उठाए उनकी सराहना की।

डॉ. ललित के. पंवार भारत सरकार में पर्यटन सचिव व भारतीय पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रहे हैं। बैठक की अध्यक्षता नीति आयोग के सदस्य भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी राजीव गौबा ने की। आयोग के संयुक्त सचिव आई ए एस राजीव ठाकुर भी मौजूद थे।

उल्लेखनीय है कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1979 बैच के अधिकारी डॉ. ललित के. पंवार राजस्थान के पर्यटन सचिव व राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष रह चुके हैं जिन्होंने राजस्थान के पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'पधारो म्हारे देस' स्लोगन दिया, जिसने पूरे विश्व में ख्याति अर्जित की। डॉ. पंवार सेवानिवृत्ति के पश्चात अगस्त 2015 से अगस्त 2017 तक राजस्थान लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष रहे। इस अवधि में आयोग ने अनेक क्षेत्र में विशेष उपलब्धियाँ हांसिल की जो आज संघ लोक सेवा आयोग व विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोगों में मिसाल के रूप में गिनी जाती है। इस अवधि में राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा विभिन्न 110 परीक्षाओं का आयोजन किया जिसमें सौ परीक्षा ऑनलाइन आयोजित की गई। एक भी पेपर लीक की कोई संभावना नहीं रही। देश में पहली बार राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 'ऑन स्क्रीन मार्किंग ' के आधार पर उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच की गई, जिसके निरीक्षण के लिये संघ लोकसेवा आयोग के अध्यक्ष स्वयं अजमेर आये और कार्य प्रणाली को देखकर आश्चर्य चकित रह गये।

महात्मा गांधी स्कूलों में टीचर्स के 11 हजार से ज्यादा पद खाली

बीकानेर, (निसं)। प्रदेशभर के महात्मा गांधी स्कूलों में साढ़े ग्यारह हजार टीचर्स की पोस्टिंग के बाद भी इतने ही पद खाली पड़े हैं। राज्य में नया सेशन शुरू हो गया है, लेकिन अंग्रेजी माध्यम स्कूलों की स्थिति सुधारने के सरकारी प्रयास आधे-अधूरे साबित हो रहे हैं। महात्मा गांधी स्कूलों में इस बार उपलब्ध सीटों से कम आवेदन होने से अधिकांश स्कूलों में सभी को एडमिशन मिल रहा है। रिक्त रही सीटों पर 'पहले आओ-पहले पाओ' आधार पर एडमिशन दिया जाएगा।

गौरतलब है कि कांग्रेस शासन में स्थापित महात्मा गांधी स्कूलों में शुरूआती सालों में काफी क्रेज रहा। प्राइवेट स्कूल छोड़कर अभिभावकों ने अपने बच्चों को इन स्कूल में एडमिशन दिलाया। प्राइवेट स्कूलों की भारी भरकम फीस से छुटकारा पाकर इन स्कूल में एडमिशन के लिए लॉटरी सिस्टम लागू किया गया। अब इन स्कूल का क्रेज खत्म हो रहा है। ऐसे में उपलब्ध सीटों से भी कम आवेदन हो रहे हैं। हालात ये है कि सरकार ने सेशन शुरू होने से ठीक एक दिन पहले इन स्कूल में टीचर्स की पोस्टिंग की है, जितने टीचर लगाए गए हैं, उतने ही पद अब भी खाली है। माध्यमिक शिक्षा निदेशालय की ओर से आयोजित परीक्षा में सफल हुए सरकारी टीचर्स को सोमवार को ही पोस्टिंग दी गई। विभाग ने एक साथ 11 हजार 576 टीचर्स को राज्यभर के 3737 स्कूल में लगा तो दिया लेकिन इससे आधी समस्या का निराकरण हुआ। अब तक राजस्थान में 11 हजार 424 पद रिक्त पड़े हैं। इन स्कूलों में 23 हजार पद खाली थे। अधिकांश स्कूल में तो प्रिंसिपल ही नहीं है। शहरी क्षेत्रों के स्कूलों में टीचर्स की भर्ती हुई लेकिन ग्रामीण स्कूलों की हालत खराब है। तीस जून को हुए आदेश में महज 380 स्कूल को ही प्रिंसिपल मिले हैं।

- **शिक्षा विभाग ने इतने ही टीचर लगाए भी, फिर भी पद रिक्त**

शिक्षा विभाग ने अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में पोस्टिंग कर दी लेकिन इससे बड़ी संख्या में हिन्दी माध्यम स्कूलों में पद रिक्त हो गए। जो टीचर्स एक साल पहले हुई परीक्षा में चयनित हुए और तीस जून को पोस्टिंग पा चुके हैं, उनमें अधिकांश हिन्दी माध्यम स्कूल के थे। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित स्कूलों में पोस्टेड इन टीचर्स को अब गृह जिला मिल गया लेकिन उन स्कूल को वापस टीचर नहीं मिल पाया। अंग्रेजी माध्यम में पहले से काम कर रहे टीचर्स का भी चयन हुआ है, जिनका स्कूल बदल गया है। हाल ही में पदस्थापित सभी टीचर्स को शाला दर्पण पर ऑनलाइन ज्वाइन करवाना होगा। माध्यमिक शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने आदेश दिए हैं कि नई पोस्टिंग पाने वाले सभी टीचर्स को कार्यभार ग्रहण करवाना होगा, वहीं पुराने जो टीचर्स अधिशेष हो गए हैं, उन्हें एक बार उसी स्कूल में ऑफलाइन ज्वाइन करवाना है।

आयुर्वेद विभाग का कनिष्ठ सहायक गिरफ्तार

करौली, (निसं)। आयुर्वेद विभाग के एक कार्मिक द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों के फिक्सेशन की 73 लाख 14 हजार राशि का गबन कर अपने खाते में डलवाने के आरोपी कार्मिक कनिष्ठ सहायक मुकेश शर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। वही उसका एक साथी आरोपी पूर्व में ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

- **सेवानिवृत कर्मचारियों के फिक्सेशन की 73 लाख 14 हजार राशि का गबन कर अपने खाते में डलवाये**

जानकारी के अनुसार आयुर्वेद विभाग के उपनिदेशक मूलचंद मीणा ने करौली कोतवाली थाने पर मामला दर्ज कराया था कि कार्यालय के कनिष्ठ सहायक मुकेश कुमार शर्मा एवं सुरेश चंद मीणा ने जालसाजी कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर सेवानिवृत कर्मचारी बाबूलाल बैरवा एवं राजेंद्र कुमार शर्मा का सातवें वेतन आयोग का पुनः फिक्सेशन कर बिल तैयार कर 73 लाख 14 हजार रुपए अपने निजी लोगों के खाते में रुपए डलवा लिए और और सेवानिवृत कर्मचारियों को आयकर का नोटिस प्राप्त होने पर अपने साथ हुई धोखाधड़ी का पता चला तब जाकर कोतवाली करौली पर मामला दर्ज कराया। जिस मामले में जिला पुलिस अधीक्षक बृजेश ज्योति उपाध्याय के निर्देशन में कोतवाली थाना पुलिस ने गबन के आरोपी सुरेश चंद्र मीणा को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसी कड़ी में दूसरे आरोपी मुकेश कुमार शर्मा को भी गिरफ्तार कर लिया गया है।

शिविर में पटवारी से मारपीट करने वाला गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। पंडित दीनदयाल संबल अभियान शिविर के दौरान पटवारी के साथ मारपीट कर राजकार्य में बाधा पहुंचाने के आरोपी को दानपुर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

थानाधिकारी राजवीर सिंह ने बताया कि गत 27 जून को पटवारी नारायण भोई हल्का पटवार मंडल कटुम्बी ने रिपोर्ट दी कि कटुम्बी में पं. दीनदयाल उपाध्याय संबल अभियान पखवाड़े के तहत शिविर लगाया गया था। इसी दौरान लक्ष्मण पुत्र खातुराम मईड़ा निवासी कटुम्बी गाली गलौच करते हुए आया और प्रार्थी को टेबल कुर्सी से नीचे पटक दिया। इसके बाद लातो-घूसों से मारपीट कर घसीटता हुआ पंचायत भवन के बाहर ले गया और वहां भी मारपीट की। मौजूद कर्मचारियों व ग्रामीणों ने बीचबचाव किया। पुलिस ने मामला दर्ज किया तो लक्ष्मण गिरफ्तारी के डर से फरार हो गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला एवं एएसपी राजेश भारद्वाज के निर्देशानुसार पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा के निकट सुपरविजन में थानाधिकारी राजवीर सिंह ने टीम गठित की। पुलिस ने इस दौरान मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर तलाशी की। वहीं दनाक्षरी, कोटड़ा आदि गांवों में भी दबिशें दी गयी लेकिन आरोपी शातिर होकर गिरफ्तारी से बचता रहा। इसी दौरान पुलिस ने जगह-जगह मुखबीरों से संपर्क बनाये रखा उसी के परिणामस्वरूप सूचना मिली कि अभियुक्त घर आया हुआ है और अग्रीम जमानत के लिये वकीलों से संपर्क कर रहा है। जिस पर पुलिस ने बस स्टैंड पर घेरा डालकर उसे गिरफ्त में ले लिया। पुलिस टीम में सहायक उपनिरीक्षक रमेषचन्द्र, कांस्टेबल लक्ष्मणलाल, बहादुर व गणेश शामिल रहे।

विधायक भड़ाना के नाम की धमकी देकर युवकों ने होटल में उत्पात मचाया

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के मांडल थाना क्षेत्र के नेशनल हाइवे 158 पर टेलीफोन एक्सचेंज के पास स्थित एक भोजनालय में बीती रात कुछ युवकों ने नशे की हालत में जमकर उत्पात मचाया। होटल संचालक अभय सिंह चुंडावत के अनुसार, रात करीब बारह बजे तीन-चार युवक भोजनालय में पहुंचे और जबरन खाना मांगने लगे। बंद होने की स्थिति में स्टाफ ने मना किया तो युवक गाली-गलौज पर उतर आए और मारपीट व तोड़फोड़ शुरू कर दी।

- **पीड़ित ने बताया कि बदमाशों ने साफ कहा कि ''रिपोर्ट की तो अंजाम भुगतना पड़ेगा।'' इससे वह और उसका स्टाफ काफी डरा-सहमा हुआ है**

युवकों में एक ने खुद को अंतिम व्यास बताते हुए मांडल विधायक उदयलाल भड़ाना का नजदीकी बताया और ''टीम भड़ाना'' के नाम से धमकाने लगा।

घटना के दौरान ही गश्त पर निकली पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तत्काल कार्रवाई नहीं करते हुए संचालक को सुबह थाने आकर रिपोर्ट देने को कहकर लौट गई। पुलिस के जाने के बाद युवकों ने पुनः कुछ देर तक उत्पात मचाया और वहां से धमकी देकर चले गए। अभय सिंह ने बताया कि बदमाशों ने साफ कहा कि ''रिपोर्ट की तो अंजाम भुगतना पड़ेगा।'' इससे वह और उसका स्टाफ काफी डरा-सहमा हुआ है। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है। पूरा घटनाक्रम भोजनालय में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो चुका है। स्थानीय व्यापारियों में इस घटना को लेकर खासा रोष है। उन्होंने दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए रात्रिकालीन सुरक्षा बढ़ाने की मांग की है।

आसाराम को आंशिक राहत मिली

जोधपुर, (कासं)। दुष्कर्म के मामले में सजा काट रहे आसाराम बापू को गुजरात हाईकोर्ट से 7 जुलाई तक की राहत के बाद अब राजस्थान हाईकोर्ट से भी आंशिक राहत मिल गई है। मंगलवार को जस्टिस दिनेश मेहता व जस्टिस विनीत माथुर की कोर्ट ने आसाराम बापू की ओर से अंतरिम जमानत बढ़ाने की याचिका पर सुनवाई करते हुए नौ जुलाई तक की राहत दी है। आसाराम की ओर से एडवोकेट निशांत बोड़ा व अन्य की ओर से यह याचिका दायर की गई थी। अब गुजरात हाईकोर्ट से 7 जुलाई तक मिली अंतरिम जमानत के बाद इसे आगे बढ़ाने के फैसले से तय होगा कि आसाराम को आगे कब और कितनी राहत मिलती है।

7 से 10 जुलाई तक आयोग की 6 भर्ती परीक्षाएं

नौ हजार से अधिक अभ्यर्थी शामिल होंगे

अजमेर, (कासं)। राजस्थान लोक सेवा आयोग द्वारा 7 से 10 जुलाई तक जिले में 6 विभिन्न भर्ती परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। आयोग सचिव के अनुसार इन परीक्षाओं के लिए 9 हजार से अधिक अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। परीक्षा कार्यक्रम के तहत 7 जुलाई को प्रातः 10 से 12:30 बजे तक टेक्निकल असिस्टेंट जियोफिजिक्स परीक्षा और दोपहर 3 से 5:30 बजे तक बायोकेमिस्ट परीक्षा होगी। 8 जुलाई को प्रातः जूनियर केमिस्ट और दोपहर में असिस्टेंट टेस्टिंग ऑफिसर की परीक्षा आयोजित की जाएगी। 9 जुलाई को असिस्टेंट डायरेक्टर परीक्षा के दोनों प्रश्न-पत्र और 10 जुलाई को रिसर्च असिस्टेंट परीक्षा होगी।

आयोग सचिव मेहता ने बताया कि प्रत्येक प्रश्न-पत्र में ओएमआर उत्तर पत्रक के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। प्रवेश-पत्र परीक्षा तिथि से 3 दिन पूर्व आयोग की वेबसाइट और एसएसओ पोर्टल पर अपलोड कर दिए जाएंगे। अभ्यर्थी आवेदन-पत्र क्रमांक और जन्म तिथि से प्रवेश-पत्र डाउनलोड कर सकेंगे। परीक्षा के दिन उम्मीदवारों को निर्धारित समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना अनिवार्य होगा, क्योंकि परीक्षा शुरू होने के 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश मिलेगा। अभ्यर्थी मूल रंगीन आधार कार्ड या अन्य मान्य फोटो युक्त पहचान पत्र के साथ नवीनतम रंगीन फोटो चिपकाया हुआ प्रवेश-पत्र साथ लेकर आएं, अन्यथा प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

ट्रक ने 200 भेड़ों को कुचला,150 की मौत

अनूपगढ़, (निसं)। घड़साना में नेशनल हाइवे 911 पर एक तेज रफ्तार ट्रक ने करीब 200 भेड़ों को कुचल दिया, जिससे 150 भेड़ों की मौत हो गई। वहीं एक भेड़पालक की मौत हो गई और दो अन्य भेड़पालक घायल हो गए। घटना लेघा पेट्रोल पंप के पास मंगलवार सुबह पांच बजे की है।

घायल भेड़पालक राकेश कुमार (25) ने बताया कि वे गांव 25 एपीडी बांडा से 8 एमजीएम रोजड़ी की ओर जा रहे थे। उनके साथ पप्पू (45) और सोहनलाल थे। अनूपगढ़ की तरफ से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने करीब 200 भेड़ों को कुचल दिया, जिससे 150 भेड़ों की मौत हो गई। वहीं हादसे में भेड़पालक सोहनलाल की मौत हो गई। वहीं दोनों घायलों का इलाज घड़साना के सरकारी अस्पताल में चल रहा है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

- **हादसे में एक भेड़पालक की मौत, दो अन्य घायल**

घडसाना एसएचओ महावीर प्रसाद ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही घड़साना पुलिस मौके पर पहुंची। सोहनलाल के शव को मॉर्च्युरी में रखवाया गया है और मृत भेड़ों की सूचना सरकारी पशु चिकित्सालय के अधिकारियों को दे दी है। उन्होंने बताया कि पुलिस के द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से ट्रक की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश जारी है।

जेएलएन अस्पताल में पैराफेरिंजियल ट्यूमर की जटिल सर्जरी

जबड़े की हड्डी काटे बिना ट्यूमर निकाला, मरीज पूरी तरह स्वस्थ

अजमेर, (कासं)। जवाहरलाल नेहरू अस्पताल के ईएनटी विभाग में जटिल पैराफेरिंजियल ट्यूमर की सफल सर्जरी कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

विभागाध्यक्ष डॉ. योगेश आसेरी और सहायक आचार्य डॉ. राजकुमार भाटी ने बताया कि मरीज को लंबे समय से निगलने और सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। जांच में पाया कि मरीज के पैराफेरिंजियल स्पेस ट्यूमर है जो गर्दन की नसों और रक्त वाहिनियों पर दबाव बना रहा था और नाक के पीछे तक फैला हुआ था। डॉ. आसेरी ने बताया कि यह क्षेत्र बेहद संवेदनशील होने के कारण पारंपरिक तौर पर जबड़े की हड्डी को काटकर ट्यूमर निकाला जाता है। हालांकि इस सर्जरी में टीम ने नवाचार पूर्ण संयुक्त तकनीक का उपयोग करते हुए मुंह और गले में चीरा लगाकर बिना जबड़े की हड्डी काटे ही ट्यूमर निकालने में सफलता पाई। मरीज की हालत अब स्थिर है और वह स्वस्थ हो रहा है।

जेएलएन मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. अनिल सामरिया ने बताया कि अस्पताल में जटिल ऑपरेशन किए जा रहे हैं, अब संभाग के मरीजों को बेहतर चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा ही है। यह ऑपरेशन मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के अंतर्गत निशुल्क किया गया, जबकि निजी अस्पतालों में इस सर्जरी पर लाखों रुपए का खर्च आता। इस टीम में डॉ. अजयपाल, डॉ. प्रदीप, एनेस्थीसिया टीम से डॉ. पूजा माथुर, डॉ. कुशांक, डॉ. पंकज और डॉ.सुनैना शामिल रहे।

अपने बेहतरीन करियर को विराम देने से पहले भारत में एक टेस्ट सीरीज जीतना चाहते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने आखिरी बार भारत में साल 2004 में टेस्ट सीरीज जीती थी।

- नाथन लियोन

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, अपने करियर के बारे में बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

कार्लोस अल्काराज

विंबलडन 2025 का आगाज हो चुका है। इस दौरान गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज को टूर्नामेंट के पहले दौर के मुकाबले में फेबियो फोगनिनी को हराने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जिस कारण ये मुकाबला पांच सेटों तक खिंच गया आखिर में 22 वर्षीय स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज ने आखिर में साढ़े चार घंटे तक मेहनत करने के बाद 7-5, 6-7. 7-5. 2-6. 6-1 से जीता। 1968 में टेनिस के पेशेवर बनने के बाद से लगातार तीन विंबलडन खिताब जीतने वाले पांचवें खिलाड़ी बनने की कोशिश में जुटे अल्काराज लगातार 18 मैचों की जीत के साथ ऑल इंग्लैंड क्लब पहुंचे थे।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने आखिरी बार 2007 में राहुल द्रविड़ की कप्तानी में इंग्लैंड के खिलाफ उसके घर में टेस्ट सीरीज जीती थी।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच आज से

एजबेस्टन की पिच पर टीम इंडिया की अग्निपरीक्षा

एजबेस्टन, 1 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट मैच आज से खेला जाएगा। ये मुकाबला बर्मिंघम के एजबेस्टन क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। एजबेस्टन की पिच पर दूसरे टेस्ट से दो दिन पहले काफी घार है, लेकिन यहां गर्मी जैसे हालात है और बुधवार को टॉस से पहले घास को काट दिया जाएगा। इसी के मद्देनजर भारतीय टीम अपनी प्लेइंग इलेवन का चुनाव करेगी जबकि इंग्लैंड पहले ही अपनी प्लेइंग इलेवन घोषित कर चुका है। वैसे भी एजबेस्टन भारत के लिए कभी भी लकी नहीं रहा है। इस मैदान पर भारत ने आठ मैच खेले हैं, जिसमें उसे सात में हार झेलनी पड़ी है और एक मैच ड्रॉ रहा था।

पिच का मिजाज

एजबेस्टन की पिच पर रोचक मुकाबले की उम्मीद की जा सकती है। मैच की शुरुआती 2 दिन ड्यूक की गेंद से तेज गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। मैदान पर बादल छाए रहने की स्थिति पर गेंदबाज और हावी हो सकते हैं। वहीं तीसरे और चौथे दिन पिच बल्लेबाजी के लिए आसान हो सकती है। मैच के आखिरी दिन के दौरान स्पिनर कमाल कर सकते हैं। हाउस्टेट के मुताबिक यहां पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों का जीत प्रतिशत 32.14 है।

एजबेस्टन में बारिश कर सकती है परेशान

एक्यूवेदर के मुताबिक, 2 जुलाई को मैच के पहले दिन 84 प्रतिशत तक बारिश की संभावना है। मैच के दूसरे और तीसरे दिन के दौरान मौसम साफ रह सकता है। चौथे दिन और 5वें दिन भी मैच के दौरान बारिश का खलल देखने को मिल सकता है। आखिरी 2 दिन बादल छाए रहेंगे। इन 5 दिनों में अधिकतम तापमान 23 डिग्री और न्यूनतम तापमान 10 डिग्री तक रह सकता है।

एजबेस्टन में भारत का रिकॉर्ड

भारत ने एजबेस्टन में 8 टेस्ट खेले, जिसमें से 7 में उन्हें हार मिली थी और सिर्फ 1 टेस्ट ड्रॉ पर समाप्त हुआ था। इस मैदान पर भारत का सर्वोच्च टीम स्कोर 416 रन रहा था। वहीं, सबसे क स्कोर 92 रन रहा था। इस मैदान में भारत का इकलौता ड्रॉ 1986 मं आया था। कपिल देव उस मुकाबले में भारत की कप्तानी कर रहे थे।

बुमराह फिट, लेकिन खेलने पर फैसला अभी नहीं : शुभमन

एजबेस्टन, 1 जुलाई। टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि जसप्रीत बुमराह दूसरा मुकाबला खेलने के लिए अवेलेबल और फिट हैं, लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट देखते हुए ही फैसला लेंगे कि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा बनेंगे या नहीं। वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा, ऋषभ पंत खतरनाक प्लेयर हैं, लेकिन उनकी बैटिंग देखना पसंद है। गिल ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें बस 20 विकेट लेने वाले सही बॉलिंग कॉम्बिनेशन की तलाश है। साथ ही हमें थोड़े रन भी बनाने होंगे। मैच से पहले पिच देखने के बाद ही फैसला लेंगे कि प्लेइंग-11 क्या होगी। बुमराह के बिना बेस्ट कॉम्बिनेशन पर फोकस शुभमन ने आगे कहा, बुमराह अगर नहीं खेल सकें तो टीम को उनकी कमी खलेगी। हालांकि, हमें सीरीज से पहले ही पता था कि वे 3 ही मुकाबले खेल सकेंगे। इसलिए मैनेजमेंट ने मिलकर पहले ही डिसाइड कर लिया है कि अगर बुमराह नहीं खेलें तो उनकी जगह कौन लेगा। हमारा फोकस उनके बिना बेस्ट बॉलिंग कॉम्बिनेशन तलाशने पर है। गिल बोले, टीम फिलहाल बैटिंग और बॉलिंग दोनों में गहराई तलाशना चाह रही है। ताकि बैटिंग में नंबर-8 से नीचे भी कुछ रन बन सके। साथ ही बॉलिंग में 4 तेज गेंदबाजों के साथ 2 पार्ट टाइम बॉलर्स भी अवेलेबल हों। अगर हम सीरीज के दौरान यह कॉम्बिनेशन हासिल कर पाएं तो बहुत बेहतर होगा।

पंत खतरनाक बैटर, लेकिन उनकी बैटिंग देखना पसंद : स्टोक्स

एजबेस्टन, 1 जुलाई। इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, पंत भले ही दूसरी टीम में हैं, लेकिन मुझे उनकी बैटिंग पसंद है। जब आप पंत जैसे टैलेंटेड प्लेयर को छूट देते हैं तो उनका बेस्ट प्रदर्शन सामने आता है। वे बहुत खतरनाक प्लेयर हैं, मुझे उनकी बैटिंग देखना पसंद है। स्टोक्स ने आगे कहा, मोईन अली टीम के साथ जुड़कर युवा स्पिनर्स की मदद कर रहे हैं। मुझे लगता है कि मोईन जैसे जितने ज्यादा अनुभवी प्लेयर्स टीम का मार्गदर्शन करेंगे, युवा प्लेयर्स उतना ही बेहतर परफॉर्म करेंगे। उन्होंने शोएब बशीर के साथ बहुत देर बातचीत की और बॉलिंग स्ट्रैटजी में उनकी मदद की।

वूमन प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 के पोस्टर का विमोचन

जयपुर, 1 जुलाई। वीरांगना वेलफेयर की ओर से वूमन प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 का आयोजन 3 जुलाई से 6 जुलाई 2025 जय क्लब में किया जाएगा। इसी कड़ी मंगलवार 01 जुलाई 2025 को

वूमन प्रीमियर क्रिकेट लीग 2025 का पोस्टर विमोचन किया गया। चार दिन के इवेंट में अलग-अलग टीम के साथ 9 मैच होंगे जितने वाली टीम को 21000 का इनाम सर्टिफिकेट दिया जायेगा। वीरांगना वेलफेयर की अध्यक्ष सीमा राठौड़ ने बताया कि महिला सशक्तिकरण और महिलाओं को क्रिकेट की दुनिया में एक मंच प्रदान करने और उनकी प्रतिभा को दुनिया के सामने लाने के उद्देश्य से इस प्रीमियर क्रिकेट लीग का आयोजन किया जा रहा है। प्रीमियर लीग जय क्लब के मैदान में आयोजित होगी। जिसकी शुरूआत 3 जुलाई से की जाएगी।

नारायणा क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 1 जुलाई। अंडर-16 अरावली कप में बालाजी क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.5 ओवर में 153 रन 10 विकेट के नुकसान पर बनाए। विशाल चौधरी ने 37, श्रेयांश ने 32 और

कार्तिकेय राठौर ने 22 रनों का योगदान दिया। क्रिकेट अकादमी की ओर से चर्चित यादव और रवि कश्यप ने 3-3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नारायणाक्रिकेट अकादमी ने 12 ओवर में 156 रन 2 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। हिमांशु ने 73 और रवि कश्यप ने 40 नाबाद रनों का योगदान दिया ! बालाजी क्रिकेट अकादमी की ओर से भारत को एक विकेट मिला। मैन ऑफ द मैच रवि कश्यप को चुना गया।

विंबलडन के पहले दौर में पेगुला की सनसनीखेज हार

लंदन, 1 जुलाई। तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिका की जेसिका पेगुला ने विंबलडन के पहले दौर में बाहर होने के बाद कहा है कि यह उनके लिए साल का सबसे खराब नतीजा था, क्योंकि वह अब तक टूर्नामेंट में हारने वाली सर्वोच्च वरीयता प्राप्त खिलाड़ी बन गई हैं। पेगुला को इटली की एलिसाबेटा कोकियारेटो ने 6-2, 6-3 से हराया, जो विश्व में उनसे 113 पायदान नीचे 116वें स्थान पर हैं। 31 वर्षीय पेगुला के दाहिने घुटने पर भारी पट्टियाँ बंधी हुई थीं, लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें इससे कोई परेशानी नहीं हुई, क्योंकि उन्हें कोर्ट दो पर मात्र 58 मिनट में हार का सामना करना पड़ा।

टॉसन से हार के बाद वॉटसन विंबलडन से बाहर

लंदन, 1 जुलाई। हीथर वॉटसन की विंबलडन की उम्मीदें पहले दौर में ही खत्म हो गईं, क्योंकि पूर्व ब्रिटिश नंबर एक खिलाड़ी को 23वीं वरीयता प्राप्त क्लारा टॉसन ने हरा दिया। वॉटसन ने पहला सेट जीतकर शानदार शुरुआत की थी, लेकिन डेनमार्क की टॉसन ने वापसी करते हुए आज 2-6, 6-4, 6-3 से जीत दर्ज की। वॉटसन, जो सिर्फ तीन साल पहले चौथे दौर में पहुंची थीं, की शुरुआत खराब रही, जब उनकी सर्विस तीसरे गेम में ही टूट गई। लेकिन इससे पूर्व ब्रिटिश नंबर दो खिलाड़ी के लिए शानदार शुरुआत हुई, क्योंकि उन्होंने पहला सेट जीतने के लिए लगातार पांच गेम जीते। शुरुआत में टॉसन के पास अपनी प्रतिद्वंद्वी का कोई जवाब नहीं था, लेकिन उन्होंने खुद को संभाला और दूसरे सेट में मजबूती से वापसी की, उन्होंने एक और शुरुआती ब्रेक हासिल किया और इस बार इसे बरकरार रखा, हालांकि वॉटसन को अपनी दूसरी सर्विस से जूझने में मदद मिली। विंबलडन में एक बार फिर से मौसम गर्म होने के कारण, निर्णायक तीसरे सेट में वॉटसन ने अपने कुछ शॉट्स की सटीकता खोनी शुरू कर दी और 3-3 पर ब्रेक हो गई। इसके बाद टॉसन ने मैच के शेष भाग को समाप्त कर दूसरे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली।

हॉकी इंडिया ने यूरोप दौरे के लिए इंडिया-ए पुरुष टीम की घोषणा की

नई दिल्ली, 1 जुलाई। हॉकी इंडिया ने यूरोप के अपने आगामी दौरे के लिए इंडिया ए पुरुष हॉकी टीम की आज घोषणा की, जो 8 से 20 जुलाई तक होने वाला है। इस दौरे में कुछ शीर्ष यूरोपीय टीमों के खिलाफ कुल आठ मैच होंगे और इसका उद्देश्य उभरते और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण को मूल्यवान अंतरराष्ट्रीय अनुभव प्रदान करना है।

टीम की कप्तानी संजय करेंगे, जबकि मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह उनके डिप्टी होंगे। 20 सदस्यीय टीम में गोलकीपर पवन और मोहित होनेनहल्ली शशिकुमार तथा डिफेंडर प्रताप लाकड़ा, वरुण कुमार, अमनदीप लाकड़ा, प्रमोद और संजय शामिल हैं। मिडफील्ड विभाग में पूवन्ना चंदूरा बॉबी, मोहम्मद राहील मौसीन, मोइरंगथेम रबीचंद्र सिंह, विष्णुकांत सिंह, प्रदीप सिंह और राजिंदर सिंह मौजूद हैं, जबकि फॉरवर्ड लाइन-अप में अंगदबीर सिंह, बॉबी सिंह धामी, मनिंदर सिंह, वेंकटेश केंचे, आदित्य अर्जुन लालगे, सेल्वम कार्ति और उत्तम सिंह शामिल हैं। स्टैंडबाय सूची में गोलकीपर अंकित मलिक, डिफेंडर सुनील जोजो और फॉरवर्ड सुदीप चिरमको शामिल हैं। दौरे के दौरान टीम को शिवेंद्र सिंह द्वारा प्रशिक्षित किया जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका ने जिम्बाब्वे को 328 रन से पीटा

बुलावायो, 1 जुलाई। दक्षिण अफ्रीका ने आज जिम्बाब्वे को टेस्ट क्रिकेट में अब तक की सबसे बड़ी हार दी, 328 रनों के विशाल अंतर से जीत दर्ज करके दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। 537 रनों के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए, कप्तान क्रेग एर्विन और ऑलराउंडर वेलिंगटन मसकाद्जा की थोड़ी सी वापसी के बावजूद जिम्बाब्वे अपनी दूसरी पारी में 208 रनों पर ढेर हो गया। इस जोड़ी ने सातवें विकेट के लिए 83 रन जोड़े, लेकिन एक बार यह साझेदारी टूट जाने के बाद उसकी पारी जल्दी ही समाप्त हो गई।

दक्षिण अफ्रीका के कॉर्बिन बॉश, जिन्होंने पहले शतक बनाया था, ने गेंदबाजी में भी शानदार प्रदर्शन किया, उन्होंने पांच विकेट लिए, और टेस्ट मैच में शतक बनाने और पांच विकेट लेने वाले खिलाड़ियों के विशिष्ट क्लब में शामिल हो गए। दक्षिण अफ्रीका पहले दिन 23/3 के स्कोर पर शुरुआती परेशानी में था, लेकिन डेब्यू करने वाले डेवाल्ड ब्रेविस और लुआन-ड्रे प्रीटोरियस ने शानदार वापसी की। प्रीटोरियस ने अपने डेब्यू मैच में 153 रन की शानदार पारी खेली, जिससे मेहमान टीम की लय स्थापित हो गई। इसके बाद बॉश ने निचले क्रम के साथ मिलकर स्कोर को 418/9 पर पहुंचा दिया।

जिम्बाब्वे ने अपनी पहली पारी में 251 रन बनाए, जिसमें सीन विलियम्स अकेले योद्धा थे, जिन्होंने केशव महाराज के आक्रामक फुटवर्क और स्वीप का सामना करते हुए स्टाइलिश 137 रन बनाए। हालांकि, बाकी बल्लेबाजी लाइनअप से समर्थन की कमी का मतलब था कि जिम्बाब्वे ने 167 रनों की महत्वपूर्ण बढ़त दे दी। दक्षिण अफ्रीका ने अपनी दूसरी पारी में जिम्बाब्वे को मुकाबले से बाहर कर दिया।

मुंबई के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे यशस्वी

मुंबई, 1 जुलाई। यशस्वी जायसवाल, मुंबई की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन (एमसीए) ने उनका अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) अनुरोध रद्द कर दिया है, जो उन्होंने गोवा की तरफ से खेलने के लिए बनवाया था। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नायक ने एक प्रेस रिलीज जारी करते हुए कहा, यशस्वी हमेशा से मुंबई क्रिकेट के एक बेहतरीन चेहरे रहे हैं। हमने उनके एनओसी रद्द करने के अनुरोध को स्वीकार कर लिया है और वह आगामी घरेलू सीजन में मुंबई के लिए उपलब्ध रहेंगे। अप्रैल में जायसवाल ने एमसीए से एनओसी ली थी और गोवा के लिए खेलने का मन बनाया था। एमसीए ने जायसवाल के इस फैसले को आश्चर्यजनक करार दिया था। हालांकि एक महीने के बाद जायसवाल ने फिर से एमसीए को पत्र लिखा, जिसमें कहा गया था कि जायसवाल अपने परिवार के साथ गोवा शिफ्ट होने की योजना बना रहे थे। हालांकि उन्होंने अपनी इस योजना को बदल लिया है।

स्मृति मंधाना को करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग, नंबर 1 की ओर अग्रसर

दुबई, 1 जुलाई। भारत की सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना को इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में शतक लगाने का इनाम मिला है, जो उन्हें आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाजों की अपडेट की गई रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग पर पहुंचाता है।

नंबर 1 रैंक वाली वनडे बल्लेबाज मंधाना ने हाल ही में नॉटिंघम में 112 रनों की शानदार पारी खेलकर इंग्लैंड को धूल चटा दी, जिससे बाएं हाथ की इस बल्लेबाज को टी20 बल्लेबाजों की नवीनतम रैंकिंग में एक स्थान का फायदा हुआ और वह तीसरे स्थान पर पहुंच गई।

इससे मंधाना को करियर की सर्वश्रेष्ठ रेटिंग 771 अंक मिल गई है और वह टी20 बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष पर मौजूद नंबर 1 खिलाड़ी बेथ मूनी से 23 अंक पीछे हैं। भारतीय ओपनर शेफाली वर्मा इंग्लैंड के खिलाफ उसी मैच में 20 रन की पारी के बाद एक स्थान ऊपर उठकर 13वें स्थान पर पहुंच गई हैं, जबकि उनकी साथी हरलीन देओल 43 रन की तेज पारी के बाद 86वें स्थान पर बल्लेबाजों की रैंकिंग में वापस आ गई हैं। इंग्लैंड की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल ने नॉटिंघम में खेले गए मैच में तीन विकेट लिए और दाएं हाथ की यह लंबी गेंदबाज टी20 गेंदबाजों की ताजा रैंकिंग में दो स्थान ऊपर उठकर अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं। पाकिस्तान की स्पिनर सादिया इकबाल टी20 गेंदबाजों की सूची में शीर्ष पर बनी हुई हैं, लेकिन शीर्ष 10 खिलाड़ियों के बीच केवल 44 रेटिंग अंकों का अंतर है।

वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका के बीच टी20 सीरीज के अंतिम मैच में भी उनके कई खिलाड़ियों ने ताजा रैंकिंग में जगह बनाई है। प्रोटियाज की युवा खिलाड़ी मियान स्मिट ने उस मैच में अर्धशतक जड़ने के बाद टी20 बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 100 से बाहर से छलांग लगाकर 76वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

सरे ने डरहम के खिलाफ क्लब का रिकॉर्ड 820 रन का स्कोर बनाया

लंदन, 1 जुलाई। डोम सिबली की 10 घंटे की 305 रन की पारी और डैन लॉरेंस तथा विल जैक्स के तेज शतकों की बदौलत सरे ने किआ ओवल में 820-9 रन पर पारी घोषित की, जो क्लब के लंबे इतिहास में सबसे बड़ा प्रथम श्रेणी स्कोर है। 407-3 से आगे खेलते हुए, उन्होंने दूसरे दिन चाय के बाद तक बल्लेबाजी करते हुए 811 रन का अपना 126 साल पुराना काउंटी रिकॉर्ड तोड़ दिया और कल चिलचिलाती धूप और 30 डिग्री से अधिक तापमान में डरहम की पीड़ा को और बढ़ा दिया। और दिन की समाप्ति से पहले 28 ओवर की गेंदबाजी में, सरे ने कुछ चुनौतीपूर्ण गेंदबाजी के साथ जवाब में डरहम को 59-1 पर रोक दिया।

पुलिस कोई जादूगर नहीं... कैट ने भगदड़ में 11 लोगों की मौत के लिए आरसीबी को जिम्मेदार ठहराया

बेंगलुरु, 1 जुलाई। बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर 4 जून को हुई भगदड़ के लिए केंद्रीय प्रशासनिक न्यायधिकरण ने आरसीबी प्रबंधन को जिम्मेदार माना है। कैट ने कहा है कि, आरसीबी प्रबंधन ने बिना पुलिस की अनुमति के सोशल मीडिया पर अचानक विजय जुलूस की घोषणा कर दी जिससे लाखों की भीड़ जमा हो गई और उसमें भगदड़ मच गई। बता दें कि, इस भगदड़ में 11 लोगों की जान चली गई जबकि 55 से ज्यादा लोग घायल हुए।

कैट की बेंगलुरु पीठ के जस्टिस बीके श्रीवास्तव और प्रशासनिक सदस्य संतोष मेहरा ने आदेश में कहा कि, प्रथम दृष्टया ऐसी प्रतीत होती है कि आरसीबी लगभग 3 से 5 लाख लोगों की भीड़ के लिए जिम्मेदार है। आरसीबी ने राज्य की पुलिस से आवश्यक अनुमति या सहमति नहीं ली। उसने अपनी आईपीएल 2025 की जीत का जश्न मनाने के लिए अचानक सोशल मीडिया पर जानकारी पोस्ट की और उसी के परिणामस्वरूप लोगों की भीड़ जमा हो गई।

साथ ही कैट ने कहा कि, समय की कमी के कारण, पुलिस उचित व्यवस्थान करने में असमर्थ थी। पुलिस से ये उम्मीद नहीं की जा सकती है कि लगभग 12 घंटे के छोटे समय में वह सभी आवश्यक व्यवस्थाएं कर लेगी। कैट ने आगे कहा कि, पुलिसकर्मी भी इंसान ही हैं। वे न तो भगवान हैं और न ही कोई जादूगर हैं। उनके पास अल्लादीन के चिराग जैसी कोई जादुई शक्तियां नहीं है कि वे उंगली रगड़कर कोई भी इच्छा पूरी कर सकें।

कैट ने ये टिप्पणी ने भारतीय पुलिस अधिकारी विकास कुमार द्वारा अपने निलंबन को रद्द करने के लिए दायर की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए की। केंद्रीय प्रशासनिक न्यायधिकरण ने आईपीएस विकास कुमार को राहत देते हुए उनका निलंबन भी रद्द कर दिया और निलंबन अवधि के समय को भई सेवा का हिस्सा मानने के आदेश दिए हैं।

क्रिकेट एसोसिएशन को स्वच्छ प्रशासन और जनभावना के अनुरूप खिलाड़ियों को मिले अवसर, इसके लिए करेंगे प्रयास : पिंकेश

भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग की ओर से किए गए स्वागत सत्कार में बोले एडहॉक कमेटी के सदस्य

जयपुर, 1 जुलाई। भाजपा प्रदेश मंत्री एवं प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव पिंकेश कुमार जैन को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी में सदस्य बनाए जाने पर भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग की ओर से भव्य स्वागत-अभिनंदन किया गया। प्रदेश मीडिया कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता, पैनेलिस्ट और मीडिया विभाग के सदस्यों ने प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल का दुपट्टा पहनाकर और मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दी।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल ने संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा के अनुरूप क्रिकेट को स्वच्छ प्रशासन मिले एवं जनता की भावना के अनुरूप क्रिकेट एसोसिएशन में काम हो, ताकि

यहां के खिलाड़ियों को अवसर मिले। इसके लिए एडहॉक कमेटी युद्ध स्तर पर कार्य करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा मीडिया टीम की ओर से किया गया स्वागत-सत्कार राजस्थान के क्रिकेट खिलाड़ियों का अभिनंदन है। हम सब मिलकर क्रिकेट के क्षेत्र में राजस्थान को गौरवान्वित करने वाले अवसरों की तलाश करेंगे। आपकी शुभकामनाएं हमारे संकल्पों को मजबूती प्रदान करेगी।

भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने बताया कि इस अवसर पर भाजपा प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, प्रदेश प्रवक्ता रामकुमार वर्मा, प्रताप राव कौशिक, राखी राठौड़, पंकज मीणा, सुरेश गर्ग, विकास बारहठ, शैलेंद्र सिंह गुर्जर, नमित जैन, मदन प्रजापत, भाजपा बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक राजेंद्र सिंह शेखावत सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने दुपट्टा एवं पुष्पगुच्छ देकर पोरवाल का अभिनंदन किया।

आरसीए एडहॉक कमेटी की सीएम से मुलाकात

जयपुर, 1 जुलाई। आज आरसीए की नवगठित तदर्थ समिति (एडहॉक) के सदस्यों जिनमें आरसीए की एडहॉक कमेटी संयोजक, सवाई माधोपुर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष दीनदयाल कुमावत, जोधपुर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष धनंजय सिंह, इसके अलावा प्रतापगढ़ जिला क्रिकेट संघ के सचिव पिंकेश कुमार जैन, सीकर जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष आशीष तिवाड़ी एवं अलवर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष मोहित यादव के साथमुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से भेंट कर उनका मार्गदर्शन और स्नेहिल आशीर्वाद प्राप्त किया। धनंजय सिंह ने कहा कि हम राज्य सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्यों की पूर्ण निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ पूर्ति हेतु संकल्पबद्ध हैं।

पाली एवं बीकानेर जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता समाप्त करने की शिकायतों के संबंध में सुनवाई 10 जुलाई को

न्यायमूर्ति दीपक वर्मा (सेवानिवृत्त) लोकपाल एवं नैतिकता अधिकारी, आरसीए द्वारा नोटिस जारी

जयपुर, 1 जुलाई। धर्मवीर सिंह शेखावत जिला क्रिकेट संघ, पाली और रतन सिंह शेखावत जिला क्रिकेट संघ, बीकानेर के जिला क्रिकेट संघों की संबद्धता समाप्त करने के संबंध में शिकायतों के संबंध में सुनवाई हेतु न्यायमूर्ति दीपक वर्मा (सेवानिवृत्त), लोकपाल एवं नैतिकता अधिकारी, आरसीए द्वारा लोकपाल एवं आचार अधिकारी के समक्ष उपस्थित होने के लिए सूचना जारी की गई है।

नोटिस में न्यायमूर्ति दीपक वर्मा द्वारा बताया गया है कि राजस्थान क्रिकेट संघ (आरसीए) के लोकपाल एवं आचार अधिकारी के रूप में जिला क्रिकेट संघ पाली एवं जिला क्रिकेट संघ बीकानेर की संबद्धता समाप्त करने के संबंध में औपचारिक शिकायतें प्राप्त हुई हैं।उक्त मामले आरसीए के संविधान, राजस्थान खेल अधिनियम के कथित उल्लंघन तथा आरसीए द्वारा अपनी तदर्थ समिति के माध्यम से जारी किए गए आदेशों का लगातार पालन न करने से संबंधित हैं। शिकायतों में आगे आरोप लगाया गया है कि आरसीए द्वारा बार-बार अवसर दिए जाने तथा नोटिस जारी किए जाने (30.04.2025 से 27.05.2025 के बीच विभिन्न संचारों के माध्यम से) के बावजूद संबंधित एसोसिएशन निर्धारित समय-सीमा के भीतर अपेक्षित जानकारी तथा दस्तावेज प्रस्तुत करने में विफल रहे। परिणामस्वरूप, आरसीए की आम सभा द्वारा 17.05.2025 को आयोजित अपनी बैठक में संघ से अलग होने के निर्णय लिए गए तथा तदर्थ समिति द्वारा अनुवर्ती कार्रवाई की गई। उपरोक्त के मद्देनजर, तथा प्राकृतिक न्याय, पारदर्शिता और प्रक्रियात्मक निष्पक्षता के सिद्धांतों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए, धर्मवीर सिंह शेखावत जिला क्रिकेट संघ, पाली, रतन सिंह शेखावत जिला क्रिकेट संघ, बीकानेर को मामले में सुनवाई के लिए व्यक्तिगत रूप से (या विधिवत अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से) के समक्ष उपस्थित होने का निर्देश दिया गया है।

लोकपाल के समक्ष आरसीए की बैठक 10 जुलाई, 2025, 11 बजे, भारत ज़ूम मीटिंग में शामिल होना होगा। दोनों जिला क्रिकेट संघों को अपना पक्ष प्रस्तुत करने, अपना रुख स्पष्ट करने और अपने बचाव में कोई भी सहायक सामग्री- दस्तावेज प्रस्तुत करने के हकदार हैं, जिसे आप उचित समझें।

विधिवत अधिकृत व्यक्ति या वकील द्वारा प्रतिनिधित्व करने के लिए भी स्वतंत्र हैं। इसके साथ - साथ इस नोटिस की तामील के बावजूद उपर्युक्त तिथि और समय पर उपस्थित न होना जानबूझकर असहयोग माना जाएगा और मामला आपके आगे किसी संदर्भ के बिना एकतरफा आगे बढ़ेगा। उसके बाद पारित निर्णय अंतिम और बाध्यकारी होगा।

जयदीप बियानी द्वारा किए गए गलत निर्णयों के खिलाफ उच्च न्यायालय में केस विचाराधीन है जिसकी कोर्ट की तारीख 14 जुलाई है। जिसकी जानकारी न्यायाधीश दीपक वर्मा को कर दी जायेगी। - **धर्मवीर सिंह**

साधारण सभा में चुनाव की तारीख और अधिकारी की नियुक्ति को लेकर चर्चा कल

जयपुर, 1 जुलाई। जयपुर जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी के कन्वीनर गोपाल सैनी ने बताया कि जिला संघ व के चुनाव नये सिरे से - होंगे और तीन जुलाई को बुलाई साधारण सभा की बैठक में चुनाव कार्यक्रम और चुनाव अधिकारी की नियुक्ति को लेकर चर्चा की जाएगी। जिला संघ के चुनाव गत वर्ष 17 नवम्बर को होने वाले थे लेकिन कुछ क्लबों की ओर से आपत्ति जताए जाने के बाद ठीक एक दिन पहले इन्हें स्थगित कर दिया गया था। एडहॉक कमेटी कन्वीनर की ओर से एजीएम का नोटिस जारी किए जाने के बाद तीन जुलाई को ही चुनाव कराने की चर्चा चल पड़ी थी। गोपाल सैनी ने कहा कि एजीएम में तो अभी सिर्फ चुनाव तिथि अधिकारी पर निर्णय लिया जाना है। उन्होंने कहा कि एजीएम में एडहॉक कमेटी के सभी पांचों सदस्य और जिला संघ से सम्बद्ध सभी बीस क्लबों को आमंत्रित किया गया है। कुछ क्लबों की ओर से एजीएम मात्र तीन दिन के शार्ट नोटिस पर बुलाए जाने पर आपत्ति पर सैनी ने कहा कि यह चुनावी एजीएम नहीं है। इसमें सिर्फ चुनाव कार्यक्रम पर विचार किया जाएगा। जल्दी एजीएम बुलाने का मकसद यही है कि रजिस्ट्रार सहकारिता की ओर से चुनाव कराने की जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसे जल्दी से जल्दी पूरा किया जाए ताकि एक इलेक्टेड बॉडी जिला संघ के कार्यकलापों का संचालन करे। उन्होंने कहा कि चुनावी एजीएम के लिए निश्चित रूप से 21 दिन पूर्व नोटिस जारी किया जाएगा।

राजस्थान के वुशू खिलाड़ी जहान्वी, नीतिका व महक का भारतीय वुशू टीम में चयन

जयपुर, 1 जुलाई। वुशू फेडरेशन ऑफ़ एशिया के तत्वावधान में दिनांक 2 से 7 जुलाई 2025 तक जिलिन, चीन में आयोजित होने वाले एशिया कप वुशू प्रतियोगिता में भाग लेने वाली भारतीय वुशू टीम में राजस्थान के तीन खिलाडियों का चयन हुआ। हीरानंद कटारिया, उपाध्यक्ष, भारतीय वुशू संघ वअध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ ने बताया कि जहान्वी मेहरा 56 किलोग्राम भारवर्ग में, नीतिका बंसल 65 किलोग्राम भारवर्ग तथा महक शर्मा 75 किलोग्राम भारवर्ग में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए, पदक की दावेदारी पेश करेगी। राजेश कुमार टेलर, वुशू कोच ने बताया कि जहान्वी मेहरा व नीतिका बंसल ने 2024 में मकाउ में आयोजित हुई। 10वी एशियन वुशू प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत देश का नाम रोशन किया है तथा इस बार भी तीनो खिलाडियों से पदक जीतने की पूर्ण उम्मीद जताई है। जहान्वी, नीतिका व महक का भारतीय वुशू टीम में चयन होने पर विनोद सिंह शेखावत, मुख्य संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजाराम मील, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, गोपाल सैनी, संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, राजकुमार शर्मा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, भगवान सहाय जाटवा संरक्षक, राजस्थान वुशू संघ, के. सी. घुमरिया, चेयरमैन, राजस्थान वुशू संघ, ममता वर्मा, महासचिव, राजस्थान वुशू संघ, विजय सिंह शेखावत, कोषाध्यक्ष, राजस्थान वुशू संघ व सभी पदाधिकारियों ने पदक जीत कर आने की शुभकामनाएं प्रदान की।

जयपुर में 15 अगस्त को आयोजित होने वाली देश की पहली बाल निगम सभा के पोस्टर का मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को विमोचन किया। इस मौके पर उन्होंने बच्चों से बातचीत भी की।

देश की पहली बाल निगम सभा 15 अगस्त को जयपुर में होगी

मुख्यमंत्री भजनलाल ने बच्चों के बीच बाल निगम सभा के पोस्टर का विमोचन किया

- **यह कार्यक्रम नगर निगम हैरिटेज, फ्यूचर सोसायटी तथा डिजिटल बाल मेला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगा।**
- **बाल निगम सभा में हैरिटेज निगम के चयनित बच्चे बाल पार्षद बनेंगे। वे निगम की बाल सभा में शहर की स्वच्छता से जुड़े मुद्दे उठायेंगे।**

जयपुर, 1 जुलाई। देश की पहली बाल विधानसभा का कीर्तिमान रचने के बाद अब राजस्थान पहली बाल निगम सभा आयोजित करने जा रहा है। यह सभा 15 अगस्त को नगर निगम हेरिटेज, फ्यूचर सोसायटी और डिजिटल बाल मेला के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होगी। इस सभा के पोस्टर का विमोचन मंगलवार शाम मुख्यमंत्री निवास पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बच्चों के बीच किया। इस मौके पर उन्होंने बच्चों ने बातचीत भी की।

पोस्टर विमोचन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बच्चे स्वच्छ भारत के सच्चे बालदूत हैं। "कौन बनेगा बाल पार्षद" राजस्थान में एक बेहतरीन नवाचार है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का स्वच्छ भारत का सपना यह अभियान प्रदेश के सभी नगर निगमों में पूरा करेगा। इस आयोजन के लिए उन्होंने डिजिटल बाल मेला, फ्यूचर सोसाइटी और नगर निगम हेरिटेज को शुभकामनाएं दी हैं।

डिजिटल बाल मेला की जान्हवी शर्मा ने बताया कि इस अभियान के तहत होने वाली निगम की बाल सभा में हेरिटेज निगम के चयनित बच्चे बाल पार्षद बनेंगे और निगम की बाल सभा में शहर की स्वच्छता से जुड़े मुद्दे उठाएंगे। यह आयोजन बच्चों की भागीदारी के माध्यम से स्वच्छ भारत मिशन को नई दिशा देने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

गौरतलब है कि कौन बनेगा बाल पार्षद अभियान पिछले वर्ष 26 नवंबर को लॉन्च किया गया था। अभियान के तहत, हेरिटेज निगम के वॉर्डों के स्कूल, पार्क और ऐतिहासिक स्मारकों पर बच्चों की ओर से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों ने पोस्टर, स्लोगन और सफाई गतिविधियों के माध्यम से आम जनता को ठोस कचरा प्रबंधन, प्लास्टिक के दुष्प्रभाव और गीले-सूखे कचरे के पृथक्करण के महत्व के बारे में जानकारी दी। अब हजारों प्रतिभागियों में से बच्चों का चयन कर, उन्हें बाल पार्षद बनाया जाएगा और उसके बाद सभा का आयोजन होगा।

'भगदड़ में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि इस भगदड़ में 11 लोगों की मौत हो गई थी। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण का कहना है कि आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली। आरसीबी की पहली आईपीएल खिताबी जीत के बाद टीम द्वारा विधानसौधा से विजय परेड और स्टेडियम में प्रशंसकों के साथ जश्न के कार्यक्रम की घोषणा के बाद, स्टेडियम के पास एमजी रोड और कुब्बोन रोड इलाकों में लगभग ढ ाई लाख प्रशंसक उमड़ पड़े थे। कैट ने कहा, इसलिए प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि लगभग तीन से पांच लाख लोगों के एकत्र होने के लिए आरसीबी जिम्मेदार है। आरसीबी ने पुलिस से उचित अनुमति या सहमति नहीं ली। कैट ने अपने अवलोकन में कहा, अचानक उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किया, जिसके परिणामस्वरूप लोग एकत्र हो गए। आरसीबी ने चार जून की सुबह की परेड और प्रशंसकों के कार्यक्रम के बारे में अपने सोशल मीडिया हैंडल पर पोस्ट किया था और न्यायाधिकरण ने पाया कि पुलिस विभाग के पास इतने कम समय में इतनी बड़ी भीड़ को संभालने के लिए पर्याप्त समय नहीं था।

तमिलनाडु में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सत्तूर टाउन पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है। पुलिस ने फैक्ट्री के फोरमैन को गिरफ्तार कर लिया है। इस बीच, मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शोक संतप्त लोगों के प्रति अपनी संवेदना जतायी है। उन्होंने मृतकों के परिवारों को चार-चार लाख रुपये तथा घायलों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की भी घोषणा की।

तमिलनाडु में पुलिस हिरासत में मौत की जांच सीबीआई करेगी

राज्य के मुख्यमंत्री स्टालिन ने यह बड़ा फैसला किया

- **ज्ञातव्य है कि शिवगंगा जिले में पुलिस ने पूछताछ के लिए 29 वर्षीय युवक अजीत कुमार को हिरासत में लिया था, जिसकी मौत हो गई। इस पर राज्य में भारी आक्रोश देखा गया, विपक्षी दलों व आम जनता ने भारी विरोध प्रदर्शन किया।**

चेन्नइ, 01 जुलाई। तमिलनाडु के शिवगंगा जिले में पुलिस हिरासत में हुई युवक की संदिग्ध मौत ने पूरे राज्य में हलचल मचा दी है। इस मामले में मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने बड़ा कदम उठाते हुए इसकी जांच सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है। 29 वर्षीय अजीत कुमार की मौत को लेकर विपक्ष से लेकर आम जनता तक में भारी आक्रोश है।

मिली जानकारी के मुताबिक, अजीत कुमार को पूछताछ के लिए तिरुपुवनम पुलिस ने हिरासत में लिया था। इसी दौरान कथित रूप से पुलिस की मारपीट के चलते उसकी मौत हो गई। मौत की खबर सामने आते ही, स्थानीय लोगों और अजीत कुमार के परिवार ने न्याय की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिए।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने बयान जारी कर कहा कि अजीत कुमार की मौत बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि यह घटना पुलिस द्वारा की गई हिंसा का नतीजा है, जो किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जा सकती। स्टालिन ने कहा कि वह शुरू से ही पुलिस कर्मियों को मानवीय व्यवहार अपनाने की सीख देते रहे हैं।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस विभाग ने पहले ही छह पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया था। अब इनमें से पांच पुलिसकर्मियों को हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, जिले के एसपी को अनिवार्य प्रतीक्षा पर भेज दिया गया है और एक डीएसपी को भी सस्पेंड कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने अजीत कुमार के परिजनों से बातचीत कर उन्हें न्याय दिलाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि जांच निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से की जाएगी, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और दोषियों को सजा दिलाई जा सके।

मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै बेंच ने पहले इस मामले में सीबी-सीआईडी जांच की अनुमति दी थी। लेकिन, पांच पुलिसकर्मियों पर सीधे आरोप लगने और जनता में भरोसा कायम रखने के लिए मुख्यमंत्री ने अब जांच सीबीआई को सौंपने का फैसला लिया है।

मुख्यमंत्री ने पुलिस विभाग को सख्त संदेश देते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस को जनता की उम्मीदों पर खरा उतरना चाहिए और उनकी समस्याओं का समाधान संवेदनशीलता के साथ करना चाहिए। राज्य सरकार इस मामले में सीबीआई को पूरा सहयोग देगी।

नया स्वदेशी युद्धपोत उदयगिरी नौ सेना में शामिल

यह पोत तय समय से पहले ही नौसेना को सौंप दिया गया है

- **इस श्रेणी के कुल 7 युद्धपोत और बनाए जाएंगे जो अगले वर्ष के अंत तक नौसेना को सौंप दिए जाएंगे।**

नयी दिल्ली/ पणजी, 01 जुलाई। मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएसएल) में निर्मित प्रोजेक्ट 17ए का दूसरा स्टेल्थ फ्रिगेट 'उदयगिरि' मंगलवार को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया। यह प्रोजेक्ट 17ए के तहत शिवालिक श्रेणी का दूसरा जहाज है। इस श्रेणी के कुल सात स्टेल्थ युद्ध पोत (फ्रिगेट्स) बनाए जाने हैं और इन्हें अगले वर्ष के अंत तक नौसेना को सौंपा जा सकता है।

रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को एक विज्ञिप्त में बताया कि उदयगिरि को तय तारीख से पहले 37 महीने के रिकॉर्ड समय में भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। यह फ्रिगेट बहुत-से मिशनों के लिए कार्य करने में सक्षम है। इसमें रडार या अन्य टोही उपकरणों से बच कर कार्रवाई करने की विशेषताएं बढ़ाई गई हैं। ये जहाज अत्याधुनिक हथियारों और सेंसरों से लैस हैं।

इन जहाजों पर भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो की अपनी अभूतपूर्व डिजाइन क्षमताओं की छाप है।

ये पोत पूर्ववर्ती पी-17 जहाजों की तुलना में 4.54 प्रतिशत अधिक बड़े हैं। इन जहाजों को पी-17 वर्ग की तुलना में अधिक आधुनिक और रडाररोधी विशेषताओं वाले उन्नत हथियारों और सेंसर से लैस किया गया है। इस जहाज को सतह से सतह पर मार करने वाली सुपरसोनिक मिसाइल प्रणाली, मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 76 मिमी गन तथा तीव्र गति से गोलाबारी करने वाली 30 मिमी और 12.7 मिमी की हथियार प्रणालियों से लैस किया गया है।

22 राज्यों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

और पश्चिम बंगाल में भी जल्द ही प्रदेश अध्यक्षों के चुनाव होंगे। मध्य प्रदेश में वरिष्ठ विधायक हेमंत खंडेलवाल एकमात्र नामांकन करने वाले उम्मीदवार थे, जिससे उनका चुनाव महज औपचारिकता बन गया है। भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि केन्द्रीय नेतृत्व ने ऐसे नेताओं को चुना है जो किसी गुट के नेता नहीं माने जाते और जिनकी स्वीकार्यता व्यापक है। पार्टी के संविधान के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने से पहले 37 संगठनात्मक राज्यों में से कम से कम 19 में प्रदेश अध्यक्षों का चुनाव जरूरी है।

'वन बिग ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चेतावनी दी यदि यह पागलपन वाला खर्च विधेयक पारित हो जाता है, तो अगले दिन अमेरिका पार्टी का गठन किया जाएगा। हमारे देश को डेमोक्रेट-रिपब्लिकन यूनिपार्टी के विकल्प की आवश्यकता है ताकि लोगों के पास वास्तव में एक आवाज हो।

जयपुर सैशन कोर्ट को "बम" से उड़ाने का ईमेल मिला

न्यायालय परिसर को तत्काल खाली कराके ली गई तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली

- **परिसर की तलाशी में बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड व सुरक्षा एजेंसियों ने तत्परता से भाग लिया। न्यायालय भवन को सुरक्षित घोषित करने के बाद अदालत का कार्य दोबारा चालू हुआ।**
- **पुलिस की साइबर शाखा ई-मेल स्रोत की जानकारी कर रही है।**

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर, 1 जुलाई। राजधानी जयपुर में मंगलवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब सत्र न्यायालय (सेशन कोर्ट) को बम से उडाने की धमकी भरा ई-मेल मिला। इससे पूरे न्यायालय परिसर में हड़कंप मच गया। जानकारी के अनुसार, यह धमकी न्यायालय के आधिकारिक ई-मेल पर भेजी गई थी। मेल की जानकारी मिलते ही न्यायालय प्रशासन ने तुरंत पुलिस और जिला प्रशासन को सूचित किया। इसके बाद बम निरोधक दस्ते, डॉग स्क्वॉड और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के दल मौके पर पहुंचे और न्यायालय परिसर को तत्काल खाली करा कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। पूरा भवन छानने के बाद किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई। सुरक्षा एजेंसियों ने परिसर के अलग-अलग हिस्सों में गहन जांच की। तलाशी अभियान के पूरा होने तक किसी तरह की संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर न्यायालय भवन को सुरक्षित घोषित किया गया। इसके बाद कार्य दोबारा शुरू हो गया। उधर साइबर शाखा ई-मेल के स्रोत की जांच में जुटी है।

बनीपार्क थानाधिकारी बृजमोहन कविया ने बताया कि मंगलवार दोपहर में यह ई-मेल प्राप्त हुआ था। सूचना मिलते ही पुलिस नियंत्रण कक्ष और वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया गया। बाद में तत्परता से पूरे परिसर को खाली करवाकर तलाशी अभियान चलाया गया।

बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वॉड की मदद से कोर्ट परिसर में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। इसके अलावा मौके पर सिविल डिफेंस की टीम भी तैनात की गई। डॉग स्क्वॉड और बम निरोधक दस्ते ने कोर्ट परिसर को खाली करवाकर चप्पे-चप्पे की तलाशी ली। तलाशी में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने पर पुलिस और प्रशासन ने राहत की सांस ली। वहीं, मेल के बारे में साइबर टीमें काम कर रही हैं।

गौरतलब है कि 30 मई को जयपुर में फैमिली कोर्ट और डिस्ट्रिक्ट कोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। राजधानी जयपुर में इससे पहले भी कई बार सरकारी महकमों को बम से उड़ाने की धमकी देने के मामले सामने आए थे। एसएमएस स्टेडियम को बम से उड़ाने की कई बार धमकियां मिल चुकी हैं। मेट्रो स्टेशन को बम से उड़ाने की धमकी भरे मेल आए थे। बाद में जब जांच हुई तो ये अफवाहें निकली थीं।

भारत व पाक ने कैदियों की लिस्ट का आदान प्रदान किया

- **दोनों देशों के बीच 2008 में हुए एक समझौते के तहत हर साल जनवरी व जुलाई में कैदियों को सूची साझा की जाती है।**
- **भारत ने 382 पाकिस्तानी कैदियों, 981 मछुआरों के नाम दिए और पाकिस्तान ने 53 भारतीयों व 193 मछुआरों के नामों की लिस्ट दी है।**

नयी दिल्ली, 01 जुलाई। विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारत तथा पाकिस्तान ने अपने-अपने देशों में हिरासत में रखे गये आम नागरिकों तथा मछुआरों की रिहाई के वास्ते सूची का आदान प्रदान किया है। भारत पाकिस्तान के बीच 2008 में हुए एक समझौते के तहत हर साल जनवरी और जुलाई में ऐसे कैदियों की सूचियों का आदान-प्रदान किया जाता है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता के अनुसार भारत ने अपनी हिरासत में रखे गये 382 पाकिस्तानी कैदियों और 81 मछुआरों के नाम पाकिसतान को दिए हैं जबकि पाकिस्तान ने अपनी हिरासत में रखे 53 भारतीयों और 193 मछुआरों के नामों की सूची भारत को सौंपी है।

प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने पाकिस्तान की हिरासत में मौजूद अपने कैदियों, मछुआरों और उनकी नावों तथा लापता भारतीय रक्षा कर्मियों की शीघ्र रिहाई तथा स्वदेश वापसी का आ ान किया है।

उन्होंने पाकिस्तान से उन 159 भारतीय मछुआरों और नागरिक कैदियों की रिहाई में तेजी लाने को भी कहा है, जिन्होंने अपनी सजा पूरी कर ली है। इसके अलावा 26 ऐसे कैदी हैं जिन्हें भारतीय नागरिक माना जाता है इसलिए सरकार ने इन कैदियों और मछुआरों को तत्काल कानूनी सुविधा उपलबध कराने को कहा है।

भारत ने यह भी कहा है कि उन सभी भारतीय कैदियों और मछुआरों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की जानी चाहिए जिनकी रिहाई लंबित है।

रेल मंत्री ..

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अनुकूल इंटरफेस के साथ व्यापक, ऑल-इन-वन एप्लिकेशन है जिसको एंड्रॉइड प्ले स्टोर और आईओएस एप स्टोर पर डाउनलोड किया जा सकता है। यह एप अनारक्षित एवं प्लेटफार्म टिकट पर तीन प्रतिशत छूट, लाइव ट्रेन ट्रैकिंग, शिकायत निवारण, ई-कैटरिंग, पोर्टर बुकिंग और लास्ट माइल टैक्सी जैसी सभी यात्री सेवाओं को एकीकृत करता है। केंद्रीय मंत्री ने एप जारी करते हुए कहा कि रेलवन में सिंगल साइन-ऑन की सुविधा है, जिसमें एम-पिन या बायोमेट्रिक के जरिए लॉगिन किया जा सकता है। यह मौजूदा रेलकनेक्ट और यूटीएस क्रेडेंशियल को भी सपोर्ट करता है। रेलवन स्पेस सेविंग है क्योंकि इसके कारण उपयोगकर्ताओं को अलग-अलग सेवाओं के लिए अलग-अलग एप रखने की जरूरत नहीं पड़ती।

ट्रंप एक समय के घनिष्ठ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनकी आलोचना होने लगी थी। अपनी तयशुदा अवधि के बाद मस्क ने डीओजीई को छोड़ दिया और ट्रंप की संघीय खर्च योजनाओं की आलोचना शुरू कर दी। इसके जवाब में ट्रंप ने मस्क पर आर्थिक चोट की। उन्होंने अमेरिका में इलेक्ट्रिक वाहनों पर दी जाने वाली सब्सिडी कम कर दी। यह सब्सिडी मस्क की कंपनी टेस्ला को मिलती थी, जो इलेक्ट्रिक गाड़ियाँ बनाती है। ट्रंप अब कहते हैं कि मस्क ने सरकारी सब्सिडी का भरपूर लाभ उठाया।

उन्होंने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर कहा कि एलन मस्क इस सब्सिडी के सबसे बड़े लाभार्थी थे, और इसके बिना उन्हें "अपनी दुकान बंद कर दक्षिण अफ्रीका लौटना पड सकता था।" व्यंग्यात्मक अंदाज़ में उन्होंने कहा कि मस्क अब अंतरिक्ष यान भेजने या अपनी विशाल योजनाओं का मज़ा नहीं ले पाएंगे। हालांकि मस्क अमेरिका के प्राकृतिक नागरिक हैं, लेकिन उन्होंने ट्रंप को फिर से नाराज़ कर दिया जब उन्होंने मिड-टर्म चुनावों में एक ऐसे उम्मीदवार का समर्थन किया जिसे ट्रंप हराना चाहते थे। अब ट्रंप अपने प्रवासी विरोधी अभियान को और तेज़ी से चला रहे हैं।

विडंबना देखिए, ट्रंप ने एलन मस्क को देश से बाहर निकालने की बात उस समय कही जब वे फ्लोरिडा में एक बदनाम डिपोर्टेशन कैंप - एलिगेटर अलकाट्राज़ - का उद्घाटन करने जा रहे थे। अगर ट्रंप वाकई मस्क को अमेरिका से निकाल देते हैं, तो यह अमेरिकी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंतिम टिप्पणी होगी।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा मैसर्स अरावली प्रिन्टर्स, राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर (राजस्थान) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 65015/96, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34 फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908